जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 245 प्रभात चूरू, गुरूवार 1 जनवरी, 2026 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

ममता बजर्नी विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी असमंजस की स्थिति में हैं

उनका मुस्लिम वोट बैंक बिखरने सा लग रहा है, अतः हिंदू मतदाता को लुभाने की पूरी कोशिश में हैं, पर, क्या वे चार महीने में इस लक्ष्य तक पहुँच पाएंगी, जबकि, प्रतिस्पर्धा हिंदुवादी भाजपा से है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 दिसंबर। पश्चिम बंगाल में भले ही विधानसभा चुनाव अभी कम से कम छह महीने दूर हों, लेकिन यहां बड़े राजनीतिक नेताओं की गतिविधियां बहुत तेज हो गई हैं और हर ओर राजनीतिक जोड़-तोड़ दिखाई दे रहा है।

इन्हीं नेताओं में से एक हैं अधीर रंजन चौधरी, जो कभी न सिर्फ राज्य, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी कांग्रेस पार्टी के बड़े नेता माने जाते थे, और अब वे अपने गृह क्षेत्र मुर्शिदाबाद और आसपास के इलाकों में अपना खोया हुआ प्रभुत्व वापस पाने की कोशिश करते नज़र आ रहे हैं। चौधरी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं और बाद में लोकसभा में कांग्रेस दल के नेता भी रहे हैं।

- ममता बनर्जी ने अपनी पार्टी की शुरुआत, कांग्रेस छोड़कर की थी तथा उस समय उनकी रणनीति थी, ज्यादा से ज्यादा कांग्रेस पार्टी के नेताओं को कांग्रेस छुड़वाकर अपनी पार्टी में शामिल करें।
- उनका दूसरा कदम था, कांग्रेस-वामपंथी पार्टियों के मुस्लिम समर्थकों को उनकी मूल पार्टी से अलग कर अपना मुस्लिम वोट बैंक तैयार करना। वे इस रणनीति को भी बखूबी पूरा कर ले गईं।
- पर, उनका मुस्लिम वोट बैंक बिखर रहा है, क्योंकि, मुस्लिम नेताओं की राजनीतिक महत्वाकांक्षा अब जागृत हो गई है और वो लोग अपनी-अपनी पार्टी बनाने की कोशिश में हैं। उदाहरण के लिए, मुर्शिदाबाद के मुस्लिम नेता हुमायूं कबीर। इन मुस्लिम नेताओं की महत्वाकांक्षा को पूरा करने की क्षमता नहीं है, ममता जी में।

ममता बनर्जी ने अधीर चौधरी को उनके ही निर्वाचन क्षेत्र में हराने को अपना एकमात्र लक्ष्य बना लिया था और इसके लिए उन्होंने विरोधी दलों के साथ कई गठबंधन किए। नतीजतन अधीर चौधरी अपनी सीट हार गए और उसी के साथ उन्होंने कांग्रेस के केन्द्रीय नेताओं का विश्वास भी खो दिया।

इसके बाद अधीर को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटा दिया गया। लेकिन उनकी जगह लेने वाला व्यक्ति इस जिम्मेदारी के लिए पूरी तरह अयोग्य साबित हुआ और बंगाल में कांग्रेस लगभग खत्म ही हो गई। ममता के सत्ता में आने के बाद हुए ध्रुवीकरण के चलते कांग्रेस की सारी प्रासंगिकता खत्म हो गई और उसका वोट बैंक भी बिखर गया।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सेवाकाल की गणना प्रथम नियुक्ति से करें'

जयपुर, 31 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिए हैं कि वह दौसा जिले के महुआ ब्लॉक में साल 1997 में तैनात महिला शिक्षक के सेवाकाल की गणना उसकी प्रथम नियुक्ति तिथि से करते हुए उसे समस्त सेवा परिलाभ अदा करे। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश सरूपी बाई मीणा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता की नियुक्ति साल 1997 में तृतीय श्रेणी शिक्षक पद पर हुई थी।

- हाई कोर्ट ने महिला शिक्षक की याचिका पर प्रथम नियुक्ति से सेवा परिलाभ देने के निर्देश दिए।

याचिकाकर्ता ने 4 मार्च, 1997 को कार्यभार भी ग्रहण कर लिया था। बाद में राज्य सरकार ने याचिकाकर्ता को ग्रीष्मावकाश का वेतन नहीं देने का निर्णय लिया और इस अवधि में उसकी सेवा ब्रेक मानी गई। इसके साथ ही उसे एक जुलाई से सेवा में नियमित मानते हुए वार्षिक वेतन वृद्धि, चयनित वेतनमान और वरिष्ठता आदि का लाभ दिया। याचिका में इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि याचिकाकर्ता की नियुक्ति मार्च माह में ही हो गई थी। ऐसे में उसकी

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सरकार ने वोडाफोन को नए साल जबरदस्त तोहफा दिया

वोडाफोन की देनदारी, जो लगभग 87,695 करोड़ रुपये है, उसे सरकार ने ''फ्रीज़'' किया तथा पाँच साल बाद भुगतान आरंभ होगा और इस तरह वित्तीय वर्ष 2031-32 से कंपनी भुगतान की अदायगी शुरु करेगी

- डॉ. सतीश मिश्रा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 दिसंबर। एक और बड़े व्यवसाय की मदद करने के लिए, मोदी सरकार ने वोडाफोन आइडिया को नए साल का तोहफा दिया तथा महत्वपूर्ण राहत पैकेज मंजूर किया है, जिसके तहत कंपनी के लंबित कर्ज का एक बड़ा हिस्सा स्थगित कर दिया गया और भुगतान पर पांच साल का मोरेटोरियम दिया गया है अर्थात 5 साल तक उन्हें भुगतान नहीं करना होगा। यह कदम कर्ज में डूबी इस दूरसंचार कंपनी के लिए एक जीवन रेखा माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के बकाया एडजस्टेड ग्रोस रैवुन्यु (एजीआर) को फ्रीज करने की मंजूरी दी तक जो कि 87,695 करोड़ रुपये तक है। इसमें सबसे उदार और अनुकूल शर्तें दी गई हैं।

इस फैसले के जानकार सूत्रों के अनुसार, कंपनी 2031-32 वित्तीय वर्ष से इन कर्जों का भुगतान शुरू करेगी और पूरे कर्ज को 2040-41 तक निपटा दिया जाएगा।

- यह माना जा रहा है कि सरकार ने यह रिलीफ पैकेज इसलिए दिया है, क्योंकि इससे ही सरकार अपने ''इन्वेस्टमैंट'' को सुरक्षित कर सकती है। जैसा कि विदित ही है सरकार की 49 प्रतिशत की हिस्सेदारी वोडाफोन में है।

एजीआर कर्ज वह राशि है, जो दूरसंचार कंपनियां सरकार को समायोजित सकल राजस्व के आधार पर भुगतान करती हैं, जो लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क की गणना का आधार होती है। एजीआर की परिभाषा में ऑपरेटरों द्वारा अर्जित सभी राजस्व शामिल हैं, जिनमें गैर-दूरसंचार आय, जैसे ब्याज, किराया और संपत्ति बिक्री भी शामिल हैं।

सूत्रों ने बताया, इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2017-18 और 2018-19 के एजीआर कर्ज, जो सितंबर 2020 में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद अंतिम रूप से तय किए गए थे, 2025-26 से 2030-31 के बीच बिना किसी संशोधन के चुका दिये जायेंगे।

वोडाफोन आइडिया लंबे समय से एक वित्तीय संकट से जूझ रहा है, जिसका कारण तीव्र मूल्य प्रतिस्पर्धा, भारी कर्ज का बोझ और राजस्व परिभाषा में बदलाव के कारण बढ़े हुये एजीआर कर्ज हैं।

कंपनी लगातार घाटे का सामना कर रही है, इसके ग्राहक आधार में गिरावट आई है और नेटवर्क विस्तार में निवेश करने की क्षमता सीमित हो गई है, जबकि प्रतिस्पर्धी कंपनियां 4 और 5 रोलआउट में आगे बढ़ रही हैं

हालांकि सरकार की कई राहत योजनाओं और कर्ज को इक्विटी में बदलने से ऑपरेटर को बनाए रखने में मदद मिली है, लेकिन इसके दीर्घकालिक दृष्टिकोण अब भी नीति

(शेष पृष्ठ 5 पर)

अजित पवार ने की भाजपा की खुली अवहेलना

भाजपा की आपत्ति के बावजूद नवाब मलिक के तीन रिश्तेदारों को बीएमसी चुनाव में टिकट दिया

- जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 31 दिसम्बर। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी के अध्यक्ष अजीत पवार ने भाजपा को तगड़ा झटका देते हुए, पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री नवाब मलिक के परिवार के तीन सदस्यों को मुंबई नगर निगम के चुनाव में उम्मीदवार के रूप में नामित किया है।

पवार ने मलिक को मुंबई के लिए एनसीपी की चुनाव प्रबंधन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया था। भाजपा ने मलिक के नाम पर आपत्ति जताई है, क्योंकि उनके खिलाफ अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहीम के रिश्तेदारों और सहयोगियों के साथ संपत्ति सौदों में लिप्त होने के आरोप हैं।

प्रसंगवश बता दें कि मलिक की बेटी सना मलिक मुंबई की अणुशक्ति नगर सीट से एनसीपी की विधायक हैं।

- अजित पवार ने नवाब मलिक को मुम्बई में एनसीपी की चुनाव प्रबंध समिति का चेयरमैन नियुक्त किया था, जिस पर भाजपा ने आपत्ति जताई, क्योंकि मलिक पर आरोप है कि उन्होंने दाऊद इब्राहिम के परिजनों व रिश्तेदारों से जमीन के सौदे किए हैं। इस संबंध में मलिक को ईडी ने गिरफ्तार भी किया था।
- लेकिन अजित पवार ने भाजपा की नाखुशी की लेश मात्र भी परवाह नहीं की, उल्टे नवाब मलिक के भाई, बहिन और भतीजी को बीएमसी चुनावों में टिकट दे दिया।
- ज्ञातव्य है कि बीमएसी चुनावों में भाजपा एकनाथ शिंदे और अठावले की पार्टियों के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है। अजित पवार को साथ नहीं लिया गया है।

बृहन्मुम्बई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी), जिसमें 227 निर्वाचन क्षेत्र हैं, में भाजपा, जो महा युति-एनडीए गठबंधन का नेतृत्व कर रही है, शिंदे के नेतृत्व वाली शिव सेना और अन्य पार्टियों, जैसे रामदास अठावले के नेतृत्व वाली आरपीआई (अठावले) के साथ गठबंधन कर रही है, जबकि एनसीपी को छोड दिया गया है।

एनसीपी के मुंबई में 100 से

(शेष पृष्ठ 5 पर)

दिल्ली ने सबसे ठंडे दिसंबर का 11 साल पुराना रिकॉर्ड तोडा

नयी दिल्ली, 31 दिसंबर। नये साल से ठीक पहले राजधानी दिल्ली कड़ाके की ठंड की चपेट में आ गयी और बुधवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान गिरकर 14.2 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। यह बीते 11 वर्षों में दिसंबर

- साल के आखिरी दिन दिल्ली में अधिकतम तापमान 14.2 डिग्री सैंटिग्रेड दर्ज किया। दिल्ली में सन् 2014 में दिसंबर में इतना कम तापमान दर्ज किया गया था।

महीने का सबसे कम अधिकतम तापमान है।

मौसम विभाग के मुताबिक, इससे पहले दिसंबर 2014 में 14.0 डिग्री सेल्सियस का रिकॉर्ड दर्ज किया गया था। पिछले 24 घंटों में तापमान में सात

(शेष पृष्ठ 5 पर)

संघ की मदद से मोदी की जगह प्र.मंत्री बनने का ख्वाब संजोए हैं चंद्रबाबू

भागवत की हालिया तिरुपति यात्रा में भागवत व चंद्रबाबू के बीच जो निकटता दिखी, उससे अटकलों का बाज़ार गर्म है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 दिसंबर। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्र बाबू नायडू नरेन्द्र मोदी के बाद प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा रखते हैं और उनका मानना है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत उनकी इस महत्वाकांक्षा को पूरा कर सकते हैं, क्योंकि वे मोदी को 75 वर्ष की उम्र में राजनीति से संन्यास लेने का आदेश दे सकते हैं, जो उम्र सीमा उन्होंने अन्य वरिष्ठ नेताओं, जैसे लाल कृष्ण आडवाणी के लिए तय की थी।

इस प्रकार, नायडू और भागवत के बीच की नज़दीकी को एक संभावित महत्वपूर्ण राजनीतिक स्थिति के रूप में देखा जा रहा है। तिरुपति में भागवत से हाल की हुई उनकी मीटिंग और फिर अयोध्या में राम मंदिर के दर्शन ने आंध्र

- नायडू की सोच है कि मोदी 75 वर्ष के हो गए हैं, इसलिए भागवत उन्हें पद छोड़ने को कह सकते हैं, उसके बाद भागवत नायडू का नाम आगे बढ़ा सकते हैं।
- मजे की बात है कि नायडू, जो मोदी से 5 माह बड़े हैं, पहले ही 75 के हो चुके हैं, पर, चंद्रबाबू व उनके समर्थकों का कहना है कि 75 साल का नियम भाजपा पर लागू होता है उन पर नहीं।
- अंदरूनी सूत्रों से पता चला है कि संघ नेतृत्व भाजपा में हालिया हुए फेरबदल से खुश नहीं है, खासकर बिहार के एक विधायक नितिन नबीन को भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने से। संघ को भी इस फैसले की सूचना अंतिम क्षणों में दी गई थी।
- नायडू के करीबी सूत्रों ने बताया कि उनकी भाजपा-आरएसएस के इकोसिस्टम पर पैनी नज़र है और अगर उन्हें मौका मिला तो वे राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी भूमिका निभाने से हिचकेंगे नहीं।

प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक समीकरणों में बदलाव की तीव्र अटकलों को जन्म दिया है।

नायडू, मोदी से पांच महीने बड़े हैं, और वे अप्रैल में 75 वर्ष की आयु पार कर चुके हैं, जबकि मोदी ने यह उम्र सितंबर में हासिल की। लेकिन टीडीपी के नेताओं का कहना है कि 75 वर्ष की आयु सीमा केवल भाजपा नेताओं पर लागू है, न कि नायडू पर। ज्ञातव्य है कि भागवत भी मोदी से छह दिन बड़े हैं, क्योंकि वे 11 सितंबर 1950 को जन्मे थे।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि नायडू की गतिविधियों को विचार-विमर्श के बाद के सावधानीपूर्ण संकेत माना जा सकता है। उन्होंने आंध्र प्रदेश के लोगों से कम से कम तीन बच्चे पैदा करने की अपील की है, जिसके कारण एक बहस भी शुरु हो गई है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

भारत ने निमेसुलाइड दवा पर बैन लगाया

नयी दिल्ली, 31 दिसंबर। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए सोमवार को ऐसी सभी ओरल दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर तत्काल प्रभाव से पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है, जिसमें निमेसुलाइड की

- यह दवा बुखार तथा दर्द में दी जाती है पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इसके साइडइफैक्ट्स को देखते हुए इस पर रोक लगाने का सुझाव दिया था, जिस पर भारत सरकार ने अमल किया है।

मात्रा 100 मिलीग्राम से अधिक है।

मंत्रालय ने एक वर्ष पहले ही मवेशियों के लिए भी इसे प्रतिबंधित कर दिया था। स्वास्थ्य अधिकारियों ने

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'यूक्रेन, रूस का लक्ष्य नहीं, बल्कि चिंगारी है, बड़े विस्फोट का रास्ता प्रशस्त करने के लिए'

यूक्रेन के इंटैलिजैंस चीफ, ले.जनरल कायरीलो बुडानोव ने चेतावनी दी कि राष्ट्रपति पुतिन बड़े और व्यापक युद्ध की तैयारी कर रहे हैं, जिसमें पूरा यूरोप ही नहीं, बल्कि सभी नाटो देश, रूस से सीधे टक्कर में आ जाएंगे

- सुकुमार साह -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 दिसंबर। कूटनीति ठप हो गई है और यूक्रेन युद्ध का समाधान दूर-दूर तक नज़र नहीं आ रहा, इसी बीच कीव से एक डरावनी चेतावनी आई है। यूक्रेनी खुफिया एजेंसियों का मानना है कि यूक्रेन युद्ध भले ही एक छोटे युद्ध का प्रारंभ हो, पर एक बड़े और कहीं अधिक खतरनाक वैश्विक टकराव की ओर बढ़ सकता है।

यूक्रेन की सैन्य खुफिया एजेंसी के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल कायरिलो बुडानोव ने चेतावनी दी है कि राष्ट्रपति व्लादिमीन पुतिन एक बड़े युद्ध की तैयारी कर रहे हैं, जो यूरोप को अपनी चपेट में ले सकता है और नाटो को रूस के साथ सीधे सैन्य टकराव में घसीट सकता है। यह वास्तविक संभावना पैदा कर रहा है कि तीसरा विश्व युद्ध इस दशक के भीतर या शायद इससे भी जल्द छिड़ सकता है।

बुडानोव के अनुसार, रूस की युद्ध योजनाएँ यूक्रेन तक सीमित नहीं हैं। उनका दावा है कि मॉस्को, नाटो-समर्थित देशों को निशाना बनाकर यूरोप में संघर्ष को बढ़ाने की योजना बना रहा है, जिसका उद्देश्य शक्ति के माध्यम से महाद्वीप की सुरक्षा व्यवस्था को नया आकार देना है। खुफिया मूल्यांकन का सबसे डरावना पहलू यह है कि रूस 2027 तक नाटो और यूरोपीय संघ के तीन सदस्य देशों- एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया को कब्जे में लेने की

- ले.जनरल बुडानोव के अनुसार, पहले रूस ने इस सामरिक युद्ध के लिए 2030 का समय मुकर्रर किया था, अब इस डैडलाइन का पुनर्निर्धारण किया गया और यह विस्फोट 2027 में करना तय किया गया है।
- ले.जनरल बुडानोव के अनुसार, मॉस्को की इस महत्वाकांक्षा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का आधार है, यह मानना कि वह एक साम्राज्य है और साम्राज्य को अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए अपना प्रभाव व राज्य का विस्तार करते रहना जरूरी है।

योजना बना रहा है।

बुडानोव ने कहा कि रूस की योजना 2030 तक इस कार्यवाही के लिए तैयार होने की थी, लेकिन अब क्रेमलिन ने अपनी योजनाओं को तेज़ कर दिया है। उन्होंने चेतावनी दी, ''समय सीमा में संशोधन किया गया है।'' ''रूस ने अब 2027 तक युद्ध के लिए तैयार होने का लक्ष्य तय किया है।''

कथित युद्ध योजनाओं के तहत, तीन बाल्टिक राज्य पूरी तरह से कब्जे में ले लिए जाएंगे। पोलैंड, इस बीच, अलग तरह से देखा जा रहा है, इसे वह क्षेत्र माना जाता है, जिस पर कब्जा किया जाए, बल्कि इसे सैन्य हमलों का लक्ष्य माना जाता है, जो नाटो संचालन को समर्थन देने की उसकी क्षमता को नष्ट करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। बुडानोव ने जोर देकर कहा कि पोलैंड पर तत्काल कोई रूसी आक्रमण का संकेत नहीं हैं, लेकिन यह मॉस्को के निशाने पर है।

नाटो सदस्य पर कोई भी हमला कहीं अधिक गंभीर परिणामों का कारण बनेगा, इसका प्रभाव पूर्वी यूरोप के पार तक होगा। इस तरह के हमले से नाटो चार्टर के आर्टिकल 5 को लागू किया जाएगा, जो एक सदस्य पर हमले को सभी पर हमले के रूप में मानता है और इसके साथ ही सभी सहयोगी देशों को बल का प्रयोग करने के लिए बाध्य करता है। व्यावहारिक रूप से इसका मतलब होगा, रूस और नाटो गठबंधन के बीच सीधा सैन्य टकराव, एक पूर्ण-स्तरीय विश्व युद्ध की शुरुआत के रूप में देखा जाता है।

बुडानोव ने मॉस्को की महत्वाकांक्षाओं को ऐतिहासिक संदर्भ में प्रस्तुत किया। माना जाता है कि ''एक साम्राज्य का अस्तित्व रहे, इसके लिए हमेशा विस्तार करना होता है, प्रभाव

(शेष पृष्ठ 5 पर)

इंदौर में दूषित जल से अब तक 12 मौत

इंदौर, 31 दिसंबर। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में जहरीले पानी से हुई मौतों का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को पांच माह के अव्यान साहू की मौत हो गई। इसके अलावा, एक बुर्जुग की मौत भी हुई है। बुधवार को भी नए मरीज सामने आए। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, अब तक

- इस मामले में हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर हुई है। हाई कोर्ट ने प्रशासन से स्टेटस रिपोर्ट मांगी है।

1100 मरीजों का इलाज किया जा चुका है। भागीरथपुरा में बुधवार को कुछ अन्य मौतें भी हुई, लेकिन स्वास्थ्य विभाग मौत की वजह डायरिया नहीं मान रहा है। अब तक जहरीले पानी से 12 लोगों की मौत हो चुकी है। मौत के चार नए मामले बुधवार को सामने आए है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

विचार बिन्दु

धैर्यवान मनुष्य आत्मविश्वास की नौका पर सवार होकर आपत्ति की नदियों को सफलतापूर्वक पार कर जाते हैं। –भर्तृहरि

बॉडी फिट तो माइंड हिट : मोदी का फिटनेस मंत्र युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समय समय पर देशवासियों को फिटनेस का सन्देश जरूर देते है। मन की बात के इस वर्ष के आखिरी एपिसोड में भी उन्होंने की चर्चा और कहा, आप को भी रहना है। ठंडी का ये मौसम व्यायाम के लिए बहुत उपयुक्त होता है, व्यायाम जरूर करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 75 साल की उम्र में एकदम फिट और ऊर्जावान हैं। मोदी का खानपान, योगाभ्यास और अनुशासित दिनचर्या उनकी तंदुरुस्ती के पीछे का असली मंत्र है। मोदी की फिटनेस युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं। मोदी अपनी सुबह की शुरुआत योगासन, सूर्य नमस्कार, ध्यान, वॉक और हल्की-फुल्की एक्सरसाइज से करते हैं। यह उनकी मेंटल हेल्थ के साथ फिजिकल हेल्थ का भी ध्यान रखते हैं। मोदी अन्य लोगों को भी योग करने के लिए प्रेरित करते हैं। फिटनेस को हमारे रोज़मर्रा के जीवन का अहम हिस्सा बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री द्वारा 29 अगस्त, 2019 को फिट इंडिया मूवमेंट शुरू किया गया था। इस मूवमेंट का मिशन अपने व्यवहार में बदलाव लाना और शारीरिक रूप से सक्रिय जीवनशैली की ओर बढ़ना है। सरकार ने स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए फिट इंडिया मूवमेंट, पोषण अभियान, ईट राइट इंडिया और खेलो इंडिया सहित कई पहल शुरू की है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य स्व स्थय जन-जीवन सुनिश्चित करना है।

शरीर को स्वस्थ और फिट रखने की कोशिशें एक बार फिर परवान पर है। हमारी भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल और खानपान की गलत आदतों की वजह से हमारी सेहत पर बुरा असर पड़ता है। स्वास्थ्य का ठीक से ख्याल न रखने की वजह से हमारे शरीर में तनाव, थकान, चिड़चिड़ाहट जैसी कई मानसिक और शारीरिक बीमारियां घेर लेती हैं जिससे हमारा तन-मन दूषित हो जाता है। इसके साथ ही शरीर भी बेडोला हो जाता है। शुरू में हम अपने शरीर और स्वास्थ्य पर पूरा ध्यान नहीं देते जब पानी सिर से ऊपर निकल जाता है और हम कई प्रकार की व्याधियों के शिकार हो जाते है तो हमें अपने शरीर को फिट रखने के लिए योग और प्राणायाम का ध्यान आता है। विभिन्न शोध रिपोर्टों में साफतौर पर इंगित किया गया है कि आजकल की भागदौड़भरी और व्यस्त लाइफस्टाइल ने बच्चे से बुजुर्ग तक को समय से पूर्व ही शारीरिक रूप से अपंग करके रख दिया है। यदि हम चेतावनियों के बावजूद नहीं सुधरे तो स्वस्थ जीवन जीना भूलना होगा। आईसीएमआर डेटा में इस बात का खुलासा हुआ है। आजकल आर्थराइटिस जैसी जोड़ों की बीमारियां उम्र तक सीमित नहीं रह गई हैं बल्कि शारीरिक रूप से काम न करना भी इस बीमारी के बोझ को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के आंकड़ों बताते हैं कि 54 फीसदी लोगों की शारीरिक गतिविधियां करने में रुचि नहीं है। इस सरकारी एजेंसी द्वारा की गई स्टडी के अनुसार लोग यात्रा और मनोरंजन से जुड़ी शारीरिक गतिविधियों के मुकाबले काम में ज्यादा समय बिताते हैं। आलसी जीवनशैली, कसरत न करना या प्रोफेशनल की देखरेख के बिना कसरत करने से युवाओं के जोड़ों के लिगामेंट में दिक्कतें होने लगती हैं। अपनी दिनचर्या को स्वस्थ और संतुलित करने के लिए सुबह एक्टिव और शाम को आरामदायक बनाना जरूरी है। ऐसा करने से दिन में अधिक काम किया जा सकता है और शाम को आराम मिलता है, इससे शरीर में कोर्टिसोल का लेवल बढ़ता है और वे दिनभर एक्टिव रहते है। हर खाने में प्रोटीन जरूरी है। वह अपने 99.9 प्रतिशत भोजन में प्रोटीन शामिल करते हैं, चाहे वह शाकाहारी हो या मांसाहारी। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन थाली में हमेशा किसी न किसी रूप में प्रोटीन मौजूद होता है। हेल्दी और फिट रहने के लिए सप्ताह में स्ट्रेंथ ट्रेनिंग बहुत ही जरूरी है। एक भी सप्ताह स्ट्रेंथ ट्रेनिंग नहीं छोड़नी चाहिए। यह मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए वजन, रेजिस्टेंस बैंड या अपने शरीर के वजन का उपयोग किया जाता है। इस ट्रेनिंग को रेज़िस्टेंस ट्रेनिंग भी कहा जाता है। इस ट्रेनिंग में वेट का इस्तेमाल करके बॉडी में मौजूद मसल स्ट्रैंथ को बढ़ाया जाता है। स्ट्रैंगथट्रेनगिस्टैमिना को बेहतर बनाने में मददगार है। इस ट्रेनिंग को अगर आप अपने लाइफस्टाइल में शामिल करते हैं तो इसके और कई फायदे भी उठा सकते हैं।

शुरू में हम अपने शरीर और स्वास्थ्य पर पूरा ध्यान नहीं देते जब पानी सिर से ऊपर निकल जाता है और हम कई प्रकार की व्याधियों के शिकार हो जाते है तो हमें अपने शरीर को फिट रखने के लिए योग और प्राणायाम का ध्यान आता है। विभिन्न शोध रिपोर्टों में साफतौर पर इंगित किया गया है कि आजकल की भागदौड़भरी और व्यस्त लाइफस्टाइल ने बच्चे से बुजुर्ग तक को समय से पूर्व ही शारीरिक रूप से अपंग करके रख दिया है। यदि हम चेतावनियों के बावजूद नहीं सुधरे तो स्वस्थ जीवन जीना भूलना होगा।

एक वैश्विक शोध रिपोर्ट के मुताबिक बदलती जीवनशैली के चलते दफ्तर और वर्क फ्रॉम होम में घंटों बैठे रहकर काम करने और फिर घर में निष्क्रिय जीवन जीने से मानव शरीर में जंग लगने लगा है और हम बीमारियों का आसान शिकार बनते जा रहे हैं। यह स्थिति तब और भी ज्यादा बिगड़ जाती है जब उम्र 25 पार करती है। चालीस की उम्र में आते-आते ज्यादातर लोग आजकल बेहद अनफिट हो जाते हैं। ऐसे में कोलेस्ट्रॉल लेवल के बढ़ने, ब्लड प्रेशर और शुगर लेवल के नॉर्मल न रह पाने, हड्डियों के भुरभुरा होने, मसल्स में तकलीफ होने, तनाव, डिप्रेशन, मोटापा आदि जैसी समस्याएं घर करने लगती हैं। डिप्रेशन तनाव, चिंता और उदासी का बहुत बड़ा कारण बनता है, जो जल्द ही आपके जीवन पर असर करना शुरू कर देता है। इससे पहले कि यह गंभीर रूप धारण कर लें, डिप्रेशन से निपटने के उपाय करने चाहिए। इससे निपटने का सबसे प्रभावी और प्राकृतिक तरीका शारीरिक गतिविधि है।

व्यस्त जीवन शैली के कारण आजकल कमर दर्द एक मुख्य समस्या बनती जा रही है। ज्यादातर मामलों में कमर के निचले हिस्से में दर्द की शिकायत बहुत ज्यादा बढ़ती जा रही है। इस बारे में कई तरह के शोध किए जा चुके हैं। कई अनुसंधान के बाद यही नतीजे मिलते हैं कसरत या अन्य कोई भी शारीरिक गतिविधि लगातार करते रहने से कमर के निचले हिस्से में होने वाले दर्द (लोअर बैक पैन) को 16 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। यह शोध ब्रिटिश जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ताओं ने बताया हैं कि टहलना, कठिन व्यायाम, तथा अन्य शारीरिक गतिविधियों से कमर दर्द को कम किया जा सकता है। शोधकर्ताओं के विश्लेषण से यह नतीजा सामने आया है कि निरंतर व्यायाम करने से कमर के निचले हिस्से में होने वाले असहनीय दर्द को कम किया जा सकता है। इसके अलावा भी अन्य तरह की शारीरिक गतिविधियां दर्द से राहत दिलाती हैं। वर्तमान दौर में दिन भर एक ही जगह बैठे रहने से इस तरह की बीमारियों का जन्म हुआ हैं।

तेज चलना, बागवानी या भारोत्तोलन आपका वजन कम करने के अलावा आपको खुश भी रख सकते हैं। शोध में इसका खुलासा हुआ है कि आपकी शारीरिक गतिविधियों की निरंतरता और उन्हें करने की क्षमता आपकी खुशी के स्तर को बढ़ाती है। शोधकर्ताओं के एक दल ने पाया कि एक सप्ताह में एक बार शारीरिक श्रम करने वाला एक सामान्य वजन का वयस्क बिना शारीरिक श्रम के पूरा सप्ताह गुजारने वाले समान वजन के वयस्क की अपेक्षा 1.4 गुना ज्यादा खुश रहा जबकि सामान्य से अधिक वजन का वयस्क 1.5 गुना ज्यादा खुश रहा।

जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है तो हमारे शरीर के काम करने की क्षमता धीमी हो जाती है। हमारे शरीर की हड्डियां के दोबारा बनने और रिपेयर होने की क्षमता कम होने लगती है। हमारे घुटनों के जोड़ में मुलायम टिश्यू मौजूद होते है, जिसे कार्टिलेज कहते है। यह मांसपेशियों को सहारा देते हैं और इससे गतिविधियां करने में आसानी होती है। यह एक तरह से शॉकआब्जॉर्बर का काम करते हैं। समय के साथ यह मुलायम टिश्यू घिसने लगते हैं, जिससे जोड़ों में जगह बनने लगती है और इससे जांघ और शिनबोन में घिसाव होने लगता है।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

आयकर का आधार जब वार्षिक आय हो तो मासिक वेतन से कटौती का क्या औचित्य?

प्रो.वीर बहादुर सिंह

लेखक वर्ष 1962 से भिन्न-भिन्न जगहों पर एक महाविद्यालयी अध्यापक रहा है और मेरा आयकर से सामना भी नौकरी आरम्भ करते ही हो गया। आरम्भ में नियुक्ति ऐसी जगह थी जहाँ आयकर के बारे में जानकार कोई नहीं था इसलिए आयकर विवरणी भरने के लिए चार पांच साथी लोग बैठ कर आपस में विचार कर विवरणी भरते थे और टैक्स जयपुर जो हमारे कॉलेज से साठ किलोमीटर दूर था, वहां पंजाब नेशनल बैंक में जमा कर और उसकी पावती विवरणी के साथ आयकर अधिकारी, जयपुर रजिस्टर्ड पोस्ट से भेजते थे।

ऐसा करते उस पध्यति में एक बार मेरी गलती से टोटल मे पच्चीस रुपये की गलती हो गई। मैनें हड़वड़ाहट में जयपुर जाकर तीस रुपये चालान से बैंक में जमा कर दिए और लौट कर फिर क्रमानुसार उसकी पावती को एक पत्र के साथ आयकर अधिकारी को जयपुर डाक से भेज दिया। कुछ दिनों पश्चात् मेरे पास पच्चीस रुपये का डिमांड नोटिस आयकर विभाग से प्राप्त हुआ। चूँकि मैनें अपनी गणना की गलती का सुधर पहले ही कर लिया था फिर भी आयकर विभाग से पच्चीस रूपए का डिमांड नोटिस मेरे पास आ गया। चूँकि मैं वित्त, राजस्व अथवा अन्य किसी अकाउंट विषय का जानकार नहीं था मेरे लिए विभिन्न धाराओं का संधर्व लिखे डिमांड नोटिस किसी अपराधी को कोर्ट से सुनायी सजा से कम नहीं था।

उस कॉलेज में मुझे सांत्वना देने वाला भी कोई नहीं था वे सभी मेरे जैसे ही थे। अगले दिन एक आकस्मिक अवकाश की अर्जी देकर मैं जयपुर गया, ऑफिस में जाकर पता चला कि इस कार्य को देखने वाले छुट्टी पर हैं। अन्य किसी ने भी उसमे मेरी मदद नहीं की। खैर ,कुछ दिन पश्चात् एक और कैसुअल लीव इस काम को भेंट कर जयपुर गया और पुनः असफल होकर वापस लौट आया। उस समय मोबाइल फ़ोन की सुविधा तो थी नहीं लैंड लाइन भी सुलभ नहीं थे, मेरे कॉलेज में लेवल एक टेलीफोन डीन के ऑफिस में हुआ करता था।

उस पर किसकी जुर्रत जो उसे समय असमय उपयोग में ले ले। खैर, तीसरी बार मैनें फिर जयपुर जाकर आयकर के नोटिस को निष्प्रवाभी कराना था परन्तु इस बार भी सम्बंधित व्यक्ति तो नहीं मिले लेकिन मुझे बड़े आयकर अधिकारी बैठे मिल गए। मैनें उन्हें अपना दुखड़ा रोया जो सज्जन यह काम देखते हैं।

वे मुझे मेरे तीन बार यहाँ आनें पर भी नहीं मिले। मेरी तीन कैसुअल लीव बेकार हो गई मैं भी आपकी तरह ही सरकारी कर्मचारी हूँ। वे फिर उठे और मेरे से चालान की प्रति लेकर सम्बंधित चैम्बर में जाकर वहां रखे एक अति विशाल रजिस्टर को खोल कर और मेरे नाम का पेज निकाल चालान की प्रति उस रजिस्टर में रख दी और मुझे कह दिया अब नोटिस नहीं आएगा आप जा सकते हैं। इस पूरे घटनाक्रम को मुझे बताने की जरुरत इसलिए पड़ी कि देश की आम जनता की राय में आयकर विभाग शुरू से ही असंवेदनशील और भ्रष्ट रहा है। आयकर दाता को परेशान करने में उसे आत्मसंतुष्टि का भान होता है ऐसा लोगों ने बताया ।

अब एक दूसरा दृष्टांत जो फिलहाल ही लेखक को झेलना पड़ा। प्रधान मंत्री के नाम से चालू एक वरिष्ठ फिक्स्ड जमा योजना के नाम से आकर्षित होकर मैनें भी बैंक ऑफ़ बड़ौदा में एक खाता खोला, इस सुविधा के साथ कि त्रैमासिक ब्याज उसी ब्रांच में मौजूद मेरे बचत खाते में क्रेडिट करें। अक्टूबर 2024 में आरम्भ करते ब्याज की दो क़िस्त दिसंबर 2024 और मार्च 2025 में बचत खाते में क्रेडिट तो की गई लेकिन उन दोनों से टीडीएस कटौती लगभग 20 से 22 प्रतिशत की दर से पहले ही कर ली गईं, जिसका विवरण बैंक द्वारा 31 मार्च 2025 पश्चात् दिए गए स्टेटमेंट में इंद्राज न तो ब्याज का था और न ही टीडीएस का। यह कोई गलती नहीं बल्कि जानकार कंप्यूटर पर बैठे व्यक्ति ने किया। मैनें भी सभी सम्बंधित पेपर एकत्रित कर अपने सी ए को आयकर विवरणी दाखिल करने के लिए दे दिए और सभी वांछित औपचारिकताएं पूरी कर आईटीआर की प्राप्ति सुचना की प्रति प्राप्त कर ली।

वर्ष 1970 से आज तक मैनें किसी वर्ष आयकर रिटर्न बिलम्ब से नहीं भरा। आयकर रिटर्न जमा करने के पश्चात् मैंने बैंक जाकर अपनी बचत खाते की पास बुक प्रविष्टियां पूरी करवाई तो मुझे मालुम हुआ सम्बंधित फिक्स्ड जमा का न तो ब्याज इंद्राज किया और न ही उस पर काटे गए टीडीएस का कहीं जिक्र। 84-85 साल की आयु में मैं मानसिक तौर पर भी परेशान हो गया। काफी हाय-तोबा करने पर मैनेजर ने मुझे केवल दो इंस्टॉलमेंट ब्याज का स्टेटमेंट दिया लापरवाही से अनापसनाप कटे टैक्स का भी इंद्राज था।

जब मैनें उनसे पूंछा कि ये आंकड़े बैंक द्वारा दिए वित्त वर्ष 2024-25 स्टेटमेंट में क्यों नहीं आये? घबड़ाकर उन्होंने काउंटर पर जाकर कुछ और निर्देश दिए लेकिन मुझे उचित उत्तर नहीं मिल सका। तत्पश्चात इसकी शिकायत मैंने बैंक के डिविशनल मैनेजर और ऑपरेटिंग मैनेजर को भी की। उनकी दखलनदाजी से बैंक को दुबारा अपना विवरण आयकर विभाग को भेजना पड़ा क्योंकि पहले के विवरण में न तो ब्याज और न आयकर कटौती दर्शाई गई थी। जिनके आधार पर मैं अपनी आयकर विवरणी दाखिल कर चुका था लिखने का मेरा मकसद केवल इतना है कि बैंक के अधिकारी आयकर कटौती के बारे में फौरी तौर पर कार्य निपटाते हैं जिससे ऐसी गंभीर त्रुटियाँ होती हैं और टैक्स देनेवाला परेशान होता है। और देश के आयकर विभाग की जिस तस्वीर का जिक्र मैनें ऊपर किया है वह सही साबित होती है।

भारत सरकार को सही अर्थों में यदि जनता की खुशहाली की मंशा रखती है और देश के आयकरदाता को सहूलियत देने की मंशा रखती है तो सरकार में बैठे सम्बंधित अधिकारिओं और मंत्रिओं को अपने दिमाग से यह भ्रम साफ़ करना होगा कि जनता बेईमान है जबकि इसके विपरीत सरकार में बैठे सचिव और मंत्री भ्रष्ट हैं ऐसा केवल मैं नहीं बल्कि सुप्रीमकोर्ट के एक पूर्व जज ने भी आपकी अदालत के मंच से यह बात कही थी।

सरकार ने उनकी बात को कोई तब्जो नहीं दी। फिर मेरी तो क्या हस्ती है? हां, मेरे जैसे अन्य भी यदि इस लेख को पढ़ेंगे तो उन्हें संतोष होगा कि वे इस महामारी के अकेले शिकार नहीं हैं। देश की आबादी 140 करोड़ पर प्रधान मंत्री जी गर्व तो करते हैं लेकिन उनसे अपना वित्त विभाग ही सही से नहीं संभलता। वर्तमान में लागू सभी आयकर श्रेणीआं वैज्ञानिक न होकर असंगत, दृष्टिविहीन और देश की जनता को मूर्ख समझ गढ़ी गई हैं। सांख्यकी विषय के सिद्धांतों का श्रेणी बनाते समय ध्यान नहीं दिया गया। बिभिन्न श्रेणिओं के आपस में न तो कोई उचित अंतराल है और न ही प्रत्येक श्रेणी के फैलाव में। अच्छा होता सरकार का वित्त विभाग देहली में पूसा स्थिति सांख्यकी संसथान से अपने सुझाव जचवा लेते।

उन्होंने खुद को सभी प्रकार से दक्ष और विवेकशील मानकरअसंगत आयकर श्रेणिओं को लागू करवा दिया। वित्त मंत्री और वित्त सचिव से यह आशा की जाती है कि वे स्वंग को विश्व में सबसे काबिल मानकर न चलें।कल्पित भ्रम में न रहेंऔर अपनी हंसी नहीं करवाएं। अन्यों की दशा और सुझावों को भी समुचित समझ ग्रहण कर स्थान दें ।

अंत मैं मेरा सुझाव है कि: 1. आयकर को पूर्णत: समाप्त किया जाय नहीं तो यह विभाग देश की ईमानदार जनता को भी शने:शने: बेईमान और भ्रष्ट बनाकर ही दम लेगा। कुछ वर्षों पूर्व भी इसी अखवार के सम्पादकीय पेज पर मेरा एक आयकर पर लेख छप चुका है। 2. आयकर नियमों और कार्यप्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन करना वांछित है। देश की जनता को ईमानदार मान कर चले बेईमान नहीं, जब तक कि कोई अन्यथा साबित न हो जाय। 3. अभी भी आयकर की बिभिन्न श्रेणीआं हैं। जो भी छूट देनी है उसे सीधे दर्शाया जाय न की वर्तमान व्यवस्था जहाँ मदारीनुमा कलाबाजी कर बारह लाख से अधिक आय होने पर गड़ना तीन लाख से शुरू होती है क्यों भाई क्यों?

श्रेणीओं और आयकर दरें ऐसी हों जिससे नागरिक उत्तरोत्तर अगली श्रेणी में जाकर टैक्स भरता रहे। जिन्होंने 13 लाख आय अर्जित की है तो उन्होंने गुनाह कर दिया क्या, उन्हें 12 लाख आय पर ही कमाना बंद कर देना चाहिए? देश के सच्चे नागरिक पर अधिक कमाई करने पर पावंदी है क्या? जिससे भी बन पड़े आयकर दाता यह पूंछे क्या यह न्याय संगत है? 4. आय कर समाप्त कर कोई और कर व्यवस्था सोची जाय जिसमें अधिकारिओं की विशाल फौज से निजात मिले और उन पर हो रहे करोड़ों के धन को देश के किसी अन्य जन हितेषी कार्य में लगाया जा सके। वर्तमान व्यवस्था को चलाये रखने से क्या कोई महान गणतज्ञ श्री रामानुजन बनकर नोबेल का प्रत्याशी तो नहीं बन सकता यह निश्चित है?

नोबेल का प्रत्याशी होना वर्तमान में सुगम लगता है वनस्पति एक ईमानदार वित्त सचिव अथवा मंत्री? ईश्वर देश के लोगों को सही राह दिखाए, यही कामना है। जिससे नागरिकों के मानसिक स्तर में वृद्धि संभव् हो। आखिर में वित्त विभाग के सभी अधिकारिओं को देहली के पूसा स्तिथि सांख्यकी संस्थान में कम से कम एक बार ओरिएंटेशन अवश्य कारंवाना चाहिए। ताकि वे अपनी प्रशासनिक सोच में वैज्ञानिक और मानवीय दृष्टिकोण को भी समावेश कर सकें।

-प्रो.वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति एवं डेरी व खाद्य विज्ञ

मोबाइल पर महाभारत: मोबाइल के ख़तरों को लेकर समाज का चिंतन कितना सही, कितना गलत!

सामाजिक क्षेत्र की बात करें तो व्यक्ति ने इसके उपयोग के चलते खुद को समाज से काट लिया है, वह अपने पारिवारिक परिवेश को छोड़ मोबाइल की दुनिया में ही खोया रहता है

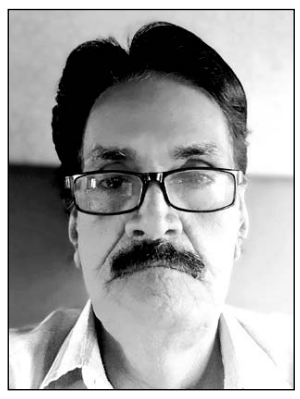

मिश्रीलाल पंवार

इन दिनों मोबाइल को लेकर देश में अलग ही महाभारत छिड़ी हुई है। एक तरफ मोबाइल के ख़तरों को लेकर समाज का एक वर्ग चिंतित हैं। आजकल युवतियों के घर से भाग जाने की घटनाएं बहुत हो रही है और इससे कोई इंकार नहीं कर सकता कि इसके पीछे मोबाइल की बड़ी भूमिका रहती है। समाज सब देख-समझ रहा है। मगर कर कुछ नहीं पा रहा है। हालात यह है कि परिवार के बुजुर्ग घर की बेटियों को लेकर हर घड़ी आशंका में घिरे रहते है।

शायद इसी का परिणाम है कि राजस्थान के जालोर जिले में पिछले दिनों पंचायत ने फरमान सुनाते 15 गांव की बहू-बेटियों पर कैमरे वाला फोन यूज करने पर बैन लगा दिया था। इतना ही नहीं सार्वजनिक समारोह से लेकर पड़ोसी के घर पर भी फोन ले जाने पर पाबंदी लगा दी गई थी। खांप पंचायत ने महिलाओं एवं युवतियों को लिए स्मार्ट फोन की जगह की-पैड फोन उपयोग में लेने का फरमान जारी कर दिया।

दरअसल जालोर जिले के चौधरी समाज सुंधामाता पट्टी की गाजीपुर गांव में बैठक हुई थी। 14 पट्टी के अध्यक्ष सुजनाराम चौधरी की अध्यक्षता में हुई बैठक में समाज की बहू-बेटियों के लिए ये निर्णय लिया गया था। बैठक में पंच हिम्मताराम ने फैसला पढ़कर सुनाया था। उनका कहना है कि देवाराम कारनोल वालों ने ये प्रस्ताव रखा था। इसमें सभी पंचों और लोगों ने चर्चा करते हुए निर्णय लिया कि 15 गांवों की बहू-बेटियां फोन पर बात करने के लिए की-पैड वाला फोन रखेंगी। इसके साथ ही पढ़ाई करने वाली बच्चियों को मोबाइल रखना अगर जरूरी होगा तो वे अपने घर में ही मोबाइल से पढ़ाई करेंगी। यानि वे घर में ही मोबाइल का यूज कर सकेंगी साथ ही शादी समारोह, सामाजिक कार्यक्रम और पड़ोसी के घर पर भी मोबाइल नहीं ले जा सकती हैं। ये नियम पट्टी में आने वाले जालोर जिले के गजीपुरा, पावली, कालड़ा, मनोजिया वास, राजीकावास, दातलावास, राजपुरा, कोड़ी, सिदरोड़ी, आलड़ी, रोपसी, खानादेवल, साविधर, भीनमाल के हाथमी की ढ़ाणी व खानपुर में लागू होना था।

खांप पंचायत का यह आदेश 26 जनवरी से लागू होना था। मगर होनी को तो कुछ और ही मंजूर था। इसका विडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पूरे देश में हाहाकार मच गया। कथित बुद्धिजीवी एवं प्रबुद्ध लोग हाथ धोकर खांप पंचायत के पीछे पड़ गए। सोशल मीडिया सहित प्रिंट मीडिया पर इसका इतना ज्यादा विरोध हुआ कि खांप पंचायत से जुड़े लोगों के हाथ-पांव फूल गए। परिणाम यह हुआ कि खांप पंचायत ने घबराकर अपना फरमान वापस ले लिया।

इधर इन्हीं दिनों मद्रास हाई कोर्ट की मदुरई पीठ ने आस्ट्रेलिया की तर्ज पर 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए इंटरनेट मीडिया के उपयोग को नियंत्रित करने की सलाह दे दी। मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै पीठ ने ऑस्ट्रेलिया में बने एक नए कानून का हवाला देते हुए यह अहम् टिप्पणी की।

कोर्ट ने कहा कि जब तक ऐसा कानून लागू नहीं होता, तब तक राज्य और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग बच्चों में बाल अधिकारों और इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्य योजना तैयार करें। जस्टिस जी. जयचंद्रन और केके रामकृष्णन की पीठ ने यह टिप्पणी तब की, जब याचिकाकर्ता एस. विजयकुमार का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील केपीएस पलानीवेल राजन ने एक नए आस्ट्रेलियाई कानून का हवाला दिया और कहा कि भारत को भी ऐसा कानून लागू करना चाहिए। चुंकि यह कोर्ट का मामला था, इसलिए कथित बुद्धिजीवी इस मामले में कुछ नहीं बोल पाए। उन्हें जैसे सांप सूंघ गया।

यह सच है कि आजकल मोबाइल फ़ोन हमारे जीवन का अभिन्न अंग हो गया है। व्यक्ति खुद को अपने मोबाइल फ़ोन से दूर नहीं रख पाता। हालांकि मोबाइल फ़ोन का अविष्कार वर्तमान में व्यक्ति के लिए वरदान है। इसके जितने फायदे हैं, उतना ही हानि है। टेक्नोलॉजी ने मनुष्य को विभिन्न पहलुओं पर लाभ व सहायता तो प्रदान की है, परंतु साथ ही विभिन्न प्रकार की हानियाँ, विनाश, शारीरिक एवं मानसिक कष्ट भी पहुँचाया हैं। हर दम इससे चिपके रहना किसी भी दृष्टि से अच्छा नहीं है।

हमारे स्वास्थ्य पर मोबाइल फ़ोन का बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। इसके अधिक उपयोग से व्यक्ति में चिड़चिड़ापन आ जाता है। सिर दर्द ओर नेत्र संबंधित समस्या होने की शिकायत बढ़ रही है। अनिंद्रा व मोबाइल के हानिकार रेडिएशन से हृदय संबंधित रोग भी हो सकते हैं। आजकल बूढ़े हो या जवान, बच्चे हो या महिला हर आयु का व्यक्ति मोबाइल से चिपका रहता है। गेम खेलना, फिल्म देखना, संगीत सुनना, डांस देखना, सोशल मीडिया चलाना, सेल्फी लेना, व्हाट्सएप प्रयोग करना, इंटरनेट ब्राउजिंग करना, ई लर्निंग, ऑनलाइन शॉपिंग करना, मैच देखना, आदि भिन्न भिन्न प्रकार की गतिविधियों में समाज का हर वर्ग लिप्त हैं।

सामाजिक क्षेत्र की बात करें तो व्यक्ति ने इसके उपयोग के चलते खुद को समाज से काट लिया है वह अपने पारिवारिक परिवेश को छोड़कर मोबाइल की दुनिया में ही खोया रहता है। वह व्यक्तियों से मिलना जुलना बंद कर देता है। शारीरिक क्षति की बात करें तो मोबाइल के उपयोग ने बहुत सारी शारीरिक समस्याओं को जन्म दिया है जैसे-आंखों की रोशनी पर प्रभाव पड़ना और चश्मे का लग जाना। व्यक्ति की एकाग्रता पर प्रभाव पड़ना। पढ़ने में मन ना लगना इत्यादि अनेक बातें हैं, जिनकी गणना करना संभव नहीं है। इसका इस्तेमाल से सड़क दुर्घटना भी हो रही है। व्यक्ति फोन पर बात करते हुए वाहन चलाते हैं जिससे दुर्घटनाएं होती हैं। इसमें व्यक्ति की मृत्यु तक हो जाती है।

इसका सबसे ज्यादा प्रभाव हमारी आने वाली पीढ़ी पर देखने को मिल रहा है बच्चों ने आउटडोर गेम खेलना बंद कर दिया है। वह पूरे समय मोबाइल में ही वीडियो देखने एवं गेम खेलने में लगे रहते हैं। इससे उनको बहुत कम ही उम्र में आंखों की रोशनी चली जाती है और उन्हें चश्मा लगवाना पड़ता है।

सोशल अवेकनिंग के संस्थापक और सीईओ मैक्स स्टॉसेल, जो प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया के स्वस्थ उपयोग को बढ़ावा देने वाला एक समूह है, माता-पिता को सलाह देते हैं कि वे बच्चों को कम से कम आठवीं कक्षा तक स्मार्टफोन न दें। इस रिपोर्टर द्वारा करवाए गए एक सर्वे में यह बात भी सामने आई है कि जो युवतियां घर से भाग कर अपनी मर्जी से शादियां रचाई है, वह सब मोबाइल का ही परिणाम है। खांप पंचायत के निर्णय के पीछे पड़ने वालों ने कारण जाने बगैर बखेड़ा खड़ा कर दिया। उस निर्णय पर गहन मंथन भी हुआ होगा। वहां जितने भी लोग मौजूद थे, वे सब अनुभवी वृद्धजन थे। समाज में हो रही घटनाओं से आहत थे। उनकी मंशा महिलाओं पर अंकुश लगाने की नहीं बल्कि समाज को मोबाइल के दुष्परिणाम से बचाने की रही होगी।

बहरहाल भारी विरोध को देखते हुए खांप पंचायत ने अपना फैसला वापस ले लिया है, मगर मोबाइल पर हो रही महाभारत अभी रुकने वाली नहीं है।

–मिश्रीलाल पंवार,
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार है)

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 1 जनवरी, 2026

पौष मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, रोहिणी नक्षत्र रात्रि 10:48 तक, शुभ योग सायं 5:31 तक, कौलव करण दिन 12:05 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-वृष, मंगल-धनु, बुध-धनु, गुरू-धनु, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

रवियोग रात्रि 10:48 से आरम्भ होगा। आज प्रदोष व्रत, रोहिणी व्रत और नववर्ष दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:38 तक, चर 11:13 से 12:30 तक, लाभ-अमृत 12:30 से 3:05 तक, शुभ 4:23 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:20, सूर्यास्त 5:40 तक

मेष
नवीन कार्यों के संबंध में संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता से संपन्न होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। मन में असंतोष बना रहेगा।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कन्या
धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। परिवार में शुभ और मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। व्यावसायिक कार्यों में परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

वृश्चिक
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

धनु
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

कुंभ
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सार-समाचार

ट्रैफिक जाम से वाहन चालक परेशान

चूरू, (निसं)। ओम कॉलोनी स्थित रेलवे फाटक पर पिछले कई महीनों से रोजाना ट्रैफिक जाम लगा रहता है। लंबे समय तक रेलवे फाटक बंद रहने तथा यातायात व्यवस्था सुचारू नहीं होने के कारण वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि ट्रैफिक व्यवस्था सुचारु करने के लिए एक ट्रैफिक पुलिस कर्मी भी यहां तैनात किया गया है, लेकिन एक ट्रैफिक पुलिस कर्मी के भरोसे यातायात व्यवस्था सुचारू नहीं की जा सकती है। चूरू शहर में आने के लिए यही एक मात्र रास्ता है, वह भी बहुत संकरा रास्ता है और कच्चा रास्ता है। ओम कॉलोनी में रहने वाले लोगों के लिए ये समस्या जी का जंजाल बन चुकी है। ओम कॉलोनी से रेलवे स्टेशन तक जाने में 10 से 20 मिनट तक लग रहे हैं, और कई बार तो एक घंटा भी लग जाते हैं, जबकि दूरी एक किमी से भी कम है। वहां के स्थानीय निवासियों का कहना है की कई बार दिन में दो-तीन ट्रेनें साथ में आती है तब यहां पर आधे घंटे से भी ज्यादा समय तक फाटक बंद रहता है जिसके कारण ओम कॉलोनी फाटक से लेकर पूनिया कॉलोनी फाटक तक लंबा जाम लग जाता है। वहीं इधर मुख्य रास्ते पर धर्म स्तूप से ओम कॉलोनी फाटक तक लंबा जाम लग जाता है। जिससे वाहन चालकों और आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

'योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठायें'

चूरू, (निसं)। भारतीय जीवन बीमा निगम कार्यालय में पीएम श्री राजकीय बागला उच्च माध्यमिक विद्यालय चूरू के कक्षा 11 व 12 के व्यावसायिक शिक्षा के विद्यार्थियों का ओजीटी व इंटर्नशिप शिविर का निरीक्षण बुधवार को समसा एडीपीसी सरिता आत्रेय ने किया। इस दौरान एडीपीसी ने विद्यार्थियों को भारतीय जीवन बीमा निगम व भारतीय डाक विभाग की विभिन्न योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। व्यावसायिक शिक्षा प्रभारी व्याख्याता संजू ने बताया कि 26 दिसंबर 2025 से 4 जनवरी 2026 तक व्यावसायिक शिक्षा का यह 10 दिवसीय शिविर आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर समसा के कार्यक्रम अधिकारी मनोज सोलंकी ने भी विद्यार्थियों से अपने विचार साझा किये। प्रधानाचार्य रमेश पूनिया ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नारायण लक्ष्मण पुण्य स्मरण दिवस मनाया

उदयपुरवाटी, (निसं)। शाकंभरी रोड़ पर स्थित आनंद श्री चेतना केंद्र पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नारायण सिंह, वरिष्ठ प्रचारक रहे लक्ष्मण सिंह भैया जी की पुण्य तिथि पुण्य स्मरण दिवस के रूप मनाई गई। इस अवसर पर सीकर के पूर्व सांसद सुमेधानंद महाराज मुख्य अतिथि मौजूद रहे। योगश्री नाथ महाराज, बहन सुनीता ब्रह्मकुमारी सानिध्य रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ नारायण लक्ष्मण के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर हुआ। इससे पूर्व अतिथियों ने वनवासी राम कुटिया का लोकार्पण किया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता और कर्मचारियों को शॉल, कंबल ओढ़ाकर सम्मान किया। इस दौरान पूर्व चेयरमैन सुभाष शर्मा, रिशाल चनना, गिरधारी लाल राठी, अमित जाखड़, प्रभुदायल सैनी, प्रहलाद गुर्जर, हुक्म सिंह, मैनेजर रामप्रताप पुलकित, राजपाल सिंह शेखावत, पार्षद तेजस छीपा, गोपीनाथ मंदिर के बृजलाल महाराज, राजेंद्र सिंह पिपराली, झब्बर सिंह शेखावत, पूर्व कृषि अधिकारी रामकरण सैनी, संजय सिंगोदिया सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर मधु राजस्थानी, बजरंग सोनी, बनवारी दास महाराज, कालू सैनी द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई।

महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित किये

तारानगर, (निसं)। भारत सरकार में एमएसएमई विभाग द्वारा तारानगर नगरपालिका में आयोजित स्वयं सहायता समूह प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ जिसमें भाजपा नेता राकेश जांगिड़ ने शामिल होकर प्रशिक्षित महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित किये। जांगिड़ ने कहा स्वंय सहायता समूह द्वारा किया गया यह आयोजन महिला सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण है। प्रशिक्षण,आत्मनिर्भरता और सामूहिक सहभागिता के माध्यम से निश्चित तौर पर महिलाएं आगे बढ़ रही हैं और समाज में अपनी नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास व आर्थिक स्वावलंबन का परिचय देकर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी पूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इस अवसर पर नगरपालिका अधिशासी अधिकारी अजय प्रताप सिंह, शहर मंडल अध्यक्ष अनूप खंडेलवाल, पार्षद शिवकुमार शर्मा, ट्रेनर जगदीश प्रसाद, आराधना शर्मा, कविता शर्मा, लालचंद रैगर, नरेश झाझड़िया सहित काफी महिलाएँ मौजूद रही।

पौष बड़ा महोत्सव का आयोजन

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। कस्बे के प्रसिद्ध पहाड़ी वाले गणेश मंदिर में बुधवार को पौष बड़ा महोत्सव का आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में धार्मिक वातावरण बना रहा और सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई। महोत्सव के दौरान मंदिर के पुजारी ओमप्रकाश स्वामी ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान गणेश को हलवे का भोग अर्पित किया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं को हलवा व पकौड़ी का प्रसाद वितरित किया गया। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ठाहण कर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी रही। महोत्सव के सफल आयोजन में रामावतार सैनी चंवरा, अंकेश पोसाना, विनोद शर्मा, विजेंद्रसिंह, राजवीरसिंह, नरेश पेंटर, राजेंद्रप्रसाद तथा रामाकांत स्वामी सहित अनेक श्रद्धालुओं व कार्यकर्ताओं ने सहयोग प्रदान किया। महोत्सव के दौरान भजन-कीर्तन व जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने क्षेत्र में सुख-समृद्धि व शांति की कामना की। आयोजन शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ।

लीना विक्रम सिंह ने जीते दो मैडल

चिड़ावा, (निसं)। मंड्रेला रोड स्थित विवेकानंद पब्लिक सैकंडरी स्कूल की गतका कोच लीना विक्रम सिंह ने नौवीं सीनियर नेशनल गतका चैंपियनशिप-2025 में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय, क्षेत्र एवं जिले का नाम रोशन किया है। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता 27 से 30 दिसंबर तक चंडीगढ़ स्थित रतवारा साहिब गुरुद्वारा में आयोजित की गई। जिसमें देशभर से खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में लीना विक्रम सिंह ने राजस्थान की टीम से खेलते हुए सीनियर वर्ग में दो रजत पदक जीते। गतका डेमोंस्ट्रेशन इवेंट में रजत पदक व गतका सिंगल सोती फाइट इवेंट में भी रजत पदक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विवेकानंद स्कूल द्वारा संचालित विवेकानंद स्पोर्ट्स स्कूल की तरफ से मन्नत सैनी व धीरज कुमार ने भी भाग लिया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विद्यालय परिसर में उनका भव्य स्वागत किया गया। विद्यालय की सचिव कोशी सैनी ने उन्हें माला पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रिंसिपल विनोद कुमार सैनी ने कहा कि लीना विक्रम सिंह की यह उपलब्धि विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है और इससे पारंपरिक मार्शल आर्ट गतका को नई पहचान मिलेगी। विद्यालय परिवार, शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने उन्हें हार्दिक बधाई दी।

उत्पादन तकनीकी के संबंध में दिया प्रशिक्षण

झुंझुनूं, (निसं)। जिले में तिलहनी फसलों की बेहतर उत्पादन तकनीकी हो इसके संबंध में बुधवार को जिले के डूंडलोद गांव में राष्ट्रीय तिलहन मिशन योजनान्तर्गत प्रशिक्षण शिविर किया गया। इस प्रशिक्षण में कई गांवों के प्रगतिशील तिलहन उत्पादक, कृषकों ने भाग लिया। ग्राहा प्रशिक्षण केंद्र के उप निदेशक व प्रभारी उत्तम सिंह सिलायच ने मृद्रा की जांच व पोषक तत्वों की कमी के लक्षण तथा इनकी उपलब्धता तथा उत्पादन पर पड़ने वाले प्रभाव के विषय मे विस्तार से जानकारी दी। कृषकों से संवाद करते हुए कीटनाशी रसायनों के फसलों पर छिड़काव के समय सावधानी या रखने की जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र के कीट विज्ञान विषय विशेषज्ञ डॉ. राजेंद्र नागर ने सरसों की जिले के परिप्रेक्ष्य में कम पानी चाहने वाली किस्मों का उपयोग करने की सलाह दी।

युवाओं को दूध पिलाकर नशे से दूर रहने का संकल्प दिलाया

- लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने युवाओं को पिलाया केसरयुक्त दूध
- दूध से नाता जोड़ो, शराब से नाता तोड़ो के नारे के साथ युवाओं को जागरूक किया गया

चिड़ावा, (निसं)। युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को रोकने और भारतीय संस्कृति के अनुरूप स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट द्वारा बुधवार शाम एक विशेष अभियान चलाया गया। अंग्रेजी नव वर्ष की पूर्व संध्या पर ट्रस्ट के सदस्यों ने युवाओं को केसरयुक्त गर्म दूध पिलाकर नशे से दूर रहने का संकल्प दिलाया।

कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर वरिष्ठ पार्षद राजेंद्रपालसिंह कोच, अमित सैनी गोलू राज दुल्हा हाउस, समाजसेवी सुरेंद्र सैनी, सामाजिक कार्यकर्ता महेश कटारिया आदि उपस्थित रहे। यह आयोजन जिला प्रभारी राधेश्याम शर्मा सुखाड़िया के नेतृत्व में किया गया। जिला प्रभारी राधेश्याम शर्मा सुखाड़िया ने अतिथियों को ट्रस्ट का दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया। ट्रस्ट के तहसील प्रभारी रजनीकांत मिश्रा ने बताते हुए कहा कि ट्रस्ट द्वारा पिछले पांच वर्षों से लगातार यह मुहिम चलाई जा रही है। आयोजन का मुख्य उद्देश्य नव वर्ष के स्वागत के नाम पर होने वाली शराबखोरी और हुड़दंग को रोकना है। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि अक्सर युवा पीढ़ी अंठोजी नव वर्ष की मध्य रात्रि तक नशा करके जश्न मनाती है। जो न केवल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि समाज में विकृतियां भी पैदा करता है। इस अवसर पर दूध से नाता जोड़ो, शराब से नाता तोड़ो के नारे के साथ युवाओं को जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं में राजेंद्रपाल सिंह कोच ने कहा कि दूध के सेवन से शरीर पुष्ट होता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। अमित सैनी गोलू ने कहा कि नशे के त्याग से परिवार और समाज में अपराध व दुर्घटनाओं में कमी आती है। सुरेंद्र सैनी ने बताया युवाओं को अपनी ऊर्जा रचनात्मक कार्यों में लगानी चाहिए, न कि नशीले पदार्थों के सेवन में। ट्रस्ट की इस पहल की शहरवासियों ने जमकर सराहना की। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस प्रकार के आयोजनों से नई पीढ़ी को सही मार्गदर्शन मिलता है। बुधवार शाम को आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया और स्वस्थ जीवन जीने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक संतोष अरड़ावतिया ने किया।

इस अवसर पर अशोक पुजारी, श्यामसुंदर शर्मा, प्रदीप पुजारी, अरूण दाधीच, श्रीराम परिवार से सुनिल शर्मा, पवन शर्मा नवहाल, कृष्ण स्वामी, सुरजीत सैनी, सीएस सुनिल शर्मा, मुकेश पारिक, अमित लाटा, अमित चोटिया, मनीष शर्मा, राम अमृत वाणी से ओमप्रकाश जलेन्द्रा, राजकुमार जिसपाल, मूलचंद नरहड़िया, पवन पांडे, रवि लावा, मुकेश शर्मा सहित काफी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नव वर्ष पर पुलिस अलर्ट रहेगी

श्रीकरणपुर, (कासं)। नव वर्ष 2025 के स्वागत के लिए श्रीकरणपुर सहित पूरे जिले में आज रात विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। होटल, रेस्टोरेंट और रिसॉर्ट में रंगारंग कार्यक्रम होंगे। इन आयोजनों के मद्देनजर, शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस चप्पे-चप्पे पर तैनात रहेगी और पूरी तरह अलर्ट पर है।

पुलिस ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि कोई भी व्यक्ति हंगामा मचाने या शांति व्यवस्था भंग करते पाया गया तो उसके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जायेगी। शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर भी पुलिस की कड़ी नजर रहेगी। ऐसे मामलों में पुलिस सख्ती से कार्रवाई करेगी और दोषी पाये जाने पर हवालात भी जाना पड़ सकता है।

पानी सहित आठ मांगों को लेकर दिया ज्ञापन

- कस्बे के भूतनाथ महादेव मंदिर पहुंचने पर जागृति यात्रा का किसानों ने स्वागत किया

बीदासर, (निसं) भारतीय किसान संघ के नेतृत्व मे चलने वाली हर खेत को नहर से सिंचाई का पानी सहित आठ मांगों को लेकर चलने वाली किसान जागृति यात्रा बुधवार को बीदासर तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए कस्बे के भूतनाथ महादेव मंदिर पहुंचने पर यात्रा का किसानों ने स्वागत किया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष मुकेश रामपुरा ने तहसील कार्यकारिणी की घोषणा की। जिसमें तहसील अध्यक्ष लालचंद गोदारा, मंत्री सोहन राम भाकर, उपाध्यक्ष गोविंद राम नेहरा, कार्यकारिणी सदस्य मुनीलाल प्रजापत, तिलोक नाथ सिद्ध, श्रवण कुमार, लालचंद, संरक्षक रामेश्वर लाल सारण, रामचंद्र दुसाद को मनोनीत किया गया। इसके पश्चात किसान जागृति यात्रा में किसान हाथों में तखतियां लेकर व नारेबाजी करते हुए रैली के रूप में कस्बे के मुख्य मार्गों से होते हुए उपखंड कार्यालय पहुंची। जहां किसानों ने उपखंड कार्यालय में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री व केंद्रीय जल शक्ति मंत्री का ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा।

ज्ञापन देने वालों में कातर तहसील अध्यक्ष लुणाराम, मंत्री छैलु सिंह राठौड़, संभाग सहमंत्री शंकर लाल महर्षि, संभाग युवा प्रमुख राम विलास कांधराण, दिनेश रतावा, हड़मान मांझु बैरासर, प्रहलाद सिंह राजपुरोहित, मिडिया प्रभारी हरीश उपस्थित थे। वही भारतीय किसान संघ चूरू के जिला अध्यक्ष मुकेश रामपुरा ने बताया कि भारतीय किसान संघ के बेनर तलें आठ सुत्री मांगों को लेकर जिले की विभिन्न तहसीलों में रथ यात्रा के माध्यम से ज्ञापन और धरना प्रदर्शन चल रहे है। इसकों लेकर राज्य और केंद्र की सरकारों को ज्ञापन भी भेजे जा रहे है। यदि जल्द ही मांगे नही मानी गई तो किसानों की ओर से 8 मार्च 2026 को जिला मुख्यालय पर महा पड़ाव डाला जायेगा।

किसानों ने जैविक खेती करने का संकल्प लिया

सूरतगढ़, (कासं)। भगवानसर गांव में आयोजित सेमिनार क्षेत्र के 90 किसानों और कृषक मित्रों ने भाग लिया।

रासायनिक खादों और कीटनाशकों के बढ़ते दुष्प्रभावों के मद्देनजर, किसानों को जैविक खेती की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से बुधवार को भगवानसर गांव में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कृषक मित्र परिवार सूरतगढ़ द्वारा प्रगतिशील किसान गिरधारी लाल गेदर के जैविक गेदर फार्म हाउस पर आयोजित इस कार्यक्रम में 'जैविक खेती एवं जहर-मुक्त कृषि' विषय पर चर्चा हुई। इसमें क्षेत्र के लगभग 90 किसानों और कृषक मित्रों ने भाग लिया। सेमिनार की अध्यक्षता श्रीगंगानगर के उपनिदेशक कृषि एवं पदेन परियोजना निदेशक (आत्मा), विनोद गौतम ने की। इस दौरान किसान बसंत सिंह, भीम सिंह, बजरंग लाल और सोहन लाल ने रासायनिक उर्वरकों के स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के प्राकृतिक उपायों और जैविक खेती की अनिवार्यता पर जोर दिया।

वस्त्र व्यापार संघ सचिव पूनियां एशिया कॉन्टिनेट अवार्ड से सम्मानित

चिड़ावा, (निसं)। अंतर्राष्ट्रीय समरसता मंच एवं इंडो-नेपाल समरसता ऑर्गोनाइजेशन के संयुक्त तत्वावधान में नेपाल की राजधानी काठमांडू में वैश्विक शांति समरसता सम्मेलन एवं विचार प्रजेंटेशन कार्यक्रम एवं नागरिक अभिनंदन समारोह तथा भारत रत्न अटलबिहारी वाजपेयी की जयंती महोत्सव 25 देशों के राष्ट्रीय ध्वजों के सानिध्य में समापन समारोह संपन्न हुआ।

समारोह की अध्यक्षता हुकमचंद गणेशिया चांसलर इंटरनेशनल ग्लोबल रोमा कल्चर यूनिवर्सिटीज नई दिल्ली, मुख्य अतिथी प्रथम उप राष्ट्रपति एवं न्यायमूर्ती नेपाल परमानंद झा, विशिष्ट अतिथि न्यायमूर्ति सर्वोच्च न्यायालय नेपाल लोकेंद्र मलिक, गिरीशचंद्र लाल, पूर्व प्रधानमंत्री राजेंद्र मेहतो, जगत गुरू शक्ति बाबा, डॉ. विष्णुहरि नेपाल पूर्व राजदूत जापान, इंदिरा राणा मगर उपाध्यक्ष प्रतिनिधा सभा नेपाल, पदम सुन्दास पूर्व राजदूत वहरीन, डॉ. निर्मल विश्वकर्मा पूर्व राजदूत साउथ अफ्रीका, एमपी साहू विदेश मंत्री नेपाल सरकार, रेखा यादव सांसद, कृष्ण कुमार यादव मध्यप्रदेश, रोहित महाराज सलाहकार मुख्यमंत्री सिक्किम थे। यह सम्मेलन राजनयिक संबंध वियना अभिषरण 1972 एवं जिनोवा कन्वेंशन-1949 के अन्तर्गत संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से किया गया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने अंतर्राष्ट्रीय समरसता मंच की स्थापना के बारे में मंच के संरक्षक एवं संस्थापक सदस्य नेपाल के प्रथम उप राष्ट्रपति न्यायमूर्ति परमानंद झा ने प्रकाश डालते हुए बताया कि भारत की शक्ति, प्रतिष्ठा, भारत के पंचशील सिद्धांतों, भारत पुनः जगतगुरू के स्थान पर पद्स्थापित हो, भारत-नेपाल की वैदिक कालीन संस्कृति की अक्षुणता को बनाए रखना, वसुधैव कुटुम्बकम, विश्व बंधुत्व एकामेह, भारत को संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्य सहित वीटो पावर का अधिकार प्राप्त हो, अयोध्या में संयुक्त राष्ट्र संघ का मुख्यालय स्थापित किया जाए, इत्यादि उद्देश्यों के साथ भारतीय प्रतिभाओं का पलायन रोकने के लिए इस मंच की स्थापना वर्ष 2009 में की गई।

यह मंच तभी से अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए अनवरत रूप से क्रियाशील है। इस कार्यक्रम में नेपाली सांस्कृतिक मंडल ने सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर समारोह को अत्यंत रोचक बनाया। इस मौके पर संस्थापक सदस्य विश्वरत्न अलंकृत स्व. महावीरप्रसाद टोरडी द्वारा अपने अथक प्रयासों से इस मंच को इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए दी गई सेवाओं का उल्लेख करते हुए याद किया गया। उनके बाद उनके उत्तराधिकारी के रूप में डॉ. कुलदीप प्रसाद शर्मा एडवोकेट ईस्ट-वेस्ट वेस्ट लॉ फर्म काठमांडू इस मिशन की बागडोर सम्भाल कर आगे मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

इस अवसर पर जगदगुरू शक्ति बाबा को जम्बूद्वीप पद्मश्री वर्ष 2025 अलंकरण से विभूषित किया गया तथा 31 प्रतिभाओं को एशिया कॉन्टिनेंट अलंकरण व 11 प्रतिभाओं को अटल गौरव अलंकरण तथा 31 प्रतिभाओं को वैश्विक एकता अलंकरण से सम्मानित किया गया। आयोजित कार्यक्रम का मंच संचालन जम्बूदीप पदमश्री इंजी. नरेन्द्र कुमार पाण्डेय एडवोकेट ने किया तथा कार्यक्रम का छायांकन रामचरन वर्मा और मास्टर मंथन शर्मा ने किया।

आरयूबी के लिए 10 करोड़ जारी करने का आग्रह

बीकानेर, (कासं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने जयपुर में मुख्यमंत्री से मुलाकात की। गोदारा ने कोटगेट एवं सांखला रेलवे फाटकों पर आरयूबी निर्माण के लिए पूर्व में जारी स्वीकृत राशि में वृद्धि करते हुए संशोधित स्वीकृति तथा लालगढ़ रेलवे क्रॉसिंग निर्माण के लिए शेष राशि में से 10 करोड़ रूपए जारी करने का आग्रह किया।

वहीं स्टॉर्म/ड्रेन जल संगहण बिन्दुओं के स्थाई समाधान के लिए कार्यवाही करने की बात भी रखी। गोदारा ने बताया कि मुख्यमंत्री ने सभी बिन्दुओं पर सकारात्मक कार्यवाही का विश्वास दिलाया और कहा कि बीकानेर में सुविधाओं में विकास के लिए धन और संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जायेगी। खाद्य मंत्री ने मुख्यमंत्री को बताया कि बजट घोषणा वर्ष 2025-26 में बीकानेर शहर में कोटगेट और सांखला रेल फाटक पर आरयूबी निर्माण के लिए 35 करोड़ (कोटगेट रेलवे फाटक के लिए 10 तथा सांखला फाटक के लिए 25 करोड़) रूपए की स्वीकृति दी गई। वर्तमान में बीकानेर विकास प्राधिकरण द्वारा फाटक पर भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही की जा रही है। इसके लिए मुआवजा राशि प्राप्त होने के बाद ही गजट नोटिफिकेशन किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में दोनों आरयूबी निर्माण के लिए 57 करोड़ रूपए की आवश्यकता है। इसके मद्देनजर गोदारा ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया पूर्व में स्वीकृत 35 करोड़ के अतिरिक्त 22 करोड़ (कोटगेट रेलवे फाटक के लिए 7.14 तथा सांखला फाटक के लिए 14.86 करोड़) रुपए की संशोधित स्वीकृति जारी करवाई जाए, जिससे शहर की वर्षों पुरानी समस्या का निराकरण कर आमजन को राहत प्रदान की जा सके।

सार-समाचार

पौष बड़ा महोत्सव का आयोजन

सीकर, (निसं)। लियो क्लब सीकर द्वारा पोष माह के पावन अवसर पर आज पोष बड़ा महोत्सव का आयोजन सेवा भावना के साथ किया गया। यह कार्यक्रम घंटाघर के पास हुआ, जहाँ बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को पौष बड़ा व गाजर का हलवा वितरित किया गया। क्लब अध्यक्ष लियो रितिका गोयल ने बताया कि पोष माह में किया गया यह सेवा कार्य समाज में पोषण, संवेदना और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देता है। लियो क्लब सीकर सदैव समाजसेवा के कार्यों में अठाणी रहा है और भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा कार्य निरंतर किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम चेयरपर्सन ऊर्जावान युवा लियो शेखर अठावाल एवं सेवाभावी लियो लायन अखिलेश कौशिक की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके मार्गदर्शन में यह पुनीत आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान सेवा, समर्पण और सहयोग का वातावरण बना रहा तथा क्लब सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इस दौरान कार्यक्रम प्रांतीय अध्यक्ष लियो रोहन अठावाल, क्लब डायरेक्टर सज्जन अठावाल व अनीश खान, लियो दीपांशु मित्तल लियो नीरज अठावाल लियो जितेंद्र खेतान लियो देवेंद्र गिनोडिया,लियो अभिषेक तिवाड़ी, लियो अजीत सिंह , कृष्णा अठावाल, रामलाल जोगानी, महेश सैनी,नारायण जोगानी आदि क्लब सदस्य मौजूद रहे।

जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए

झुंझुनूं, (निसं)। श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था के तत्वावधान में श्री सुभाषचंद्र एवं रामरतन जालान सुपुत्र स्व. श्यामसुंदर जालान की ओर से श्री राणी सतीजी मंदिर से मंड्रेला रोड पर स्थित श्री बिड़दीचंद खंडेलिया कुआं के आसपास के समीप के जरूरतमंद लोगों को बुधवार को सर्दी के इस मौसम में गर्म कंबलों का वितरण किया गया। इससे पूर्व संस्था के ट्रस्टी डॉ. डीएन तुलस्यान द्वारा कार्यक्रम में बतौर अतिथि उपस्थित सुभाषचंद्र जालान, पूर्व पार्षद चंद्रप्रकाश शुक्ला, सृष्टि एवं वेदांत जालान का दुपट्टा ओढ़ाकर प्रतीक चिह्न भेंटकर स्वागत अभिनंदन किया गया। अतिथियों ने कंबल वितरण कार्यक्रम की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कहा कि सर्दी के इस मौसम में गर्म कंबल वितरण समय के अनुकूल सेवा कार्य है। विदित है कि संस्था द्वारा स्थानीय, प्रवासी एवं अप्रवासी दानदाताओं के सौजन्य से गत सात वर्षों से कंबल वितरण का कार्य अनवरत रूप से किया जा रहा है।

नि:शुल्क जांच शिविर लगाया

तारानगर, (निसं)। तारानगर के समाज सेवी भामाशाह अमर सिँह चारण की प्रेरणा से उनके पुत्र गुरुकुल एज्यूकेशन ग्रुप के संचालक सुभाष चारण के सौजन्य से कस्बे के झुग्गी झोंपड़ियों में निशुल्क जांच शिविर लगाया गया जिसमें रहने वाले युवा बच्चों व बुजुर्गों की निशुल्क जांच कर उन्हें दवा वितरित की गयी। उप जिला अस्पताल के पीएमओ डॉक्टर देवीलाल जोशी ने इन्हे निशुल्क परामर्श दिया। अमरसिँह चारण ने इन्हे नववर्ष की बधाई देते हुए मिठाई वितरित की।

अनन्या व सय्यान का अवार्ड के लिए चयन

झुंझुनूं, (निसं)। जीबी मोदी पब्लिक स्कूल संस्थान की छात्रा अनन्या शर्मा पुत्री गौरव शर्मा तथा सय्यान पुत्री अयूब का बालिका फाउंडेशन द्वारा संचालित योजना पद्माक्षी अवार्ड के लिए चयन हुआ है। संस्था प्राचार्या रंजना मित्तल ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित 10वीं बोर्ड परीक्षा में 99.50 प्रतिशत अंक के साथ अनन्या ने राज्य स्तर पर तीसरी मेरिट प्राप्त की थी। वहीं छात्रा सय्यान ने 99.33 प्रतिशत प्राप्त किए थे। इस योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा 50 हजार रुपए व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार के लिए संस्था सचिव दिनेश अठावाल एवं विद्यालय प्रबंधन समिति ने छात्राओं को बधाई दी।

गौशाला में रात्रि जागरण आयोजित

कोलसिया, (निसं)। बुगाला में गौ माता के प्रति श्रद्धा और सम्मान को लेकर तथा नववर्ष के आगमन पर पं. गणेशनारायण नेत भोमिया सुरभि गौशाला में मंगलवार रात्रि को जागरण हुआ। विजयपाल सिंह शेखावत ने बताया कि इस दौरान सूरदास व भगेरा की भजन मंडली ने गऊ मंगलम गऊ मात मंगलम जैसे गौ भक्ति से ओतप्रोत भजनों की प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर अनिल स्वामी, आशीष बुगालिया, अभिषेक बुगालिया, पंकज सोनी, संजू मंडार, रवि शर्मा, विष्णु स्वामी, बुधराम, अंकित शेखावत, रोशन अली, भंवरसिंह आदि मौजूद रहे। बुधवार को बालाजी को भोग लगाकर प्रसाद बांटा गया।

पौष बड़ा महोत्सव मनाया

मुकुंदगढ़, (निसं)। डूंडलोद रोड पर स्थित श्री अष्टिवनायक धाम में मंदिर ट्रस्टी अन्नू अनिल अठावाल की तरफ से पौष बड़ा महोत्सव का आयेजन किया गया। गणेश जी महाराज के गाजर का हलवा, व पकौड़ी का भोग लगाकर महाआरती कर भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। हीरानाथ आश्रम के योगी जीतनाथ महाराज के सानिध्य में पौष बड़ा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर मंदिर पुजारी राम शर्मा ने अष्टिवनायक धाम का शृंगार किया। इस अवसर पर उमाशंकर शर्मा, अर्जुनलाल मिश्रा, शंभूदयाल इंदौरिया, सत्यनारायण खेतान, प्रद्युम्न शर्मा, दीपक पराशर, जयप्रकाश खंडेलवाल, गोविंद स्वामी, सुनिल सैनी, राम कल्याण मीना, सुरेश नूआंवाले, भीमसिंह, चांद शेखावत सहित सैंकड़ों भक्तगण उपस्थित थे।

नितेश तिवाड़ी प्रदेश संयोजक बने

झुंझुनूं, (निसं)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जयपुर प्रांत का 61वां प्रांत अधिवेशन 29 से 31 दिसंबर को पूर्णिमा विश्वविद्यालय जयपुर में आयोजित हुआ। अधिवेशन के घोषणा सत्र में प्रांत अध्यक्ष डॉ. जिनेश जैन ने झुंझुनूं जिले के गुढ़ागौड़जी तहसील के नितेश तिवाड़ी बजावा को सोशल मीडिया का प्रदेश संयोजक बनाया है। तिवाड़ी पूर्व में दो बार प्रांत कार्यकारणी सदस्य, जिला एसएफएस संयोजक, एसएफडी संयोजक, जिला कार्यालय मंत्री एवं कॉलेज के इकाई अध्यक्ष के दायित्व का निर्वहन कर चुके हैं।

अनूपगढ़ में सामूहिक विवाह 15 जनवरी को

अनूपगढ। भारत विकास परिषद की अनूपगढ़ शाखा आगामी 15 जनवरी को जनसहयोग से जरूरतमंद परिवारों की 11 कन्याओं का सामूहिक विवाह आयोजित करेगी। इस कार्यक्रम के तहत आज बुधवार को परिषद की टीम ने जरूरतमंद परिवारों के सर्वेक्षण का कार्य शुरू किया।

कार्यालय नगरपरिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान

कमांक :- न.प.सु./भूमि शाखा/2025/9802 दिनांक 24.12.2025

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नीचे अंकित निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा 69ए/कृषि भूमि नियमन के अन्तर्गत पट्टा नियमन हेतु आवेदन किया हुआ है। उक्त के संबध में किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो आपत्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत करे। बाद मियाद गुजरने पश्चात किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा, और इकतरफा कार्यवाही की जावेगी।

क. सं.	आवेदक का नाम व पता	कस्बा	पता	क्षेत्रफल वर्गमीटर	आवासीय/व्यावसायिक
01	श्री विनोद कुमार पुत्र श्री कन्हैया लाल नाई	सुजानगढ़	हनुमान धोरा वार्ड न. 22	128.07	आवासीय
02	श्रीमती जयमाला पत्नी श्री जगदीश प्रसाद माटोलिया	सुजानगढ़	भींवसरिया रोड़ रूपये वाले मंदिर के पास वार्ड न.34	145.29	आवासीय
03	श्री सलीम पुत्र श्री सफी मोहम्मद	सुजानगढ़	भार्गव बास हनुमान धोरा वार्ड न.14	289.16	आवासीय
04	श्रीमती राधा देवी पत्नी श्री कन्हैयालाल पारीक	सुजानगढ़	वार्ड न.38 भोजलाई बास	103.20	आवासीय

कृषि भूमि नियमन पत्रावली

क. सं.	आवेदक का नाम	कस्बा	ख.न.	क्षेत्रफल वर्गमीटर	आवासीय/व्यावसायिक
1.	श्री आरीफ पुत्र श्री चांद मोहम्मद	सुजानगढ़	1465	222.96	आवासीय
2.	श्री राजेन्द्र चौहान पुत्र श्री किस्तुरचन्द	सुजानगढ़	1204	162.83	आवसीय
3.	श्री जगदीश प्रसाद पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण शर्मा	सुजानगढ़	1468	161.04	आवासीय

राज.संवाद/सी/25/16842 आयुक्त

बूंदी में ट्रक ने बाइक को टक्कर मारी, पति-पत्नी और बेटे की मौत

हादसे के बाद आरोपी ड्राइवर फरार, गुस्साये लोगों ने जाम लगाया

बूंदी, (निसं)। बूंदी के तालेड़ा थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में पति-पत्नी और बेटे की मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी ड्राइवर फरार हो गया। एक्सीडेंट रविवार दोपहर नेशनल हाईवे-52 पर तालेड़ा थाना क्षेत्र के सादड़ी कट के पास हुआ।

तालेड़ा थाना अधिकारी अरविंद भारद्वाज ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी की बाइक पर सवार पति-पत्नी और उनका एक साल का बच्चा उछलकर सड़क पर गिर पड़े। गंभीर चोट लगने के कारण तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान सांवलपुरा गुमानपुरा (बूंदी) निवासी सुंदर सिंह (36) पुत्र दरबासा सिंह, उनकी पत्नी राज कौर (30) और एक वर्षीय बेटे अमृत उर्फ अमनदीप सिंह के तौर पर हुई है। शवों को तालेड़ा हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया गया है। हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने कुछ देर के लिए हाईवे पर जाम लगा दिया, जिसे पुलिस ने समझाईश कर हटवा दिया। घटना से आक्रोशित लोगों का कहना है कि फोरलेन पर भारी वाहनों का तेज रफ्तार से एक्सीडेंट बढ़ रहे हैं। तीनधारा महादेव कट के पास पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। नेशनल हाईवे पर सड़क सुरक्षा विभाग के अनुसार वर्ष 2024 में राजस्थान में होने वाली सभी सड़क दुर्घटनाओं में से 35.4 फीसदी मौतें नेशनल हाईवे पर हुई है। यह राजस्थान में जिला और ग्रामीण सड़कों के बाद यातायात दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों का दूसरा सबसे बड़ा हिस्सा है।

हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को मौके से हटवाकर जाम खुलवाया।

- नेशनल हाईवे-52 पर तालेड़ा थाना क्षेत्र के सादड़ी कट के पास हुआ हादसा

शादी समारोह में फायरिंग, युवक घायल :- कोटा के बोरखेड़ा थाना इलाके में स्थित एक मैरिज गार्डन में आयोजित शादी समारोह में मंगलवार देर रात्रि को दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर हुई कहासुनी के बाद एक पक्ष ने दूसरे पर फायरिंग कर दी। हमले में एक युवक घायल हो गया, जिसे उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया। बोरखेड़ा थानाधिकारी अनिल टेलर ने बताया कि इलाके में स्थित एक मैरिज गार्डन में दो पक्षों के बीच पुरानी आपसी रंजिश को लेकर कहासुनी होने के बाद एक पक्ष ने दूसरे पर फायरिंग कर दी। थानाधिकारी ने बताया कि हमले में जावरा निवासी दानिश (26) घायल हो गया। थानाधिकारी ने बताया कि हमले में घायल के परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है। हमलावर की गिरफ्तारी के लिये टीम गठित कर हमलावरों की तलाश की जा रही है।

पाकिस्तान बॉर्डर से ढाई किमी दूर हो रहा ईंट-भट्टे का निर्माण

सुरक्षा एजेंसियों ने देश की सुरक्षा को खतरा बताते हुए बीकानेर व श्रीगंगानगर कलैक्टर को पत्र लिखा

बीकानेर, (निसं)। खाजूवाला में पाकिस्तान बॉर्डर से महज ढाई किमी दूर ईंट-भट्टे को मंजूरी देने का मामला सामने आया है। सुरक्षा एजेंसियों ने इसे देश की सुरक्षा का खतरा बताते हुए बीकानेर और श्रीगंगानगर कलैक्टर को पत्र लिखा है। कलैक्टर ने मामले में तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है।

- 100 फीट ऊंची चिमनी पाकिस्तान वॉच टावर से दिख रही है, सुरक्षा को खतरा
- सुरक्षा एजेंसियों द्वारा आपत्ति करने के बाद कलैक्टर नम्रता वृष्णि ने एसडीएम से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी

मामला खाजूवाला तहसील की ग्राम पंचायत 24 बीडी के चक 23 केएनडी (बी) का है। इस इलाके की सुरक्षा बीएसएफ की 140वीं बटालियन करती है और यह हिमगिरी सीमा चौकी का इलाका है। यहां निर्माणाधीन भट्टे की चिमनी सौ फीट ऊंची है, जिसे राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से गलत माना गया है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार पाकिस्तान के वॉच टावर से यह चिमनी साफ नजर आती है। इस इलाके में अक्सर पाक ड्रोन से मादक पदार्थों की तस्करी की घटनाएं होती हैं। ऐसे में पाक तस्करों के लिए यह लैंडमार्क का काम करेगी। श्रमिक भी दूसरे राज्यों से आएंगे। चौंकाने वाली बात यह है कि सुरक्षा एजेंसियों को भी इसका पता चिमनी पूरी तरह खड़ी होने के बाद चला। बॉर्डर से एक किमी क्षेत्र में खेत में डिग्गी निर्माण के लिए बीएसएफ से अनुमति का प्रावधान है। यह नियम बॉर्डर पर जिप्सम के अवैध खनन पर रोक के लिए था, लेकिन बॉर्डर क्षेत्र में लैंड कन्वर्जन और ईंट-भट्टे के लिए बीएसएफ से अनुमति का कोई प्रावधान नहीं है। खाजूवाला एसडीएम पंकज गढ़वाल ने बताया कि लैंड कन्वर्जन नियमानुसार किया गया है। ईंट-भट्टे के लिए किसान ने चार बीघा जमीन का कन्वर्जन कराया है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा आपत्ति करने के बाद कलैक्टर नम्रता वृष्णि ने एसडीएम से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक, वाटरषेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद झालावाड

क्रमांक-4377 दिनांक-25.12.2025

E-NOTICE INVITING BID

NIT NO. 13/2025-26

Bids for NRM Works (ANICUT, PCD, GABION STRUCTURE, RECHARG SHAFT, Suken Pond, DSMP, ANICUT RENOWATION, ECD Under PMKSY 2.0 Project area in Block AKLERA, Bakani, DAG (03 Pacage-WORK) of estimated value INR 97.15 Lacks are invited from interested bidders up to 6.00 PM, 07.01.2026. Technical Bid of submitted tender opned on 08.01.2026 at 03.00 PM.
Other particulars of the bid may by visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state.
NIB NO. WSC2526A1219, UBN NO. WSC2526WSOB02135, WSC2526WSOB02136, WSC2526WSOB02139

(Jeet Mal Nagar) SE& PM
WCDC, ZILA PAIRSHAD, JHALAWAR
DDO CODE NO. 28607

DIPR/C/19355/2025

गोवर्धनपुर गांव में कुएं में गिरा पैंथर, रेस्क्यू टीम ने निकाला

वन विभाग की टीम ने पैंथर को वन क्षेत्र में छोड़ दिया

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के सरिस्का बाघ अभयारण्य अंतर्गत टहला रेंज के गोवर्धनपुर गांव में बुधवार को उस समय हड़कम्प मच गया, जब एक पैंथर कुएं में गिर गया। सुबह ग्रामीणों ने कुएं से आवाजें सुनने के बाद अंदर झांक कर देखा तो पैंथर फंसा हुआ मिला। इसके बाद तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही टहला रेंज की वन विभाग टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। कुएं में पैंथर के फंसे होने से गांव में दहशत का माहौल बन गया, वहीं बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर जमा हो गए। सुरक्षा को देखते हुए वनकर्मियों ने ग्रामीणों को कुएं से दूर रखा और रेस्क्यू की तैयारी शुरू की।

टहला रेंज के रेंजर कृष्ण कुमार रायपुरिया के निर्देशन में वन विभाग की टीम ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पैंथर को सुरक्षित तरीके से कुएं से बाहर निकाल लिया। रेस्क्यू के दौरान कुएं में लकड़ी की सीढ़ी लगाई और रस्सियों की मदद ली गई, ताकि पैंथर को किसी तरह की चोट न पहुंचे। पैंथर को कुएं से बाहर निकालने के बाद उसकी प्राथमिक जांच की गई। स्वस्थ पाए जाने पर वन विभाग की टीम ने उसे सुरक्षित वन क्षेत्र की ओर छोड़ दिया। पैंथर के सुरक्षित रेस्क्यू से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

टहला रेंज की वन विभाग टीम ने पैंथर को कुएं से बाहर निकाला।

मिस टीन इंडिया विजेता तनवी शर्मा ने सीएम भजनलाल से मुलाकात की

तनवी शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को गुलदस्ता भेंट कर सम्मानपूर्वक अभिनंदन किया।

कोटा, (निसं)। मिस टीन इंडिया सीजन-7 की विजेता, जानी-मानी मॉडल एवं अभिनेत्री तनवी शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुख्यमंत्री निवास पर भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर तनवी शर्मा ने मुख्यमंत्री को गुलदस्ता भेंट कर सम्मानपूर्वक अभिनंदन किया।

मुलाकात के दौरान तनवी शर्मा ने अपनी आगामी वेब सीरीज, अभिनय से जुड़े नए प्रोजेक्ट्स और भविष्य की योजनाओं की जानकारी मुख्यमंत्री को दी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तनवी की कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण भाव की सराहना करते हुए कहा कि प्रतिभा और परिश्रम के बल पर तनवी ने कोटा का नाम प्रदेश ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तनवी शर्मा की सफलता युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है और उनकी यात्रा यह संदेश देती है कि लगन, निष्ठा और आत्मविश्वास से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने तनवी को आगे भी पूरे समर्पण के साथ कर्मपथ पर अग्रसर रहने के लिए प्रेरित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर तनवी शर्मा के पिता सोहन शर्मा भी उपस्थित रहे। तनवी द्वारा मुख्यमंत्री से आशीर्वाद मिलने पर कोटा के स्टेशन मंडल के प्रतिनिधि सत्यनारायण शर्मा ने तनवी के उज्जवल भविष्य की कामना की।

- प्रतिभा और परिश्रम के बल पर तनवी ने कोटा का नाम प्रदेश ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है : मुख्यमंत्री

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोंक

क्रमांक-5560-69 दिनांक-29.12.2025

निविदा सूचना संख्या- 21/2025-26 खण्ड टोंक

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड टोंक में सडक/भवनिर्माण हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के "ए" एवं "एए" "बी" "सी" "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण वेबसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
NIB CODE- PWD2526A4897, UBN NO. 1. PWD2526WSOB19608, 2. PWD2526WSOB19609, 3.PWD2526WSOB19610, 4. PWD2526WSOB19611

अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड टोंक

DIPR/C/19396/2025

कार्यालय नगर परिषद बारां (राज.)

nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड, बारां Phone : 07453-230106

क्रमांक : नपबा/निर्माण/2025/9096-98 दिनांक : 26.12.2025

ई-टेण्डर सूचना संख्या : निर्माण 85/2025-26

नगर परिषद बारां द्वारा राजस्थान सरकार के अभियांत्रिकी विभागो में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको अथवा पीडब्ल्यूएफएआर रूल्स के अन्तर्गत पात्र संवेदको से विभिन्न निर्माण कार्यो के लिये निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र व विवरण पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in, पर देखें। कार्यो की लागत 3.99 लाख रूपये से 22.10 लाख रूपये तक है तथा UBN No. निम्नानुसार है :-

1. DLB2526WSOB28381, 2. DLB2526WSOB28382, 3. DLB2526WSOB28383, 4. DLB2526WSOB28384, 5. DLB2526WSOB28385, 6. DLB2526WSOB28386

आयुक्त
नगर परिषद बारां

राज.संवाद/सी/25/16778

कार्यालय नगर पालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज.

गांधी उद्यान-ब्यावर रोड़, बिजयनगर
टैलीफोन नम्बर - 01462-230051 ई-मेल :- npvijaynagar@gmail.com

ऑन लाईन निविदा सूचना संख्या 20/2025-26

नगर पालिका बिजयनगर द्वारा राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से सिविल कार्य हेतु ऑन लाईन निविदा निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रीया से वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती है। ऑन लाईन निविदा सूचना संख्या 20/2025-2026 के कार्य संख्या 01 से 02 की अनुमानित लागत 33.52 लाख है। ऑन लाईन निविदाए दिनांक 31-12-2025 से 12-01-2026 समय सांय 6:00 बजे तक डाउनलोड की जाकर दिनांक 13-01-2026 को निविदा शुल्क, अमानत राशि एंव प्रोसेसिंग शुल्क की डी.डी. भौतिक रूप से समय 12:00 PM तक कार्यालय में जमा कराई जा सकती है। ऑन लाईन निविदा की ऑन लाईन निविदा खोलने की दिनांक 14-01-2026 समय प्रातः 10:00 बजे खोली जायेगी। अधिक जानकारी वेबसाईट https://sppp.raj.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।
UNB Reference No:- DLB2526A9620

अधिशाषी अधिकारी

राज.संवाद/सी/25/16820

कार्यालय नगर पालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज.

गांधी उद्यान-ब्यावर रोड़, बिजयनगर
टैलीफोन नम्बर - 01462-230051 ई-मेल :- npvijaynagar@gmail.com

ऑन लाईन निविदा सूचना संख्या 19/2025-26

नगर पालिका बिजयनगर द्वारा राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से सिविल कार्य हेतु ऑन लाईन निविदा निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रीया से वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती है। ऑन लाईन निविदा सूचना संख्या 19/2025-2026 के कार्य संख्या 01 से 12 की अनुमानित लागत 214.78 लाख है। ऑन लाईन निविदाए दिनांक 31-12-2025 से 12-01-2026 समय सांय 6:00 बजे तक डाउनलोड की जाकर दिनांक 13-01-2026 को निविदा शुल्क, अमानत राशि एंव प्रोसेसिंग शुल्क की डी.डी. भौतिक रूप से समय 12:00 PM तक कार्यालय में जमा कराई जा सकती है। ऑन लाईन निविदा की ऑन लाईन निविदा खोलने की दिनांक 14-01-2026 समय प्रातः 10:00 बजे खोली जायेगी। अधिक जानकारी वेबसाईट https://sppp.raj.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।
UNB Reference No:- DLB2526A9625

अधिशाषी अधिकारी

राज.संवाद/सी/25/16822

अवैध खनन पर कार्रवाई

टोंक, (निसं)। अवैध खनन व निर्गमन भण्डारण के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष संयुक्त चैकिंग अभियान के अंतर्गत उपखण्ड निवाई के ग्राम संग्रामपुरा में खनिज साधारण मिट्टी के अवैध खनन किया जाकर, खनिज का उपयोग रेलवे लाईन के दोहरीकरण में उपयोग किया जाने की शिकायत पर तहसीलदार निवाई व खनन विभाग के देवेन्द्र सिंह चौधरी मय बॉर्डर होमगार्ड, पुलिस जाब्ता एवं राजस्व अधिकारियों के साथ शिकायत स्थल का निरीक्षण किया गया। मौके पर ग्राम संग्रामपुरा के खसरा संख्या 94 किस्म गैर मुमकिन तालाब में 3 अलग-अलग पिटों में खनिज साधारण मिट्टी का अवैध खनन होना पाया गया। जिस पर अवैध खनन में लिप्त पाये जाने पर 2 एक्सकेवेटर एवं 4 डम्पर जब्त किये गये।

जेवर व नकदी चोरी

उदयपुर, (कासं)। शहर के नाई थाना क्षैत्र में सूने मकान का चोर ताला तोड़ कर सोने-चांदी के जेवर व नकदी चुरा ले गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार नाई थाना क्षैत्र नयाखेड़ा कमली गांव निवासी युनुस खां पठान के सूने मकान का 30 दिसंबर दोपहर में अज्ञात चो ताला तोड़कर करीब 10 तोला सोने के जेवर, आधा किलो चांदी व करीब 50 हजार रूपये नकदी चुरा ले गए। युनुस खान सवेरे मकान पर ताला लगाकर अपने ससुराल सविना गए थे। सांय लौटे तो मकान का ताला टूटा हुआ एवं कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। तलाशी ली तो सोने-चांदी के जेवरात व नकदी गायब थी।

बोर्ड की प्रायोगिक परीक्षायें आज से

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा माध्यमिक, उच्च माध्यमिक, प्रवेशिका एवं वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा 2026 के नामांक ऑनलाइन जारी कर दिए गए हैं। बोर्ड की प्रायोगिक परीक्षायें गुरूवार, एक जनवरी से शुरू होगी।

बोर्ड सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि सैकण्डरी, सीनियर सैकण्डरी, प्रवेशिका एवं वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा 2026 के नामांक ऑनलाईन जारी कर दिए गए हैं। विद्यालय अपने लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड से परीक्षार्थियों के नामांक, नाम, पिता का नाम एवं विषय आदि की जाँच कर लेवें। यदि कोई संशोधन प्रस्तावित है तो अविलम्ब बोर्ड की परीक्षा शाखा में सम्पर्क कर संशोधन करावे ताकि परीक्षार्थी सही विषय में परीक्षा दे सकें। बोर्ड द्वारा उच्च माध्यमिक प्रायोगिक विषयों की परीक्षा के लिए परीक्षक नियुक्त कर दिए गए हैं।

- माध्यमिक, उच्च माध्यमिक, प्रवेशिका एवं वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा 2026 के नामांक ऑनलाइन जारी किये

उन्होंने बताया कि प्रायोगिक परीक्षा एक जनवरी से 20 जनवरी के मध्य में पूर्ण कर परीक्षक अंक ऑनलाईन अनिवार्य रूप से भरें। प्रायोगिक परीक्षा के सम्बन्ध नियुक्त परीक्षकों की सूचना विद्यालय के पोर्टल पर भी अपलोड कर दी गई है। विद्यालय परीक्षकों से सम्पर्क कर प्रयोगिक परीक्षा की तिथि तय कर ऑनलाईन पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अंकित करें।

Office of the Executive Engineer, PHED Distt Rural Div I Bikaner

Email ID- eepheddnlbkn@gmail.com Contact No. 0151-2941473
No. 2915-2937 Date: 24.12.2025

Notice Inviting Bid: 81-84/2025-26

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 06.01.2026 upto 02.00 PM. Other particulars of bid may be visited on the Procurement Porta http://eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.raj.nic.in of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 158.64 Lacs. UBN NO. PHE2526WSOB10099, PHE2526WSOB10100, PHE2526WSOB10101, PHE2526WSOB10102

जल सीमित है, इसकी बचत करें।

(Ram Prakash Meena)
Executive Engineer
PHED, Distt (R) Div. I Bikaner

DIPR/C/19234/2025

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड

निविदा सूचना

इच्छुक बोली कर्ताओं से निविदा सं TN 24/2025-26 Shifting /Modification work of 132 KV S/C Weir to Bayana Line (Existing Tower Location No. 52 to 58) Line Length 1.800 Kms कार्य के लिए निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा की पूर्ण जानकारी/निविदा तारीख बढाने की सूचना के दस्तावेज़ विवरण आदि देखने / डाउनलोड करने के लिए http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in तथा www.energy.rajasthan.gov.in/rvpnl वेबसाइट पर भी उपलब्ध हैं|

(UBN NO:-VPN2526WSOB02492)

अधीक्षण अभियंता
(टी. & सी.) वृत, भरतपुर

रा.रा.वि.प्र.नि./TR-7317/2025
राज.संवाद/सी/25/16786

राजस्थान सरकार

कार्यालय नगर पालिका, सादड़ी (जिला-पाली) राज.

पताः मैन बस स्टेण्ड, सादड़ी (आपकी सेवा में सदैव तत्पर)
Ph.-02934-285022 email: npsadri1979@yahoo.com, gmail.com

क्रमांक : न.पा.सा./2025/4413-4415 दिनांक 26.12.2025

-:: Notice Inviting Bid ::-

Bid for subject matters of procurement are invited from intreseted bidders upto (date)& (time). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal. (https://sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in) of the state departmental website.

UBN NO :- DLB2526WSOB28508

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका सादड़ी

राज.संवाद/सी/25/16747

कार्यालय नगर परिषद, जालोर (राजस्थान)

क्रमांकः/नपजा/सफाई शाखा/2025/6095 दिनांकः 09.12.2025

-:: ई-निविदा सूचना संख्या-01/2025-26 ::-

नगर परिषद् जालौर द्वारा भारतीय पशु कल्याण बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त एनजीओ से वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आवारों श्वानों (नर/मादा) को पकडने बंध्याकरण करने एवं रेबीज टीकाकरण कर पुनः निर्धारित स्थान पर छोडने के कार्य की ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। ऑनलाईन ई-निविदा से संबंधित कार्य की विस्तृत जानकारी निविदा की शर्ते आदि वेबसाईट http://eproc.rajasthan.in and http://sppp.raj.nic.in व पर देखी जा सकती है।

UBN-DLB2526A9537

आयुक्त
नगर परिषद, जालोर

राज.संवाद/सी/25/16796

यूरिया खाद की बोरियों में मिला 150 किलो विस्फोटक, दो गिरफ्तार

अमोनियम नाइट्रेट 150 किलो व सेफ्टी फ्यूज वायर के छह बंडल जब्त

टोंक, (निसं)। पुलिस ने यूरिया खाद की बोरियों में 150 किलो विस्फोटक बरामद किया और दो जनों को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले में चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस उपाधीक्षक मृत्युजंय मिश्रा के सुपरविजन में एवं जिला स्पेशल टीम प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा अवैध विस्फोटक सामग्री जिसमें अमोनियम नाइट्रेट 150 किलो व सेफ्टी फ्यूज वायर के छह बंडल को जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। डीएसटी प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि मुखबिर की मिली सूचना के बाद अवैध विस्फोटक सामग्री के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए टीम ने बरौनी थाना इलाके में स्थित नेशनल हाईवे पर नाकाबन्दी कर बून्दी से आ रही एक कार की तलाशी के बाद विस्फोटक सामग्री बरामद की गई, जिसमें अमोनियम नाइट्रेट 150 किलो जो कि यूरिया खाद के कट्टों में छुपा कर रखा था, इसके अलावा 200 डेंजर एक्सप्लोसिव कार्टेज, सेफ्टी फ्यूज वायर के छह बंडल और 1100 मीटर वायर को जब्त किया गया। कार्रवाई के बाद आरोपी सुरेंद्र पुत्र भंवरलाल एवं सुरेंद्र मोची पुत्र दुलीलाल दोनों निवासी करवर जिला बूंदी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से पूछताछ के बाद सामने आया कि अमोनियम नाइट्रेट टोंक में ही सप्लाई होना था, उन्होंने विस्फोटक को यूरिया खाद के कट्टों में छुपा कर रखा था, ताकि पकड़ में न आ सके।

- बरौनी थाना इलाके में स्थित नेशनल हाईवे पर नाकाबन्दी में बूंदी से आ रही कार में विस्फोटक मिला

पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान अवैध विस्फोटक सामग्री व कार सहित दो जनों को गिरफ्तार किया।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड द्वितीय, बीकानेर

पी.एच.ई.डी. कैम्पस, इण्डस्ट्रीयल एरिया, के.जी. कॉम्पलेक्स के पास, रानी बाजार, बीकानेर (334001)
क्रमांक-7451-59 दिनांक-24.12.2025

Notice Inviting Bid : 146 to 156/2025-26

Bid for various works are invited to registeed interested bidder upto 05.01.2026 at 18.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & http://eproc.rajasthan.gov.in of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 103.76 Lacs.

NIT NO.	146	147	148	149	150	151
UBN NO.	PHE2526 WSOB101 30	PHE2526 WSOB101 31	PHE2526 WSOB101 32	PHE2526 WSOB101 33	PHE2526 WSOB101 34	PHE2526 WSOB101 35
NIT NO. UBN NO.	152 PHE2526 WSOB101 36	153 PHE2526 WSOB101 37	154 PHE2526 WSOB101 38	155 PHE2526 WSOB101 39	156 PHE2526 WSOB101 40	

(नरेश कुमार रैगर)
अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड-II बीकानेर

DIPR/C/19362/2025

अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. विद्युत खण्ड प्रथम, जोधपुर

क्रमांक-अ.अ./वि.ख.प्र./जो./2025-26/ दिनांक-

निविदा सूचना संख्या-40/2025-26 NIB CODE PWD2526A4890

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभिन्न विद्युतीकरण कार्यो हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग रजस्थान में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों द्वारा विद्युत कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जवेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.dipr.rajasthan.gov.in व http://www.sppp.rajasthan.gov.in/ व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा की कुल लागत	-	रू. 106.67 लाख अधिकतम एकल कार्य की राशि 106.67 लाख
कुल धरोहर राशि	-	अनुमानित लागत की दो प्रतिशत अथवा नियमानुसार
निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की तारीख व समय	-	27.12.2025 से 06.01.2026 तक सायं 06.00 बजे
ऑनलाईन निविदा जमा कराने की तारीख व समय	-	27.12.2025 से 06.01.2026 तक सायं 06.00 बजे
तकनिकी/वित्तीय बिड खोलने की तारीख व समय	-	07.01.2026 मध्यांह 3.00 बजे से
प्री-बिड मीटिंग की तारीख व समय	-	01.01.2026 को दोपहर 1.00 बजे से अधिशाषी अभियंता सा.नि.वि. विद्युत खण्ड प्रथम जोधपुर कार्यालय में
	1.	Shifting of Electrical Line 11KV & LT Line on Construction of 4 Lane Road from Jalore to Bagra Including Divider (18KM) of SH-31 In District Jalore. PWD2526WSOB19550
	2.	

अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. विद्युत खण्ड प्रथम, जोधपुर

DIPR/C/19358/2025

नववर्ष की पूर्व संध्या पर दूध वितरण

जयपुर। मालवीय नगर वॉर्ड 131 के एक प्रमुख चौराहे पर नववर्ष के उपलक्ष में दूध वितरण का कार्यक्रम किया गया। पार्षद गोविन्द छीपा ने कहा कि दूध दही वाले हमारे भारत देश में मादक पदार्थों के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। इस अवसर पर विधायक काली चरण सराफ, सुमन शर्मा, सन्नी कपूर, गंगा राम सैनी, गणेश सैनी, राम कृपाल, नीरजा सक्सेना सहित अनेक गणमान्य नागरिक और आमजन उपस्थित रहे।

सहकारिता मंत्री गौतम दक ने सुनी कार्यकर्ताओं की समस्याएं

जयपुर। सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन विभाग के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गौतम दक ने बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ता सुनवाई की। मंत्री गौतम दक ने बताया कि भाजपा में कार्यकर्ता को सदैव प्राथमिकता दी जाती है। कार्यकर्ताओं के कार्यों को संगठन के माध्यम से सत्ता के मंत्री प्राथमिकता दे रहे है, इससे क्षेत्र का विकास तेजी से होगा और क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं को भी नई पहचान मिलेगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इसी मंशा के साथ पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ता सुनवाई शुरू की है, इसके परिणाम भी अब आना शुरू हो गए है। सहकारिता मंत्री गौतम दक ने कहा कि कार्यकर्ता सुनवाई में आने वाले परिवादों का मौके पर ही निस्तारण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं की सुनवाई सरकार में होना अत्यंत आवश्यक है। कार्यकर्ताओं की समस्याएँ दूर होंगी और उनके क्षेत्र की जन समस्याओं का समाधान होगा तो संगठन मजबूत होगा और संगठन मजबूत होगा तो सरकार भी सुदृढ़ बनेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ता सुनवाई की जा रही है, वहीं मंत्रियों के निवास पर जनसुनवाई पूर्व की भांति निरंतर सुचारू है। प्रदेश के आमजन कभी भी मंत्रियों के निवास पर जनसुनवाई में आ सकते है। प्रदेश कार्यालय में आने वाले कार्यकर्ताओं से मिलकर उनकी समस्या का समाधान किया जा रहा है। इस दौरान भाजपा कार्यालय सचिव मुकेश पारीक भी उपस्थित रहे।

'राजस्थान में सौर ऊर्जा से रोशन हो रहे घर, लहलहा रही फसलें'

प्रदेश की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता 35 हजार मेगावाट से अधिक हुई

जयपुर (कासं)। नववर्ष का सूरज प्रदेश के लिए नई उम्मीदों की किरणें लेकर आया है। विषम भौगोलिक हालात व मौसम के प्रचण्ड प्रकोप की मार झेलने वाला राजस्थान अब सूरज के विकास रथ पर सवार होकर आगे बढ़ रहा हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व में आमजन के घर सूर्यघर बन रहे हैं। सौर ऊर्जा से मिल रहे पानी से खेतों में सिंचाई हो रही है। बढ़ती सौर ऊर्जा क्षमता के साथ देश में नम्बर वन राज्य के रूप में राजस्थान नए साल में प्रवेश कर रहा है।

ज्यादा पुरानी बात नहीं है जब राजस्थान को कोयले की किल्लत के कारण बिजली संकट का सामना करना पड़ता था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वर्ष में 320 दिन मिल रहे सूर्य के प्रकाश को प्रदेश का ऊर्जा परिदृश्य बदलने का जरिया बनाया। नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए तेजी से नीतिगत निर्णय किए गए, निवेश में आने वाली बाधाओं को दूर किया गया और भूमि आवंटन की प्रक्रियाओं को सुगम बनाया गया।

इससे परियोजनाएं समय पर पूरी होने लगी जिससे 2 साल में ही प्रदेश की सौर ऊर्जा क्षमता बढ़कर दोगुनी हो चुकी है और राजस्थान ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

वर्तमान में प्रदेश की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता 35 हजार 910 मेगावाट पहुंच चुकी है, जो देश की कुल सौर क्षमता का लगभग 27 प्रतिशत है। बीते दो वर्षों में राज्य की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता में 18 हजार मेगावाट से अधिक की वृद्धि हुई है। भूमि पर लगी देश की 1 लाख मेगावाट स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता में से 31 हजार मेगावाट का योगदान राजस्थान का है। राजस्थान इस प्रगति से देश के सोलर हब के रूप में मजबूती से उभर रहा है।

विकेन्द्रीकृत सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने पीएम कुसुम योजना और पीएम सूर्यघर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया। जिसका परिणाम यह हुआ कि पीएम कुसुम में स्थापित ऊर्जा क्षमता दो साल में 122 मेगावाट से बढ़कर 2629 मेगावाट हो गई। कुसुम योजना के कम्पोनेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी के अन्तर्गत प्रदेश की गांव-ढाणियों में 2 हजार 629 मेगावाट क्षमता से अधिक की ग्रिड कनेक्टेड 1 हजार 201 लघु सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की जा चुकी हैं। इनमें कम्पोनेंट-ए के अंतर्गत 478 मेगावाट क्षमता के 368 प्लांट तथा कम्पोनेंट-सी में 2 हजार 151 मेगावाट क्षमता के 833 प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं। इस तरह स्थापित ऊर्जा क्षमता में कम्पोनेंट-ए में राजस्थान प्रथम स्थान पर और कम्पोनेंट-सी में तीसरे स्थान पर है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किसानों को वर्ष 2027 तक दिन में बिजली देने का वादा किया था। आज राजस्थान के 22 जिलों के किसानों को दिन में बिजली मिलने लगी है। सौर ऊर्जा का इसमें बड़ा योगदान है। पीएम कुसुम योजना के सभी कम्पोनेंट्स से 2 लाख 83 हजार से अधिक किसानों को खेती के लिए दिन में बिजली मिल रही है। बीते दो साल में पीएम कुसुम कम्पोनेंट-बी में 58 हजार 361 सोलर पम्पसैट की स्थापना की गई है। सस्ती सौर ऊर्जा मिलने से किसानों की डीजल पंपों पर निर्भरता कम हुई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हर घर को ऊर्जादाता बनाने की पहल पर शुरू की गई पीएम सूर्यघर योजना में भी राजस्थान देश में 5वें स्थान पर है। आमजन रूफटॉप पर सोलर पैनल लगाकर ना केवल मुफ्त बिजली प्राप्त कर रहे हैं बल्कि अतिरिक्त बिजली से आर्थिक लाभ भी कमा रहे हैं। प्रदेश में 481 मेगावाट क्षमता के 1 लाख 20 हजार 162 रूफटॉप सोलर संयंत्र पीएम सूर्यघर योजना में लगाए जा चुके हैं। प्रदेश में विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत अब तक कुल 1948 मेगावाट क्षमता के रूफटॉप सोलर संयंत्र लगाए जा चुके हैं। पीएम सूर्यघर योजना में रूफटॉप सोलर स्थापित करने वाले उपभोक्ताओं को 824 करोड़ की केन्द्रीय सब्सिडी वितरित की जा चुकी है।

सौर ऊर्जा से घरेलू उपभोक्ताओं की बचत बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने 150 यूनिट निःशुल्क बिजली योजना की शुरूआत की है। अक्टूबर माह में पंजीकरण शुरू होने के बाद अब तक 2 लाख 69 हजार से अधिक उपभोक्ता 150 यूनिट निःशुल्क बिजली योजना से जुड़ने के लिए अपनी सहमति दे चुके हैं। इस योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा अपने घर की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने वाले पात्र उपभोक्ताओं को 17 हजार रूपए की राज्य सब्सिडी हस्तांतरित की जाती है। राज्य सब्सिडी की यह राशि पीएम सूर्यघर योजना में देय अधिकतम 78 हजार रूपए की केन्द्रीय सहायता के अतिरिक्त है।

प्रदेश में पीक ऑवर्स में अब तक अधिकतम डिमांड 19 हजार 165 मेगावाट रही है, जो 2030 तक 25 हजार 48 मेगावाट होना अनुमानित है।

- **सौर ऊर्जा के कारण आमजन को महंगी बिजली से मिल रही राहत, घट रही कोयले पर निर्भरता**
- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के त्वरित और दूरदर्शी निर्णयों से राजस्थान की सोलर हब के रूप में बन रही वैश्विक पहचान**

आई.पी.एस. प्रफुल्ल कुमार और राघवेन्द्र सुहासा बने एडीजी

9 आईपीएस आईजी रैंक पर प्रमोट हुए, 11 बने डी.आई.जी.

जयपुर (कासं)। भारतीय पुलिस सेवा (आई.पी.एस.) के 2001 बैच के वरिष्ठ अधिकारी प्रफुल्ल कुमार और राघवेन्द्र सुहासा को राज्य सरकार ने पदोन्नति देकर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) बनाया है। उन्हें महानिरीक्षक पुलिस वेतन श्रृंखला से अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस वेतन श्रृंखला में पदोन्नत किया गया है। राज्य सरकार ने 31 दिसंबर को आदेश जारी कर 40 आई.पी.एस. अधिकारियों को पदोन्नति दी है।

इसी प्रकार वर्ष 2008 बैच के 9 आई.पी.एस. अधिकारियों को उपमहानिरीक्षक से महानिरीक्षक वेतन श्रृंखला में पदोन्नत किया है। इस आदेश से लवली कटियार, डॉ. प्रीति चंद्रा, राहुल कोटोकी, डॉ. विकास पाठक, डॉ. राहुल जैन, ओमप्रकाश द्वितीय, राजेश सिंह, राजेन्द्र प्रसाद गोयल और कालूराम रावत अब पुलिस महानिरीक्षक (आई.जी.) होंगे।

इसी तरह वर्ष 2012 बैच के 11 आई.पी.एस. अधिकारियों को भारतीय पुलिस सेवा की चयन वेतन श्रृंखला से उपमहानिरीक्षक (डी.आई.जी.) वेतन श्रृंखला में पदोन्नत किया गया है। इनमें आईपीएस राशि डोगरा डूडी, ममता गुप्ता, पूजा अवाना, आदर्श सिद्धू, डॉ. किरन कैंग सिद्धू, जय यादव, अभिजीत सिंह, शांतनु कुमार सिंह, देवेन्द्र कुमार विश्नोई, विनीत कुमार बंसल, नारायण टोगस शामिल है।

- **राज्य सरकार ने भारतीय पुलिस सेवा के 40 अफसरों को दिया पदोन्नत**

इसी प्रकार वर्ष 2013 बैच के 9 आई.पी.एस. अधिकारियों को भारतीय पुलिस सेवा की कनिष्ठ प्रशासनिक वेतन श्रृंखला से चयन वेतन श्रृंखला में पदोन्नत किया गया है। इनमें तेजस्वनी गौतम, चूनाराम जाट, मनीष त्रिपाठी, सुधीर जोशी, राज कुमार चौधरी, सुरेन्द्र सिंह, संजीव नैन, नरेन्द्र सिंह और योगेश गोयल शामिल है। इसी तरह वर्ष 2017 बैच के 3 आईपीएस को वरिष्ठ वेतन श्रृंखला से कनिष्ठ प्रशासनिक वेतन श्रृंखला (लेवल-12) में पदोन्नत किया है। इनमें राजर्षि राज वर्मा, शैलेन्द्र सिंह इंदोलिया और वंदिता राणा शामिल है। इसी तरह वर्ष 2022 बैच के 6 आईपीएस को कनिष्ठ वेतन श्रृंखला से वरिष्ठ वेतन श्रृंखला में पदोन्नित दी है। इनमें उषा यादव, विनय कुमार डी.एच, पंकज यादव, आदित्य काकड़े, विशाल जांगिड़ और शिवानी शामिल है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष से ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष ने की मुलाकात

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डॉ. महेंद्र कुमावत ने मोती डूंगरी गणेशजी के दर्शन कर भाजपा प्रदेश मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ से शिष्टाचार भेंट की। कुमावत ने प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट किया।

क्लेम राशि नहीं देने पर बीमा कंपनी पर हर्जाना

जयपुर (कासं)। जिला उपभोक्ता आयोग क्रम 2 ने बीमित वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने पर उसकी बीमा राशि अदा नहीं करने पर बीमा कंपनी इफको टोकियो पर पचास हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। इसके साथ ही आयोग ने बीमा क्लेम के रूप में 8.32 लाख रुपए परिवाद पेश करने की तिथि से 9 फीसदी ब्याज सहित परिवादी के पक्ष में अदा करने को कहा है। आयोग अध्यक्ष ग्यारसीलाल मीना और सदस्य अजय कुमार व सुप्रिया अग्रवाल ने यह आदेश कबूल चन्द सैनी के परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए। आयोग ने अपने आदेश में कहा कि वाहन के फोटोग्राफ से यह प्रतीत होता है कि दुर्घटना में वाहन टोटल लॉस हो गया था। ऐसे में सर्वेयर की रिपोर्ट को ठीक नहीं माना जा सकता।

- **बीमा राशि ब्याज सहित अदा करने के आदेश**

परिवाद में अधिवक्ता गोपाल शास्त्री ने आयोग को बताया कि परिवादी ने विपक्षी बीमा कंपनी से साल 2016 में अपना वाहन का बीमा कराया था। वहीं बीमा अवधि के दौरान जनवरी 2017 उसके वाहन की दुर्घटना हो गई। इस पर परिवादी ने क्षितग्रस्त वाहन को कंपनी के वर्कशॉप में भेजकर बीमा कंपनी को समस्त दस्तावेज उपलब्ध करा दिए। परिवाद में कहा गया कि बीमा कंपनी ने सितंबर, 2017 में बीमा क्लेम को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि परिवादी ने समय पर बीमा कंपनी को सूचना नहीं दी। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि आईआरडीए ने बीमा कंपनियों को स्पष्ट निर्देश दे रखे हैं कि घटना की जानकारी देरी से देने के आधार पर क्लेम के दावे को खारिज नहीं किया जाए। इसके बावजूद भी बीमा कंपनी ने उसके क्लेम को खारिज कर दिया। ऐसे में उसे बीमा राशि और हर्जाना दिलाया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए आयोग ने बीमा कंपनी पर हर्जाना लगाते हुए बीमा राशि ब्याज सहित अदा करने को कहा है।

सेवा परिलाभ और वरिष्ठता वापस लेने के आदेश पर रोक

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक ही भर्ती में बाद में नियुक्त प्रबोधकों को दिए सेवा परिलाभ सहित अन्य नोशनल परिलाभों को वापस लेने के राज्य सरकार के आदेश पर रोक लगा दी है। अदालत ने मामले में शिक्षा सचिव, प्रारंभिक शिक्षा निदेशक और अलवर डीईओ सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश लक्ष्मण सिंह राजपूत व अन्य की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने प्रबोधक पद के लिए भर्ती निकाली थी। जिसमें कुछ अभ्यर्थियों को साल 2009 में नियुक्ति मिली थी। वहीं याचिकाकर्ताओं को कई सालों बाद साल 2017 में नियुक्ति दी गई। वहीं साल 2018 में उन्हें अदालती आदेश की पालना में पूर्व में लगे अन्य प्रबोधकों के समान सेवा परिलाभ व अन्य नोशनल परिलाभ दिए गए। याचिका में कहा गया कि गत 3 नवंबर को शिक्षा विभाग ने साल 2018 में दिए आदेश को वापस ले लिया और इस अवधि में दिए गए वेतन को अधिक बताकर उसकी रिकवरी निकाल दी। इसे अदालत में चुनौती देते हुए कहा गया कि एक भर्ती में अलग-अलग समय पर नियुक्त हुए अभ्यर्थियों को एक समान वेतन परिलाभ और वरिष्ठता दी जाती है।

15 लाख की ड्रग्स के साथ विदेशी नागरिक सहित पांच गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत नशे के सौदागरों पर बड़ा प्रहार करते हुए पन्द्रह लाख रुपये की अवैध मादक पदार्थ जब्त कर एक विदेशी नागरिक सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से स्मैक, एमडी ड्रग्स, कोकीन, नशीली गोलियां और एक कार बरामद की गई है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत सीएसटी ने बगरू,शिवदासपुरा और कानोता थाना इलाके में संयुक्त कार्रवाई करते हुए दिल्ली से जयपुर आ रहे विदेशी नागरिक ऑगस्टीन एग्बो (27) निवासी एनुगू (नाइजीरिया) हाल फरीदाबाद (हरियाणा),संगीता सांसी उर्फ मोगली(30) निवासी रामगंज जिला अजमेर, अब्दुल गफ्फार खान (30) निवासी माधोराजपुरा जयपुर, आरिफ मोहम्मद (26) निवासी माधोराजपुरा जयपुर ग्रामीण और विजय सोलंकी निवासी माधोराजपुरा जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 179.09 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक,12.26 ग्राम एमडी ड्रग्स (क्रिस्टल), 27.17 ग्राम कोकीन, 81 मिलीग्राम (2 टैबलेट) नशीली गोलियां सहित एक चौपहिया वाहन भी बरामद किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि नाइजीरियन नागरिक के पास से वैध पासपोर्ट व वीजा नहीं मिला है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (ऑपरेशंस) राहुल प्रकाश के निर्देशन एवं पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभिजीत सिंह के सुपरविजन में तीनों थाना क्षेत्रों में अलग-अलग की गई है।

- **स्मैक, एमडी ड्रग्स, कोकीन, नशीली गोलियां और कार बरामद**
- **जयपुर पुलिस की स्पेशल टीम ने बगरू, शिवदासपुरा और कानोता में कार्रवाई की**

पुलिस तंत्र को अधिक प्रभावी, संवेदनशील और तकनीक-सक्षम बनाएंगे : राजीव शर्मा

जयपुर। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने वर्ष 2026 के लिए राजस्थान पुलिस की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए कहा है कि जन-सुरक्षा, अपराध नियंत्रण और जनविश्वास को केंद्र में रखते हुए पुलिस तंत्र को और अधिक प्रभावी, संवेदनशील एवं तकनीक-सक्षम बनाया जाएगा।

डी.जी.पी. राजीव शर्मा ने बताया कि अपराध संबंधी प्राथमिकताओं के अंतर्गत संगठित अपराध के विरुद्ध सख्त एवं निर्णायक कार्यवाही की जाएगी। महिलाओं, बच्चों एवं कमजोर वर्गों के प्रति होने वाले अपराधों की रोकथाम सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी, जिसमें त्वरित कार्रवाई और गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही, सड़क सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन को सुदृढ़ करते हुए दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

44 पुलिस निरीक्षकों को मिला आर.पी.एस. कैडर

जयपुर। राजस्थान सरकार ने राजस्थान पुलिस के 44 पुलिस निरीक्षकों को नए साल पर तोहफा देते हुए उन्हें आरपीएस अधिकारी के रूप में पदोन्नित किया है। सरकार की विभागीय पदोन्नित समिति की सिफारिश के आधार पर गृह (ग्रुप-1) विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। इसमें जयपुर ग्रामीण के चौमू थाने के थानाधिकारी प्रदीप शर्मा का भी नाम शामिल है। थानाधिकारी प्रदीप शर्मा हाल ही में चौमूं में मस्जिद के बाहर पत्थरबाजी मामले को लेकर चर्चा में आए थे। उनको लेकर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा था कि प्रदीप शर्मा चुनाव लड़ने की फिराक में हैं। प्रदीप शर्मा अब आरपीएस रैंक के अधिकारी बन गए हैं।

गृह (ग्रुप-1) विभाग के संयुक्त सचिव आनंदीलाल वैष्णव की ओर से बुधवार को जारी आदेश के अनुसार पुलिस निरीक्षक देवेंद्र प्रताप वर्मा, मदनलाल, राजेंद्र बाफना, अचलदान रत्नू, पुरुषोत्तम महरिया, बनवारी लाल मीणा, बाबूलाल मीणा, रामनिवास मीणा, अजयकांत रतूडी और रविंद्र कुमार को आरपीएस अधिकारी के पद पर पदोन्नित मिली है। इसी प्रकार पुलिस निरीक्षक मुकेश शर्मा, धर्मेंद्र पेवा, बाबूलाल चौधरी, सरोज धायल, शिखा विश्नोई, बुद्धाराम, छत्तर सिंह, देरावर सिंह, राजेंद्र कुमार शर्मा, राजेश यादव, राजकुमार टेलर, निशा भटनागर, घनश्याम शर्मा, लक्ष्मीनारायण, दिनेश कुमार, निरंजन प्रताप सिंह, श्याम सिंह रत्नू, महावीर सिंह यादव, वीरेंद्र कुमार, रणजीत सिंह, अशोक चौधरी, रविंद्र प्रताप, मांगीलाल विश्नोई, नरेंद्र कुमार , प्रदीप कुमार शर्मा, राजीव भादू, नरपत सिंह, लक्ष्मण राम विश्नोई, आनंद कुमार, दुर्गाप्रसाद दाधीच, नवनीत बिहारी व्यास, परवेज आलम सैयद, अनिल कुमार मूंड और लाखन सिंह खटाना को आरपीएस के पद पर पदोन्नित दी गई है। गृह विभाग की ओर से जारी आदेश के तहत पदोन्नत सभी इंस्पेक्टर अग्रिम आदेश तक वर्तमान पद पर काम करते रहेंगे। गौरतलब है कि विभागीय पदोन्नित समिति की बैठक 2 दिसंबर 2025 को हुई थी और इस समिति की अनुशंसा पर गृह विभाग ने आदेश जारी कर इन अधिकारियों को पदोन्नत किया गया।

अवैध खनन पर 14 एफआईआर, एक गिरफ्तारी और 28 लाख रु. का जुर्माना वसूलने की कार्रवाई

जयपुर। अरावली पर्वतमाला क्षेत्र के 20 जिलों में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ चलाये जा रहे संयुक्त अभियान में पलियाना में अलवर सिक्सलेन निर्माण कार्य कर रही कंपनी द्वारा अवैध खनिज मिट्टी खनन पर जयपुर अधीक्षण अभियंता एनएस शक्तावत की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 73 लाख रुपए से अधिक के जुर्माने की कार्रवाई की जा रही है। टोंक में भी रेल्वे ट्रेक के लिए काम कर रही निजी कंपनी द्वारा अवैध खनिज मिट्टी खनन कार्रवाई पर एक एक्सक्वेटर 4 डंपर जब्त किये हैं। नागौर के एमई श्री जय गोदारा द्वारा रियाबड़ी में दो ट्रेक्टर बजरी के व खींवसर में दो डंपर चेजा पत्थर का अवैध परिवहन करते हुए जब्त करते हुए करीब 3.50 लाख का जुर्माना लगाया गया है। जोधपुर के बड़ली क्षेत्र में खनिज सेंड स्टोन के क्वारी लाइसेंस के 40 हैक्टेयर क्षेत्र में अधीक्षण खनि अभियंता डॉ. देवेन्द्र गौड की टीम द्वारा ड्रोन सर्वे करवाया गया है। अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ संबंधित जिलों में संयुक्त जांच दल द्वारा कार्रवाई जारी है। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने बताया कि अरावली पर्वतमाला क्षेत्र के जिलों में 29 दिसंबर से अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ जिला कलक्टरों द्वारा गठित संयुक्त जांच दल द्वारा कार्रवाई जारी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों से जारी अभियान के दौरान दो दिन में ही उल्लेखनीय कार्रवाई करते हुए 150 से अधिक उपकरणों और वाहनों की जब्ती की जा चुकी है। अभियान के दौरान दो दिन में ही 155 से अधिक कार्रवाई कर 12 एक्सक्वेटर/जेसीबी/क्रेन व 137 डंपर-ट्रेक्टर आदि जब्त कर संबंधित पुलिस थानों को सुपुर्द किये जा चुके हैं।

आर.पी.एस. अधिकारी एक करोड़ रुपए वसूली के आरोप में गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। महेश नगर थाना पुलिस ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आर.पी.एस.) अधिकारी रितेश पटेल को एक करोड़ रुपये की वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरपीएस अधिकारी पर आरोप है कि उन्होंने एक व्यक्ति को धमकाकर एक करोड़ रु. की मांग की और एसओजी के नाम से फर्जी एफआईआर तैयार कर भेजी। शिकायतकर्ता का कहना है कि एक करोड़ रुपए की मांग में से 25 लाख रुपये नकद और 25 लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर लिए गए। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच में जुटी हुई है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि एसओजी की फर्जी एफआईआर तैयार कर शिकायतकर्ता को भेजने और रुपये मांगने का आरोप है।

महेश नगर थाना पुलिस ने एपीओ (अटैच्ड पुलिस ऑफिसर) चल रहे आरपीएस अधिकारी रितेश पटेल को उनके केसर चौराहा स्थित घर से गिरफ्तार किया।

पुलिस का कहना है कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि आरपीएस रितेश पटेल ने धमकी देकर एक करोड़ रुपये मांगे और एसओजी के नाम से फर्जी एफआईआर बनाकर भेजी। पुलिस अब आरोपित आरपीएस से गहन पूछताछ कर रही है।

आरोपित रितेश पटेल 2019 बैच के आरपीएस अधिकारी है। वह बजरी लेनदेन के एक मामले में पहले से एपीओ चल रहे है।

आर.पी.एस. रितेश पटेल

- **आरपीएस अधिकारी पर आरोप है कि उन्होंने एक व्यक्ति को धमकाकर एक करोड़ रु. की मांग की और एसओजी के नाम से फर्जी एफआईआर तैयार कर भेजी।**
- **शिकायतकर्ता का कहना है कि एक करोड़ रुपए की मांग में से 25 लाख रुपये नकद और 25 लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर लिए गए।**

बजरी के ट्रैक्टर छोड़ने का बनाया था दबाव

गंगापुर सीआई फूलचंद ने साल 2024 में आशाहोली गांव के पास अवैध बजरी भरकर ले जा रहे दो ट्रैक्टर पकड़े थे। ट्रैक्टरों को थाने लाकर खड़ा करवाया था। सीआई ने इस कार्रवाई से उच्च अधिकारियों को भी अवगत कराया था। दोनों ट्रैक्टर का रजिस्ट्रेशन भी नहीं था। इनके चेसिस नंबर पर भी जून 2024 की मैन्युफैक्चरिंग डेट लिखी हुई थी। माना जा रहा था कि ट्रैक्टर मालिक ने खरीदने के बाद आरटीओ ऑफिस में रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया था।

तब तत्कालीन डीएसपी रितेश पटेल थाने पहुंचे थे। डीएसपी ने दोनों ट्रैक्टरों को छुड़वाने की कोशिश की थी, परंतु सीआई ने उनकी बात नहीं मानी। इस मामले ने तूल पकड़ लिया था। सोशल मीडिया पर भी मामला काफी छाया रहा था। इसके बाद रितेश पटेल को एपीओ कर दिया था।

कमिश्नर सचिन मित्तल ने कहा कि इस मामले में विस्तृत जांच चल रही है कि आरोपित आरपीएस अधिकारी ने कितने रुपये लिए गए और कैसे लिए गए। इसकी पड़ताल की जा रही है। इसके अलावा जांच पूरी होने के बाद पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपित आरपीएस को पुलिस रिमांड पर लेकर आगे पूछताछ होगी।

सड़क हादसे में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की मौत

जयपुर। कोटखावदा इलाके में स्थित जयपुर-टोंक हाईवे (एनएच-52) कोटखावदा पुलिया पर बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूल जा रहे एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की मौत हो गई। दुर्घटना थाना इंचार्ज रामरतन चौधरी ने बताया कि मृतक की पहचान चाकसू निवासी 45 वर्षीय हेमराज गोस्वामी के रूप में हुई है। जो ठीकरिया मीणान गांव स्थित सरकारी स्कूल में फोर्थ ग्रेड कर्मचारी के पद पर कार्यरत था और बुधवार सुबह बाइक से स्कूल जा रहे थे। पुलिस के अनुसार हाईवे पर लघुशंका के लिए रुकने के बाद हेमराज गोस्वामी जैसे ही दोबारा बाइक पर बैठने की तैयारी कर रहे थे। तभी पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एम्बुलेंस की सहायता से घायल को चाकसू उप जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मृतक के साले राजेश गोस्वामी ने बताया कि हेमराज गोस्वामी के दो बेटे और एक बेटी हैं।

जयपुर में आर्मी-डे परेड पर 6 वर्ग कि.मी. इलाका होगा सील

सुरक्षा के लिए कमांडो-आरएसी-पैरामिलिट्री होगी तैनात

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में स्थित महल रोड पर 15 जनवरी 2026 को होने वाली आर्मी-डे परेड को लेकर जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। बॉम्बे हॉस्पिटल से अक्षय पात्र तक फैले करीब 6 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को पूरी तरह से सील करने की तैयारी की गई है। सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के लिए इस इलाके में रहने और काम करने वाले पचपन हजार से अधिक लोगों का पुलिस वेरिफिकेशन किया गया है।

इसके लिए 300 पुलिसकर्मियों की विशेष टीमें तैनात की गई हैं। सुरक्षा को तीन स्तरों में विभाजित किया गया है। बाहरी घेरा पुलिस और आरएसी संभालेगी, मध्य घेरा पैरामिलिट्री फोर्स के जिम्मे रहेगा, जबकि सबसे अंदरूनी सुरक्षा की कमान सीधे भारतीय सेना के हाथों में होगी।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि 1 जनवरी 2026 से आर्मी डे परेड की नियमित रिहर्सल शुरू होगी। इसके मद्देनजर सुरक्षा का पूरा खाका तैयार कर लिया गया है। बाहरी सुरक्षा के लिए आरएसी की दो कंपनियां तैनात की गई हैं। मध्य सुरक्षा घेरा पैरामिलिट्री फोर्स संभालेगी, जबकि अंतिम और सबसे संवेदनशील घेरे की जिम्मेदारी सेना के पास रहेगी। एडिशनल कमिश्नर (कानून व्यवस्था) डॉ. राजीव पचार को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) संजीव नैन ने बताया कि कॉलोनी विकास समितियों, मॉल प्रबंधन और व्यापार संघों के साथ बैठक कर सख्त निर्देश दिए गए हैं। रिहर्सल के दौरान क्षेत्र में पतंग उडाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा और पूरा इलाका नो-ड्रोन जोन घोषित किया गया है। नए किराएदारों, घरेलू सहायकों और दुकानों के कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन कराना अनिवार्य किया गया है। इस कार्य की मॉनिटरिंग एडिशनल डीसीपी आलोक सिंघल द्वारा किया जा रहा है। वहीं एसीपी सांगानेर हरिशंकर शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीमें रोजाना फ्लैग मार्च निकाल कर माइक के जरिए लोगों को सुरक्षा नियमों के पालन और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने के लिए जागरूक किया जा रहा है। परेड रूट के आसपास स्थित सभी ऊंची इमारतों को विशेष निगरानी में रखा गया है। इन इमारतों पर लाल झंडे लगाकर मार्किंग की जाएगी। साथ ही छतों पर सेना के कमांडो तैनात रहेंगे। जो दूरबीन और स्नाइपर के माध्यम से हर गतिविधि पर पैनी नजर रखेंगे।

- **बाहरी घेरा पुलिस और आरएसी संभालेगी, मध्य में पैरामिलिट्री, अंतिम सुरक्षा सेना के हाथ में**
- **ऊंची इमारतों पर कमांडो, नो-ड्रोन जोन, पतंगबाजी पर पूर्ण प्रतिबंध**

ख्वाजा के भविष्य के बारे में मुझसे कोई बातचीत नहीं हुई है और मैंने बाहरी अटकलों को खारिज कर दिया।

- माइकल वॉन

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान, ऑस्ट्रेलिया के उस्मान ख्वाजा को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

डेमियन मार्टिन

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज डेमियन मार्टिन कोमा में हैं और पिछले कुछ दिनों से बीमार होने के बाद मेनिनजाइटिस का इलाज करवा रहे हैं। 54 वर्षीय खिलाडी को अचानक तबीयत खराब होने के बाद ब्रिस्बेन के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एडम गिलक्रिस्ट, जो ऑस्ट्रेलिया और वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया दोनों के लिए मार्टिन के करीबी दोस्त और लंबे समय से टीम के साथी रहे हैं, ने परिवार की ओर से इस बात की पुष्टि की। गिलक्रिस्ट ने कहा, "उन्हें सबसे अच्छा इलाज मिल रहा है और (मार्टिन की पार्टनर) अमांडा और उनके परिवार को पता है कि बहुत से लोग उनके लिए प्रार्थना और शुभकामनाएं भेज रहे हैं।"

क्या आप जानते हैं ?... 31 जनवरी 2025 तक,भारत ने 1058 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें 559 मैच जीते हैं और 445 हारे हैं; 10 मैच टाई रहे और 44 मैचों का कोई परिणाम नहीं निकला।

राशिद खान करेंगे टी-20 विश्वकप में अफगानिस्तान की कप्तानी

काबुल, 31 दिसंबर। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को कहा कि राशिद खान आगामी टी-20 विश्व कप में 15 सदस्यीय राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करेंगे।

चयनकर्ताओं ने कंधे की चोट से उबर चुके नवीन-उल-हक को राष्ट्रीय टीम में जगह दी है वहीं गुलबदीन नायब भी आगामी टी-20 विश्व कप के लिए टीम में लौट आए हैं। नवीन ने आखिरी टी-20 मैच दिसंबर 2024 में खेला था। जिम्बाब्वे सीरीज के लिए अफगानिस्तान टीम का हिस्सा रहे शराफुद्दीन अशरफ, फरीद अहमद मलिक, बशीर अहमद और एजाज अहमद अहमदजई को टीम से बाहर कर दिया गया। विश्व कप के लिए अफगानिस्तान को ग्रुप डी में रखा गया है, जिसमें उनके अलावा न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, यूएई और कनाडा भी हैं। उनका अभियान आठ फरवरी को चेन्नई में न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होगा। विश्व कप से पहले यह 15 खिलाड़ियों की टीम 19 जनवरी से यूएई में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज खेलेगी।

टी-20 विश्वकप के लिए अफगानिस्तान टीमः राशिद खान (कप्तान), नूर अहमद, अब्दुल्ला अहमदजई, सेदिकुल्लाह अटल, फजलहक फारूकी, रहमानुल्लाह गुरबाज, नवीन उल हक, मोहम्मद इशाक, शाहिदुल्लाह कमाल, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, अजमतुल्लाह उमरजई, मुजीब उर रहमान, दरवेश रसूलि और इब्राहिम जादरान।

जयपुर की दिव्यांशी जैन ने जीता स्कॉटिश ओपन का खिताब

जयपुर, 31 दिसम्बर। जयपुर की प्रतिभाशाली स्क्वैश खिलाड़ी दिव्यांशी जैन ने मंगलवार को एडिनबर्ग में स्कॉटिश ओपन स्क्वैश में गर्ल्स अंडर-

13 कैटेगरी का खिताब जीत लिया। दिव्यांशी का एक माह के भीतर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह दूसरा खिताब है। इससे पूर्व उन्होंने इसी माह कुआलालंपुर ओपन में भी खिताबी जीत दर्ज की थी।

दिव्यांशी ने मंगलवार को टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में भारत की ही शनाया परसरामपुरिया को सीधे सेटों में 11-5, 11-9, 11-5 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया।

सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित राजस्थान स्क्वैश एकेडमी की संचालक सुरभि मिश्रा ने बताया कि अंडर-13 कैटेगरी में देश की नम्बर एक खिलाड़ी दिव्यांशी को टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता दी गई और उन्होंने इसे सही साबित करने हुए अपने खिताबी सफर में एक भी सेट नहीं गंवाया। उन्होंने पहले राउण्ड में स्कॉटलैंड की जेसिका क्रेग को सीधे सेटों में 11-3, 11-5, 11-2 से हरा अपने अभियान की शुरुआत की। दिव्यांशी ने दूसरे राउण्ड में इंग्लैंड की सारा इब्राहिम को 11-1, 11-3, 11-6 से, तीसरे राउण्ड में कतर की जोय मकारयुस को 11-3, 11-2, 11-4 से और चौथे राउण्ड में स्कॉटलैंड की टालिन बेडायर को 11-0, 11-2, 11-0 से हरा फाइनल में जगह बनाई थी।

काम्या कार्तिकेयन साउथ पोल तक स्कीइंग करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय बनीं

नयी दिल्ली, 31 दिसंबर। भारतीय नौसेना के एक अधिकारी की 18 साल की बेटी काम्या कार्तिकेयन ने साउथ पोल तक स्कीइंग करके इतिहास रच दिया है। वह यह कारनामा करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बन गई हैं। काम्या ने 89 डिग्री दक्षिण से शुरू करके, अपने पूरे एक्सपेडिशन का सामान ले जा रही स्लेज को खींचते हुए, स्कीइंग करते हुए ज्योग्राफिक साउथ पोल तक पैदल लगभग 115 किमी का सफर तय किया। उन्होंने 27 दिसंबर को यह मुश्किल अभियान पूरा किया। इस शानदार उपलब्धि को हासिल करने के लिए उन्होंने अंटार्कटिका की मुश्किल परिस्थितियों का सामना किया, जिसमें तापमान माइनस 30 डिग्री सेल्सियस तक गिरना और तेज तूफानी हवाएं शामिल थीं।

प्रो रेसलिंग लीग 2026 के लिए नीलामी तीन जनवरी को

नयी दिल्ली, 31 दिसंबर। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) द्वारा स्वीकृत भारत की प्रमुख फ्रेंचाइज़ी-आधारित पेशेवर कुश्ती लीग, प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्लूएल), अपने बहुप्रतीक्षित पांचवें सीजन की औपचारिक शुरुआत करने जा रही है। लीग ने आधिकारिक खिलाड़ी नीलामी की तारीख 3 जनवरी 2026 (शनिवार) घोषित कर दी है। नीलामी से पहले, लीग ने उन छह फ्रेंचाइज़ी के नामों का भी खुलासा किया है जो पीडब्लूएल 2026 में प्रतिस्पर्धा करेंगी। यह छह वर्षों के अंतराल के बाद लीग की वापसी की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है।

आईसीसी ने भारत-दक्षिण अफ्रीका टेस्ट के लिए ईडन गार्डन्स पिच को संतोषजनक बताया

दुबई, 31 दिसंबर। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स पिच को संतोषजनक रेटिंग दी है। इस मैदान पर 14 नवंबर से भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट खेला गया था, और मैच तीन दिनों के अंदर खत्म हो गया, जिसमें भारत को मेहमान टीम से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, सतह की कोई निंदा नहीं हुई।

"यह बिल्कुल वैसी ही पिच थी जिसकी हम तलाश कर रहे थे। यह बिल्कुल वैसी ही पिच है और मुझे लगता है कि क्यूरेटर बहुत, बहुत मददगार थे। और हम बिल्कुल यही चाहते थे। और हमें बिल्कुल यही मिला। जब आप अच्छा नहीं खेलते हैं, तो ऐसा ही होता है," भारत के कोच गौतम गंभीर ने अपनी टीम के 30 रनों से हारने के बाद कहा था, जब वे 124 रनों का पीछा करने में नाकाम रहे। हालांकि, बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने गुवाहाटी पहुंचने पर गंभीर की बात का खंडन किया - जो दूसरे टेस्ट का स्थान था, उन्होंने कहा कि कोई भी कोलकाता जैसी पिच नहीं चाहता था।

पिच ने पहले दिन से ही तेज टर्न दिया, और दक्षिण अफ्रीका के ऑफ-स्पिनर साइमन हार्मर को मैच में 51 रन देकर आठ विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। हालांकि, भारतीय स्पिनर वैसा प्रभाव नहीं डाल पाए, जिससे शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम को चौंकाने वाली हार का सामना करना पड़ा।

सौरव गांगुली ने ऐसी सतह चुनने के लिए भारतीय टीम मैनेजमेंट की आलोचना की। पूर्व भारतीय कप्तान को लगा कि टीम में इतनी प्रतिभा है कि वह अत्यधिक सहायता वाली पिचों के बजाय खेल के लिए अच्छी पिचों पर सफल हो सकती है। उन्होंने कहा, "अच्छी विकेटों पर खेलें। मुझे उम्मीद है कि गौतम गंभीर सुन रहे होंगे। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं... लेकिन उन्हें अच्छी विकेटों पर खेलना चाहिए। क्योंकि उनके पास (जसप्रीत) बुमराह, (मोहम्मद) सिराज, (मोहम्मद) शमी, कुलदीप (यादव) और (रवींद्र) जडेजा हैं।" गुवाहाटी में दूसरा और आखिरी टेस्ट काफी बेहतर पिच पर खेला गया, और मैच पूरे पांच दिन चला। हालांकि, भारत वह टेस्ट भी हार गया और सीरीज़ 0-2 से गंवा दी। उस जगह की पिच को बहुत अच्छी रेटिंग दी गई थी।

कार्लसन ने रिकॉर्ड नौवां टाइटल जीता, एरिगैसी को कांस्य पदक

दोहा, 31 दिसंबर। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने मंगलवार को यहां वर्ल्ड ब्लिट्ज चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज़ मेडल जीतकर अपने शानदार कैंपेन का अंत किया, जबकि वर्ल्ड नंबर 1 मैग्नस कार्लसन ने रिकॉर्ड नौवां वर्ल्ड ब्लिट्ज टाइटल जीता।

22 साल के एरिगैसी को सेमीफ़ाइनल में युवा उज़्बेक ग्रैंडमास्टर नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव से 2.5-0.5 से भारी हार के बाद ब्रॉन्ज मेडल से ही संतोष करना पड़ा।

इस हार के बावजूद, यह मेडल भारतीय खिलाड़ी के लिए एक बड़ी कामयाबी थी, जिन्होंने इस हफ़्ते की शुरुआत में रैपिड चैंपियनशिप में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता था, और विश्वनाथन आनंद के बाद ओपन कैटेगरी में वर्ल्ड ब्लिट्ज मेडल जीतने वाले दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी बन गए।

भारतीय खिलाड़ी ने लीग स्टेज में शानदार 15 पॉइंट्स के साथ टॉप किया था, जिसमें उन्होंने अपने आखिरी छह गेम में से चार जीते और दो ड्रॉ किए, और अकेले लीडर बने। लेकिन, वह सेमीफ़ाइनल में शुरुआती मौकों को भुना नहीं पाए, और सफ़ेद मोहरों से दबाव बनाने के बावजूद पहला गेम हार गए।

अब्दुसत्तोरोव ने फिर एक लंबे एंडगेम मुकाबले के बाद दूसरा गेम जीतकर मैच पर अपनी पकड़ मज़बूत कर ली, और फिर जल्दी से ड्रॉ करके फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

टाइटल मुकाबले में, मैग्नस कार्लसन ने एक बार फिर इस फ़ॉर्मेट में अपनी बादशाहत दिखाई, अब्दुसत्तोरोव को 2.5-1.5 से हराकर दो दिन पहले हासिल किए गए रैपिड गोल्ड मेडल में नौवां वर्ल्ड ब्लिट्ज क्राउन जोड़ा।

गिल, राहुल और जडेजा जनवरी में विजय हजारे ट्रॉफी खेलेंगे

नयी दिल्ली, 31 दिसंबर। नए साल में विजय हजारे ट्रॉफी में और भी स्टार पावर आने वाली है। इंटरनेशनल खिलाड़ी शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा और केएल राहुल घरेलू 50 ओवर के टूर्नामेंट के लिए अपनी-अपनी राज्य टीमों में शामिल होंगे, जबकि राष्ट्रीय टीम अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज की तैयारी कर रही होगी।

क्रिकबज इस बात की पुष्टि कर सकता है कि इन खिलाड़ियों ने अपने अनिवार्य घरेलू प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए वीएचटी के लिए अपनी उपलब्धता के बारे में अपने राज्य संघों को सूचित कर दिया है।

टेस्ट और वनडे कप्तान गिल से उम्मीद है कि वह पंजाब के लिए 3 और 6 जनवरी के मैच खेलेंगे, जो उन दिनों जयपुर में सिक्किम और गोवा से भिड़ेंगे। पंजाब, जो ग्रुप सी में पावरहाउस मुंबई के साथ है, तीन मैचों में दो जीत के साथ चौथे स्थान पर है। उन्हें जल्द ही भारतीय टीम में शामिल होने के लिए राज्य टीम छोड़नी होगी, जिसके 7-8 जनवरी को बड़ौदा में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे (11 जनवरी) के लिए इकट्ठा होने की उम्मीद है। पता चला है कि जडेजा ने सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन को बताया है कि वह 6 और 8 जनवरी को सर्विसेज और गुजरात के खिलाफ मैच खेलेंगे। सौराष्ट्र टीम फिलहाल कर्नाटक के अलूर में अपने लीग मैच खेल रही है। उन्होंने तीन मैचों में एक जीत हासिल की है और आठ टीमों के ग्रुप में छठे स्थान पर हैं, जिसमें ऋषभ पंत की दिल्ली टीम भी शामिल है। कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन तुरंत यह पुष्टि नहीं कर सका कि राहुल कौन से मैच खेलेंगे, लेकिन सूत्रों से पता चला है कि उनके 3 और 6 जनवरी को अहमदाबाद में त्रिपुरा और राजस्थान के खिलाफ मैच खेलने की संभावना है। कर्नाटक ग्रुप ए में तीन मैचों में 100 प्रतिशत जीत के रिकॉर्ड के साथ दूसरे स्थान पर है। इस बीच, मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने कन्फर्म किया है कि यशस्वी जायसवाल जयपुर पहुंच गए हैं और उम्मीद है कि वह बुधवार (31 दिसंबर) को गोवा के खिलाफ मुंबई का मैच खेलेंगे। जायसवाल कुछ समय के लिए बीमार थे और उन्हें पहले तीन मैच छोड़ने पड़े थे, और यह लेफ्ट-हैंडेड ओपनर गोवा के खिलाफ मैच में खेल सकते हैं। मुंबई ग्रुप सी में तीन जीत के साथ टॉप पर है। रोहित शर्मा से लेकर विराट कोहली और पंत तक, ज़्यादातर इंटरनेशनल खिलाड़ी - जसप्रीत बुमराह को छोड़कर - विजय हजारे ट्रॉफी (वीएचटी) में अपनी घरेलू ज़िम्मेदारियों को पूरा करने के लिए आए हैं, जिसमें बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) ने हिस्सा लेना जरूरी कर दिया है। बुमराह एक खास मामला हैं क्योंकि बीसीसीआई देश के मुख्य गेंदबाज पर ज़्यादा वर्कलोड डालने से बच रहा है। कोहली, जिन्होंने दो मैच खेले हैं, 6 जनवरी को दिल्ली के मैच के लिए वापस आएंगे, जिसकी कप्तानी पंत कर रहे हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ने दिल्ली के लिए सभी वीएचटी मैच खेलने का वादा किया है।

गेंदबाजों, लिन के दम पर एडिलेड स्ट्राइकर्स ने ब्रिस्बेन हीट को धो डाला

एडिलेड, 31 दिसंबर। एडिलेड स्ट्राइकर्स ने घरेलू मैदान पर शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रिस्बेन हीट को सात विकेट से हराकर नए साल की पूर्व संध्या पर अपने लंबे समय से चले आ रहे अपशगुन को तोड़ दिया। एक शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन और क्रिस लिन की बेहतरीन पारी की मदद से उन्होंने 122 रनों के मामूली लक्ष्य को लगभग छह ओवर शेष रहते हासिल कर लिया, जिससे वे बिग बैश लीग स्टैंडिंग में टॉप-चार में पहुंच गए।

टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला करने के बाद, एडिलेड के फैसले का तुरंत फायदा मिला क्योंकि उनके तेज गेंदबाजों ने हीट के टॉप ऑर्डर को तहस-नहस कर दिया। मेहमान टीम पहले छह ओवरों में 5 विकेट पर 21 रन बनाकर मुश्किल में पड़ गई, जिससे सूरज डूबने से पहले ही मैच लगभग खत्म हो गया था। लियाम स्कॉट और जेमी ओवरटन इस पतन के मुख्य सूत्रधार थे। स्कॉट विशेष रूप से प्रभावशाली रहे, उन्होंने अपने चार ओवरों में 2 विकेट पर 12 रन के शानदार आंकड़े के साथ गेंदबाजी समाप्त की, जबकि ओवरटन ने 19 रन पर 3 विकेट लिए।

हीट की मुश्किलें तब और बढ़ गई जब उनके खतरनाक बल्लेबाज मैट रेनशॉ आउट हो गए, जिन्हें लिन की शानदार डायरेक्ट-हिट फील्डिंग से क्रीज से बाहर रन आउट कर दिया गया। आधी टीम पवेलियन लौट जाने के बाद, हीट को एक मुश्किल पुनर्निर्माण चरण में जाना पड़ा। ह्यूग वेइबगेन और मैथ्यू कुह्नमैन ने कुछ देर तक संघर्ष किया, जिससे टीम तिहरे अंक तक पहुंच गई। वेइबगेन के जुझारू 28 रन और कुह्नमैन के 22 गेंदों में नाबाद 31 रन - जिसमें तीन छक्के शामिल थे - ने हीट को एक ऐसा स्कोर दिया जिसका वे कम से कम बचाव करने की कोशिश कर सकते थे। हालांकि, स्ट्राइकर्स के गेंदबाजों ने कभी भी दबाव कम नहीं होने दिया, और आखिरकार मेहमान टीम को अपनी पारी में दो गेंद शेष रहते 121 रन पर ऑल आउट कर दिया।

दीप्ति शर्मा टी-20 में सबसे अधिक विकेट लेने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनी

तिरुवनंतपुरम, 31 दिसंबर (वार्ता) ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा अंतरराष्ट्रीय टी-20 में महिला और पुरुष वर्ग दोनों में सबसे अधिक विकेट लेने वाली पहली भारतीय गेंदबाज बन गई है।

दीप्ति ने मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ खेले गए पांचवें अंतरराष्ट्रीय टी-20 में नीलाक्षिका सिल्वा को आउट कर मेगन शट के 151 विकेटों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। उन्होंने 2016 में पर्दापण के बाद से 133 मैचों में अपना 152वां टी-20 विकेट लेकर यह मुकाम हासिल किया। इसी के साथ दीप्ति ने ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज मेगन शट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस सूची में पाकिस्तान की निदा डार 144 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं। रवांडा की हेनरीट इशिम्वे 117 मैचों में 144 विकेट के साथ चौथे तथा इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन 101 मैचों 142 विकेट के साथ पांचवें स्थान पर है। इस उपलब्धि के साथ ही दीप्ति शर्मा महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने के झूलन गोस्वामी के रिकॉर्ड के करीब पहुंच रही हैं। दीप्ति के पास (टेस्ट में 20, एकदिवसीय में 162 और टी-20 में 152 विकेट) सहित कुल 334 विकेट हैं, जबकि गोस्वामी ने (टेस्ट में 44, एकदिवसीय में 255, टी-20 में 56 विकेट) कुल 355 विकेट के साथ सबसे आगे हैं। इंग्लैंड की कैथरीन साइवर-ब्रंट 335 विकेट के साथ दीप्ति से ठीक आगे हैं।

सरफराज के तूफानी शतक से मुंबई ने गोवा को 87 रनों से हराया

जयपुर, 31 दिसंबर। सरफराज खान (157) की तूफानी शतकीय, मुशीर खान (60) और हार्दिक तामोरे (53) की अर्धशतकीय पारियों के बाद शार्दुल ठाकुर (तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत मुंबई ने बुधवार को एलीट ग्रुप सी मुकाबले में गोवा को 87 रनों से शिकस्त दी।

444 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गोवा की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने अपने चार विकेट 120 के स्कोर तक गंवा दिये। अर्जुन तेंदुलकर (24), कश्यप बखाले (21), स्नेहल कौथनकर (27) और सुयश प्रभुदेसाई (31) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद मध्यम क्रम के बल्लेबाज ललित यादव और अभिनव तेजराणा ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए टीम को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट लिए 113 रनों की साझेदारी हुई। 40वें ओवर में सिल्वेस्टर डिसूजा ने ललित यादव को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। ललित यादव ने 66 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 64 रनों की पारी खेली।

गोवा का छठा विकेट अभिनव तेजराणा के रूप में गिरा। अभिनव तेजराणा ने 70 गेंदों में पांच चौके और आठ छक्के उड़ाते हुए 100 रन बनाये। इसके बाद 48वें ओवर में शार्दुल ठाकुर ने राजाशेखर हरिकांत (आठ) और दर्शन मिसाल (एक) को अपना शिकार बना लिया। 50वें ओवर में कप्तान दीपराज गांवकर नौवें विकेट के रूप में आउट हुये। गोवा की टीम निर्धारित 50 ओवरों में नौ विकेट पर 357 रन ही बना सकी और 87 रनों से मुकाबला हार गई।

मुंबई के लिए शार्दुल ठाकुर ने तीन विकेट लिये। यशस्वी जायसवाल ने गोवा के दो महत्वपूर्ण विकेट झटके। तुषार देशपांडे, मुशीर खान और सिल्वेस्टर डिसूजा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

बीसीसीआई विजय हजारे ट्रॉफी (राजस्थान- केरल मैच) केरल जीती : जयपुर में महराष्ट्र , पंजाब , छत्तीसगढ जीती, राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जयपुर में खेली जा रही बीसीसीआई विजय हजारे टॉफी के मैचों का परिणाम व राजस्थान - केरल मैच : - अहमदाबाद में आज विजय हजारे ट्रॉफी के राजस्थान - केरल मैच में राजस्थान के करण लाम्बा का शतक। केरल जीती। राजस्थान पारी 343/7, करण लाम्बा नाबाद 119 (131 गेंद , 6 चौक्के , 4 छक्के), दीपक हूडा 86 (83 गेंद , 4 चौक्के , 6 छक्के), आदित्य सिंह 25, अजय कुकना 23, मानव सुथार 21 रन। केरल पारी 348/8, टीम के लिए बाबा अपराजित 126 , कृष्णा 53 , ऐडहन टॉम नाबाद 40 , विष्णु 28 , अज़हरुद्दीन 28 , अंकित शर्मा 27 रन। राजस्थान के गेंदबाज अनिकेत चौधरी 67/4, मानव सुथार 45/2 , अशोक शर्मा 71/1 विकेट। सवाई मान सिंह स्टेडियम छत्तीसगढ़ - सिक्किम मैच (छत्तीसगढ़ जीती), छत्तीसगढ़ पारी 355 / 3, सिक्किम पारी 126 आल आउट। के एल सैनी स्टेडियम पंजाब - हिमाचल मैच (पंजाब जीती), हिमाचल पारी 221 आल आउटपंजाब पारी 223/4,

अंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी में राजस्थान - बिहार के मध्य प्रदेश के मुरैना में खेला जा रहा मैच ड्रा समाप्त , राजस्थान को पहली पारी में बढ़त। राजस्थान पहली पारी 184 आल आउट। टीम के लिए शौर्य मेहरा नाबाद 51, यश शर्मा 40 रन। बिहार के गेंदबाज विवेक 51/6 व मनदीप 49/2 विकेट। बिहार पहली पारी 131आल आउट। राजस्थान के गेंदबाज शोभाग सिंह 41/5, शौर्य 16/2 व रोहन 27/2 विकेट। राजस्थान दूसरी पारी 158/2, टीम के लिए शिफॉन खान 100 , गौरव सैनी 44 रन।

ओ एन दीक्षित जिला बैडमिंटन में वर्षा सिंह ने अंडर 17 बालिका वर्ग की प्रथम वरीयता को हराया

जयपुर, 31 दिसम्बर। ओ एन दीक्षित जिला बैडमिंटन में आज वर्षा सिंह ने अंडर 17 बालिका वर्ग की प्रथम वरीयता आराध्या ढींगरा को कड़े संघर्ष भरे तीन गेमों में दूसरेराउंड में हराकर बाहर किया।

जिला सचिव सचिव मनोज दासोत ने मुख्य अतिथि यश समिति के अध्यक्ष आशीष सराफ तथा समाजसेवी पराग लश्करी का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

वही अंडर 11 बालिका वर्ग एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रथम वरीयता राशि सिंघल ने हानिका को नितिशा गॉड ने मालविका को गीताश्री टाक ने दीपावली को तथा दूसरी वरीयता की रूहानी यादव ने निशिका नाग को क्वार्टर फाइनल में हरा सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

अंडर 11 बालक एकल में नैतिक बंसल, आर्यन अग्रवाल, अक्षित ,हिमाक्ष , शिव चौहान ,आदित्य वत्स, मेहुल

शर्मा , लक्षित रेवार क्वार्टर फाइनल में पहुंचे।

बालक वर्ग अंडर 13 एकल में अनीश चाहर मुदित पांडे ,प्रणव मूलचंदानी, पूनया मिगलानी ,बोररूद्दीन हसन, नैतिक बंसल , वैदेह जैन और मानवेंद्र क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। **अंडर 13 बालिका वर्ग एकल** में पद्मजा सिंह ,गौरिका गोयल , मोहिका कौशल ,माही सैनी ,नितिशा गोड ,आराध्या बिश्नोई, काहिरा आर्य और हनिका क्वार्टर फाइनल में पहुंचे वहीं अंडर 15 बालक व बालिका।

वर्ग के 16-16 खिलाड़ी प्री क्वार्टर में पहुंचे **अडर 17 बालक एकल** के मैच देर रात तक जारी रहे प्रतियोगिता सचिव अतुल गुप्ता के अनुसार कलअंडर 11 ,13 ,15 ,17 ,19में बालक बालिका वर्ग के एकल मैच खेले जाएंगे। तथापुरुष वर्ग के भी मैच कल शाम से प्रारंभ हो जाएंगे । अतुल गुप्ता ने विशिष्ट अतिथि ललित भारद्वाज ,रोहित अजमेरा, विवेक शर्मा का स्वागत किया।

मानिनी भारतीय महिला 50 मीटर प्रोन राइफल टीम की अगुवाई करेंगी

जयपुर, 31 दिसम्बर। मानिनी एक बार फिर 2 फरवरी से 14 फरवरी तक नई दिल्ली के डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में होने वाली एशियन राइफल पिस्टल चैंपियनशिप 2026 में भारतीय महिला 50 मीटर प्रोन राइफल टीम

की अगुवाई करेंगी। इस इवेंट में नेशनल रैंकिंग में नंबर एक होने के नाते, वह चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने के लिए मुख्य खिलाड़ी होंगी। मानिनी ने अगस्त 2025 में कजाकिस्तान के शिमकेंट में हुई पिछली एशियन चैंपियनशिप में भारतीय टीम की अगुवाई की थी, जहाँ वह व्यक्तिगत इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतने में कामयाब रहीं और टीम के लिए सिल्वर मेडल जीतने में भी अहम भूमिका निभाई ।

जनवरी 2022 से दिसम्बर 2023 तक के आवेदन नहीं करने वालों को एक और मौका

जयपुर, 31 दिसम्बर। राजस्थान क्रीड़ा सहायता अनुदान नियम, 2022 के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक विजेता खिलाड़ियों को प्रदान की जाने वाली क्रीड़ा सहायता अनुदान योजना के अंतर्गत पात्र खिलाड़ियों को एक और अवसर प्रदान किए जाने का निर्णय लिया गया है। संयुक्त शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग तथा राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की सचिव नीतू बारूपाल ने बताया कि पूर्व में आवेदन वर्ष 01 जनवरी 2022 से दिसम्बर 2023 तक की उपलब्धियों हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर 2024 निर्धारित की गई थी। अब उन खिलाड़ियों के हित में, जो किसी कारणवश समय पर आवेदन नहीं कर सके थे, अनुदान पोर्टल को पुनः खोले जाने का निर्णय लिया गया है।

उन्होंने बताया कि इस निर्णय के अंतर्गत 01 जनवरी 2022 से आज दिनांक तक की पात्र खेल उपलब्धियों के लिए खिलाड़ी दिनांक

31 जनवरी 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। यह कदम खिलाड़ियों की सुविधा एवं व्यापक जनहित को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है, जिससे कोई भी पात्र खिलाड़ी इस योजना के लाभ से वंचित न रहे।

श्रीमती नीतू बारूपाल ने बताया कि पात्र खिलाड़ी राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के अधिकृत अनुदान पोर्टल https://rssc.in पर जाकर निर्धारित अवधि में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। योजना से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश पोर्टल पर उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को सपरिवार डीग स्थित श्रीनाथजी मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर से गोवर्धन पर्वत की लगभग 21 किलोमीटर की सप्तकोसीय परिक्रमा पूरी की। मुख्यमंत्री ने अन्य श्रद्धालुओं की तरह 'पांच दंडवती' (साष्टांग प्रणाम) लगाकर सप्तकोसीय परिक्रमा प्रारंभ की। इस दौरान उन्होंने मुखारविंद, मानसी गंगा एवं दानघाटी मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना की। परिक्रमा के दौरान स्थानीय नागरिकों, साधु-संतों और श्रद्धालुओं ने उनका भव्य स्वागत और अभिनंदन किया।

अजिताभ शर्मा, आलोक गुप्ता, दिनेश कुमार, राजेश यादव अतिरिक्त मुख्य सचिव बने

राज्य सरकार ने नव वर्ष की पूर्व संध्या पर 61 आईएएस अधिकारियों की पदोन्नति की

आईएएस अजिताभ शर्मा

आईएएस आलोक गुप्ता

आईएएस दिनेश कुमार

आईएएस राजेश कुमार यादव

जयपुर, 31 दिसंबर (कासं)। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) के 1996 बैच के चार वरिष्ठ अधिकारी, अजिताभ शर्मा, आलोक गुप्ता, दिनेश कुमार और राजेश कुमार यादव को राज्य सरकार ने पदोन्नति देकर अतिरिक्त मुख्य सचिव बनाया है। उन्हें ''अबोव सुपरटाइम वेतन श्रृंखला'' से मुख्य सचिव वेतन श्रृंखला में पदोन्नत किया गया है। राज्य सरकार ने 31 दिसंबर को आदेश जारी कर राजस्थान के 61 आई.ए.एस. अधिकारियों को पदोन्नति दी है।

इसी प्रकार वर्ष 2001 बैच के आई.ए.एस. नवीन जैन और कृष्णकांत पाठक (केके पाठक) को सचिव से प्रमुख सचिव के पद पर पदोन्नति दी गई है। इन्हें सुपर टाइम से अबोव सुपर टाइम वेतन श्रृंखला में पदोन्नत किया गया है।

इसी प्रकार वर्ष 2010 बैच के 11 आईएएस को चयन वेतन श्रृंखला से सुपरटाइम वेतन श्रृंखला में प्रमोशन दिया गया है। इनमें जयपुर कलेक्टर जितेन्द्र सोनी, प्रकाश राजपुरोहित, इंद्रजीत सिंह, नेहा गिरी, विश्व मोहन शर्मा, कन्हैयालाल स्वामी, नलिनी कठोतिया, राजेन्द्र विजय, शक्ति सिंह राठौड़, प्रज्ञा केवलरमानी और महावीर प्रसाद शामिल है।

इसी तरह वर्ष 2013 के बैच के 22 आईएएस अफसरों को आईएएस की जूनियर स्केल से सिलेक्शन स्केल में प्रमोट किया गया है। इनमें आशीष गुप्ता, नथमल डिडेल, नम्रता वृष्णि, कानाराम, अंशदीप, आलोक रंजन,

आईएएस के के पाठक

आईएएस नवीन जैन

निकया गोहाएन, अरविंद कुमार पोसवाल, प्रदीप के. गवांडे, महावीर प्रसाद मीणा, खजान सिंह, डॉ. रश्मि शर्मा, लक्ष्मी नारायण मंत्री, इकबाल खान, कल्पना अग्रवाल, डॉ. मनीषा अरोड़ा, पुष्पा सत्यानी, पुखराज सेन, श्रुति भारद्वाज, अरुण कुमार पुरोहित, मुकुल शर्मा और अजय सिंह राठौड़ शामिल है।

इसी तरह वर्ष 2017 बैच के 10 आई.ए.एस. अधिकारियों को आईएएस की वरिष्ठ वेतन श्रृंखला से कनिष्ठ प्रशासनिक वेतन श्रृंखला (लैवल 12) में पदोन्नत किया है। इनमें उत्सव कौशल, डॉ. गौरव सैनी, श्वेता चौहान, अवधेश मीणा, देवेन्द्र कुमार, सुशील कुमार, अक्षय गोदारा, श्रीनिधि बी.टी, डॉ. सौम्या झा और डॉ. महेन्द्र खड़गावत शामिल है।

इसी प्रकार वर्ष 2022 बैच के 12 आई.ए.एस. अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा की कनिष्ठ वेतन श्रृंखला से वरिष्ठ वेतन श्रृंखला में पदोन्नति दी गई है। इनमें यक्ष चौधरी, प्रीतम कुमार, यशार्थ शेखर, डॉ. अंशु प्रिया, सक्षम गोयल, दिव्यांश सिंह, श्रद्धा गोमे, मोहित कासनिया, भैसारे शुभम अशोक, सोनिका कुमारी, श्रेष्ठा श्री और चारू शामिल है।

राज्य सरकार ने इसी आदेश में 7 अधिकारियों को पदोन्नत करके यथावत कार्यभार भी सौंपा है। आदेश के मुताबिक, अजिताभ शर्मा को अतिरिक्त मुख्य सचिव, ऊर्जा विभाग, दिनेश कुमार को अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रशासनिक सुधार एंव समन्वय, जन अभियोग, निराकरण, मुद्रण एंव लेखन सामग्री विभाग का जिम्मा सौंपा है। इसी प्रकार राजेश कुमार यादव को महानिदेशक, हरीशचंद्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान एवं पदेन अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रशिक्षण राजस्थान की जिम्मेदारी सौंपी है।

इसी तरह नवीन जैन को प्रमुख शासन सचिव, सामान्य प्रशासन, मंत्रिमंडल सचिवालय, संपदा, स्टेट मोटर गैराज एवं नागरिक उड्डयन विभाग एवं पदेन चीफ ऑफ प्रोटोकॉल एवं महानिदेशक, नागरिक उड्डयन राजस्थान जयपुर एवं आवासीय आयुक्त नई दिल्ली का जिम्मा सौंपा है। नथमल डिडेल को वित्त (कर) विभाग में विशिष्ट शासन सचिव लगाया है। वहीं, अरविंद पोसवाल को मुख्यमंत्री का विशिष्ट सचिव बनाया है, वे पूर्व में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत थे। इकबाल खान को आयुक्त एवं विशिष्ट शासन सचिव, नि:शक्तजन राजस्थान का कार्यभार सौंपा है।

- **राज्य के 2010 बैच के आईएएस अधिकारियों को सुपर टाइम स्केल में प्रमोशन मिला है। इसी तरह 2013 बैच के 22 आईएएस अधिकारियों को सलैक्शन स्केल दिया गया है और 2017 बैच के 10 आईएएस अधिकारियों को कनिष्ठ प्रशासनिक वेतन श्रृंखला में पदोन्नति दी गई। वर्ष 2022 बैच के आईएएस अधिकारियों को वरिष्ठ श्रृंखला में प्रमोशन दिया।**

भारत ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बताया कि भारत में इस घटक (साल्ट) का प्रयोग सामान्य रूप से दर्द और बुखार में होता है। इसके उच्च खुराक के सेवन से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

यह सलाह स्वास्थ्य विशेषज्ञों की उन चिंताओं के बाद आयी, जिनमें रोगियों में लीवर को नुकसान पहुंचने की आशंका जतायी गयी थी। चिंताओं में चेतावनी दी गयी थी कि कुछ मामलों में यह घातक हो सकती है। भारतीय औषधि नियामक (सीडीएससीओ) ने भी केंद्र के फैसले का समर्थन किया है।

यह निर्णय हमारे देश में गिद्धों की घटती आबादी को लेकर पर्यावरणीय चिंताओं से पैदा हुआ। पैनल ने चेतावनी दी कि निमेसुलाइड गिद्धों के लिए खतरनाक है। बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान ने संयुक्त रूप से पक्षियों की आबादी में ड्रग की सुरक्षा रिपोर्ट का परीक्षण करने के लिए अध्ययन किया। रिपोर्टों से पता चला कि जिन गिद्धों को निमेसुलाइड दी गयी, वे दवा देने के 24 घंटे के भीतर मर गये।

राजकीय सम्मान के साथ ख़ालिदा ज़िया का अंतिम संस्कार

विदेश मंत्री जयशंकर ने रहमान को प्र.मंत्री मोदी का संवेदना पत्र दिया

ढाका, 31 दिसंबर। बंगलादेश की तीन बार प्रधानमंत्री रहीं बेगम खालिदा जिया को बुधवार को प्रशंसकों एवं समर्थकों की भारी भीड़ के बीच शाम करीब 4:30 बजे सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी की अध्यक्ष एवं देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया को राजधानी के शेर-ए-बांग्ला नगर स्थित संसद भवन में उनके पति और पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की कब्र के निकट दफनाया गया। इस दुख की बेला पर हजारों लोगों ने उनके लिए दुआ की। प्रसिद्ध इस्लामिक विद्वान और बैतुल मुकर्रम मस्जिद के खतीब मुफ्ती मोहम्मद अब्दुल मलेक ने 3:02 बजे

- **बेगम ज़िया की सुपुर्द-ए-ख़ाक रस्म म कुछ ही लोगों को मौजूद रहने की इजाज़त दी गई थी। भारत तथा एशिया के कुछ अन्य देशों के प्रतिनिधि ख़ालिदा ज़िया की अंतिम यात्रा में मौजूद थे।**

माणिक मिया एवेन्यू पर जनाजे की नमाज पढ़ायी। बेगम जिया के दफन में शामिल होने की कुछ चुनिन्दा लोगों को ही इजाजत थी। इसमें उनके परिवार के सदस्य, वरिष्ठ राज्य अधिकारी, सरकारी अधिकारी, विदेशी मेहमान, राजनयिक और बीएनपी के वरिष्ठ राजनेता मौजूद थे। उनके दफन में मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस, चुनिंदा बीएनपी नेता, अन्य राजनीतिक पार्टियों के नेता और तीनों सेनाओं के प्रमुख शामिल हुए। पूर्व प्रधानमंत्री के आखिरी सफर में भारत, पाकिस्तान, दक्षिण तथा दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के प्रतिनिधि और अन्य विदेशी गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे। इससे पहले जयशंकर ने बेगम खालिदा जिया के पुत्र तारिक रहमान से निजी रूप से मुलाकात कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पत्र सौंपा।

अजित पवार ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिक सीटों पर चुनाव लडने की संभावना है। इस सूची में मलिक परिवार के तीन सदस्य शामिल हैं - मलिक के भाई कप्तान मलिक वार्ड नंबर 165 से, उनकी बहन डॉ. सईदा मलिक वार्ड नंबर 168 से और भतीजी बुशरा मलिक वार्ड नंबर 170 से चुनाव लडेंगी। मलिक परिवार कुर्ला-अणुशक्ति नगर क्षेत्र में प्रभावी है।

उल्लेखनीय है कि मलिक को 23 फरवरी 2022 को एन्फोर्समेन्ट डायरेक्ट्रेट (ईडी) ने प्रिवेन्शन ऑफ मनी लॉन्डरिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी पाकिस्तान स्थित अंडरवर्ल्ड डॉन और 1993 के सीरियल बम विस्फोटों के मास्टरमाइंड दाऊद इब्राहीम की गतिविधियों से जुड़ी मनी लॉन्डरिंग जांच से संबंधित थी। प्रवर्तन निदेशालय ने मलिक पर कुर्ला दाऊद इब्राहीम की गवाला बिल्डिंग की संपत्ति खरीदने का आरोप लगाया था।

संपत्ति की पावर ऑफ अटॉर्नी सरदार शाह वली खान, जो 1993 के बम धमाके मामले में सजा काट रहा है, और सलीम पटेल, जो दाऊद इब्राहीम की स्व. बहन हसीना पार्कर का प्रतिनिधि था, के नाम थी। ईडी का मामला एनआईए द्वारा दाऊद इब्राहीम-मनी लाउंड्रिंग मामले में दर्ज एफआईआर के बाद आया था। 11 अगस्त 2023 को, सुप्रीम कोर्ट ने मलिक को मैडिकल ग्राउण्ड पर जमानत दे दी थी, और तीन दिन बाद, उसे अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी।

इंदौर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दूषित पानी पीने से 12लोगों की मौत के मामले में हाई कोर्ट में बुधवार को जनहित याचिका दायर की गई, जिसकी सुनवाई के बाद कोर्ट ने 2 जनवरी तक स्टेटस रिपोर्ट प्रशासन से मांगी है।

जहरीले पानी के मामले में जनहित याचिका वकील रितेश इनानी ने दायर की है। एक अन्य याचिका पूर्व पार्षद महेश गर्ग और प्रमोद द्विवेदी ने दायर की है। एडवोकेट द्वारा दायर याचिका में इसमें दोषी अफसर के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि आम आदमी की जान के साथ अफसरों ने लापरवाही की। मामले के दोषियों को दंडित किया जाना चाहिए। कोर्ट ने सरकार से इस मामले की 2 जनवरी तक स्टेटस रिपोर्ट पेश करने को कहा है। एडवोकेट इनानी ने बताया कि कोर्ट ने पीडितों का निशुल्क इलाज करने के निर्देश भी दिए हैं।

दिल्ली ने सबसे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डिग्री से ज्यादा की गिरावट देखी गयी। इस वजह से मौसम विभाग ने बुधवार के लिए 'कोल्ड डे' की चेतावनी जारी की।

दिनभर आसमान में घने बादल छाये रहे और धूप नहीं निकलने से ठंड और ज्यादा महसूस की गयी। ठंडी हवाओं ने सुबह से ही लोगों को घरों में दुबकने पर मजबूर कर दिया। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण दिल्ली और आसपास के इलाकों में यह ठंड बढ़ी है।

सेवाकाल की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सेवा की गणना भी उसी दिन से होनी चाहिए थी। राज्य सरकार की मनमानी से उसे सेवा परिलाभ देरी से दिए गए और इस कारण वह अपने साथी शिक्षकों से पिछड़ गई। इसलिए उसकी प्रथम नियुक्ति तिथि से ही सेवा काल की गणना करते हुए समस्त परिलाभ दिए जाएं। मामले की सुनवाई करते हुए हुए अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिए हैं कि वह याचिकाकर्ता को समस्त सेवा परिलाभ प्रथम नियुक्ति तिथि से गणना कर अदा करे।

'ऑपरेशन सिंदूर में मध्यस्थता पर चीन का दावा भारत के साथ मज़ाक'

नयी दिल्ली, 31 दिसंबर। कांग्रेस ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के बाद अब चीन दावा कर रहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच इस साल हुए सैन्य कार्रवाई में उसकी मध्यस्थता से अचानक ऑपरेशन सिन्दूर रोका गया था। पार्टी ने इसे भारत के साथ मजाक करार दिया और कहा कि सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर सरकार ने जो कुछ बताया, ये दावे उसके विपरीत है और इस तरह के दावे देश की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाते हैं। इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इसका जवाब देना चाहिए।

- **कांग्रेस ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को इसके लिए जवाब देना चाहिए**

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने बुधवार को चीन के दावों को चिंताजनक बताते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प पहले ही बार-बार दावे कर रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान पर आयात शुल्क का डर दिखाकर दोनों देशों (भारत-पाकिस्तान) के बीच संघर्ष को रुकवाया था और अब चीन भी दावा कर रहा है और इस पर मोदी की चुप्पी बेहद परेशान करने वाली है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि इस बारे में चार जुलाई को उप सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह ने सार्वजनिक रूप से कहा, ''ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान भारत असल में चीन का सामना कर रहा था और उससे लड़ रहा था। चूंकि चीन निर्णायक रूप से पाकिस्तान के साथ खड़ा था, ऐसे में भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने के चीन के दावे चिंताजनक हैं और यह सिर्फ इसलिए नहीं कि वे देश की जनता को दी गई जानकारी के उलट हैं, बल्कि इसलिए भी कि वे हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का मज़ाक बनाते प्रतीत होते हैं।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''इस दावे को चीन के साथ हमारे संबंधों के संदर्भ में भी समझा जाना चाहिए, क्योंकि भारत ने चीन से बातचीत शुरु कर दी है, लेकिन दुर्भाग्य से बातचीत चीन के शर्तों पर हो रही है।

'यूक्रेन, रूस का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और क्षेत्र बढ़ना चाहिए और रूस खुद को साम्राज्य मानता है।''यह चेतावनी क्रेमलिन की बढ़ती विद्रोही बयानबाजी के बीच आई है। अपने वार्षिक टेलीविजन प्रश्नोत्तर सत्र में, पुतिन ने आगे सैन्य कार्रवाई से इनकार करने से मना कर दिया और कहा कि बीबीसी रूस केवल तभी तनाव को बढ़ने से रोकेगा, यदि पश्चिम ''सम्मान'' दिखाए और मॉस्को के हितों को स्वीकार करे। उन्होंने फिर से नाटो के पूर्वी विस्तार को एक विवाद का कारण बताया और पश्चिमी शक्तियों पर धोखाधड़ी और उकसावे का आरोप लगाया। पुतिन ने यूरोपीय नेताओं पर भी दोष मढ़ते हुए कहा कि उन्होंने ''यह स्थिति खुद बनाई है'' और जानबूझकर रूस के साथ युद्ध के डर को बढ़ावा दे रहे हैं। पहले के बयान में, उन्होंने यूरोपीय संघ के नेताओं को अवसरवादी बताते हुए कहा कि वे रूस के पतन से लाभ उठाने के लिए इंतजार कर रहे हैं। शांति वार्ताओं के ठप्प होने, सैन्य योजनाओं के तेज़ी से लागू होने और परमाणु-संभावित तनावों के बीच, बुडानोव का मूल्यांकन एक गंभीर संभावना को उजागर करता है कि यूक्रेन अंततः खेल का अंत नहीं हो सकता, बल्कि एक बहुत बड़े संघर्ष की शुरुआत भी हो सकता है, जो दुनिया को 1945 के बाद के सबसे खतरनाक युद्ध में खींच सकता है।

सरकार ने वोडाफोन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समर्थन, नए पूंजी निवेश और परिचालन प्रदर्शन में सुधार पर निर्भर हैं।

कुछ हिस्सेदारों को उम्मीद थी कि कैबिनेट एजीआर कर्ज का एक हिस्सा या पूरी राशि माफ कर सकती है। इसके बजाय, सरकार ने मोरेटोरियम का विकल्प चुना, जो कंपनी को अपने संचालन को स्थिर करने के लिए समय देने वाला कदम माना जा रहा है

सूत्रों के अनुसार, फ्रीज़ किए गए कर्ज का पुनर्मूल्यांकन एक समिति द्वारा ऑडिट रिपोर्ट्स के आधार पर किया जाएगा और समिति का निर्णय दोनों पक्षों पर बाध्यकारी होगा। सूत्रों ने यह भी कहा कि कैबिनेट के फैसले सरकार के हितों की रक्षा के उद्देश्य से थे, खासकर क्योंकि अब सरकार के पास वोडाफोन आइडिया में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ये उपाय भी कर्ज की व्यवस्थित वसूली, दूरसंचार क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बनाए रखने और कंपनी के लगभग 20 करोड़ उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने के लिए उठाए गए थे।

वोडाफोन आइडिया को बचाने का निर्णय यह दिखाता है कि सत्ता में बैठी सरकार बडे उद्योग और व्यापार की तरफ भारी झुकी हुई है, जबकि बेरोज़गारी, ग्रामीण संकट और बढ़ती कीमतों से जूझ रहे आम लोगों के प्रति इसकी पक्षपाती नीति आज के फैसले से साफ दिखाई देती है।

ममता बजर्नी विधानसभा चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **अब ममता जी ने दीघा के समुद्र तट पर विशाल जगन्नाथ मंदिर बनाया है, पुरी के जगन्नाथ मंदिर के समान। वे नये आधुनिक, नये शहर, न्यू टाउन में भी ''दुर्गांगन'' का निर्माण करा रही हैं। दीघा स्थित नए जगन्नाथ मंदिर का संचालन उन्होंने इस्कॉन को सौंप दिया है।**
- **क्या ममता बनर्जी दो घोड़ों, हिंदू व मुसलमान वोट बैंक, पर एक साथ सवारी करने का असंभव काम कर पाएंगी या धरातल पर गिर जाएंगी इस प्रयास में। अब तक वे अपनी राजनीतिक चतुराई से अपना हर लक्ष्य प्राप्त करती आई हैं। पर, इस बार शायद कुछ बड़ा ही ग्रास मुंह में रख लिया है, जिसे चबाना बहुत कठिन लग रहा है।**

दरअसल ममता की रणनीति का एक मुख्य आधार ही कांग्रेस को तोड़कर अपनी पार्टी को मजबूत करना था, क्योंकि वे खुद भी कभी कांग्रेस में थीं और युवा नेता के रूप में उन्हें राजीव गांधी का विशेष समर्थन मिला था। ये राजीव गांधी ही थे, जिन्होंने उन्हें पहली बार विदेश यात्रा पर भेजा था, जिसका जिक्र वे बाद में करती रहीं।

लेकिन जब उन्होंने अपनी नई पार्टी बनाई तो उन्होंने अपने मातृ संगठन से अलग होकर, कांग्रेस को तोड़कर, अपना संगठन खड़ा किया। अब, जबकि कांग्रेस लगभग मिट चुकी है, तो ममता ने कांग्रेस के वोट बैंक को बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास किया, खासकर मुसलमानों के बीच।

इस रणनीति के तहत, ममता ने कई बार हदें पार कर दीं। कांग्रेस को हराने के बाद उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती वाम दलों, खासकर सीपीआई (एम), के मुस्लिम समर्थकों को अपने पाले में लाने की थी, जिसमें वह काफी हद तक सफल भी रहीं।

उनके कई अग्रिम पंक्ति के लड़ाके सीपीआई (एम) से आए हुए लोग थे, वे टूटकर आए थे, लेकिन बाद में वही लोग उनके लिए बोझ बन गए और उन्हें उनसे दूरी बनानी पड़ी। मुसलमानों को अपनी पार्टी में बड़ी संख्या में लाने के बाद अब उन्हें उतना फायदा नहीं मिल रहा, जितना पहले मिल रहा था।

उनके अधीन कई मुस्लिम नेता ममता की उम्मीद से ज्यादा महत्वाकांक्षी हो गए हैं और कुछ तो बगावती मूड में भी हैं। यह साफ नहीं है कि यह उनके खिलाफ असली विद्रोह है या सिर्फ दिखावा, लेकिन अब मुसलमान भी केवल छोटे-मोटे लाभों से संतुष्ट रहने के बजाय अपने राजनीतिक फायदे खुद तय करना चाहते हैं।

उनके ही एक बड़े और मजबूत नेता हुमायूं कबीर अब बहुत बड़े हो गए है और उन्होंने ममता को सीधी चुनौती दे दी है। उन्होंने अपनी अलग पार्टी बना ली है और मुसलमानों की निष्ठा अपने साथ होने का दावा कर रहे हैं। उनका आकलन है कि जब उनकी पार्टी मुस्लिम वोट खींच लेगी, तब वे राज्य में किंगमेकर की भूमिका निभाएंगे, क्योंकि कोई भी बड़ा दल अकेले सरकार बनाने की स्थिति में नहीं होगा।

हालांकि यह अभी शुरुआती दिन हैं और यह साफ नहीं है कि मुस्लिम वोट अलग-अलग दलों के बीच किस तरह बंटेंगे। कुछ लोग कह रहे हैं कि मुस्लिम वोटों का एक हिस्सा फिर से कांग्रेस और सीपीआई (एम) की ओर लौटेगा, जबकि कुछ का मानना है कि कई छोटे मुस्लिम दल इन वोटों को अपनी ओर खींच लेंगे।

इन बदलते हालात को देखते हुए ममता बनर्जी अब अपना दायरा बढ़ाने और पश्चिम बंगाल की मुख्यधारा के वोट बैंक, यानी बंगाली हिंदुओं की ओर फिर से लौटने की कोशिश कर रही हैं। हिंदू वोटरों का समर्थन पाने के लिए ममता खुलेआम हिंदू मतदाताओं को रिझाने वाले कदम उठा रही हैं। ममता ने पहले ही दीघा में, जो ओडिशा सीमा के पास बंगाल का प्रसिद्ध समुद्री तट है, एक भव्य जगन्नाथ मंदिर बनवाया है। इस मंदिर की संरचना काफी हद तक पुरी के प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर जैसी है।

तथापि, कोई भी यह नहीं मानता कि यह मंदिर पुरी के मूल मंदिर की बराबरी कर सकता है। ममता ने दीघा के इस मंदिर का प्रबंधन इस्कॉन को सौंप दिया है। लेकिन इतना ही नहीं, आगे भी वो बहुत कुछ कर रही हैं।

कल ही उन्होंने राज्य के पॉश न्यू टाउन इलाके में ''दुर्गांगन'' परियोजना का शिलान्यास किया। बंगाल में दुर्गा से जुड़ी हर चीज का गहरा भावनात्मक असर होता है और अब उन्होंने हिंदुओं को आकर्षित करने के लिए दुर्गा मंदिर और पार्क की इस महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत की है।

लेकिन यह कार्यक्रम कई तरह के विवाद में फंस गया है। दुर्गा मंदिर के लिए चुनी गई जमीन को मुसलमानों की जमीन बताया गया और मुसलमानों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर दी, जिसके बाद अदालत ने निर्माण पर रोक लगा दी और आनन-फानन में मंदिर स्थल बदलना पड़ा।

निश्चित रूप से यही उनकी चुनावी रणनीति का अंत नहीं हो सकता। वे इस समय दो नावों पर सवार हैं, जो लगभग असंभव काम है। लेकिन उनका राजनीतिक कौशल दूसरे सभी खिलाड़ियों की मिली-जुली संपूर्ण काबिलियत से कहीं ज्यादा है।

संघ की मदद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आलोचकों और विश्लेषकों द्वारा इस अपील को, विशेषकर जनसांख्यिकी एवं सांस्कृतिक मुद्दों पर, भाजपा-आरएसएस के वैचारिक नैरेटिव के साथ जुड़ने का प्रयास माना जा रहा है। नायडू की पार्टी, टीडीपी औपचारिक रूप से भाजपा के संगठनात्मक ढांचे से बाहर भले ही है, लेकिन नायडू के ये कदम और उनका असर आसानी से अनदेखे नहीं किये जा सकते।

दिल्ली में भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने इस उभरते समीकरण को भागवत और नायडू के बीच एक ''संतुलन साधने का प्रयास'' बताया है, और कहा कि दोनों पक्ष आंतरिक अस्थिरता के बीच संवाद बनाए रखने में रुचि रखते हैं। विभिन्न सूत्रों के अनुसार, भाजपा के उच्च नेतृत्व के कुछ हिस्से हाल के संगठनात्मक निर्णयों से नाखुश हैं, विशेष रूप से एक अपेक्षाकृत अल्पज्ञात नितिन नबीन, जो बिहार के 45 वर्षीय विधायक हैं, को बिना व्यापक परामर्श के पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने को लेकर।

महत्वपूर्ण बात यह है कि इस फैसले के बारे में आरएसएस को भी अंतिम समय में ही सूचित किया गया था, जब निर्णय लिया जा चुका था। इन घटनाक्रमों ने भाजपा के भीतर नेतृत्व के उत्तराधिकार को लेकर असंतोष की चर्चा को हवा दी है।

पार्टी की आगे की राह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उत्तराधिकारी के सवाल पर चुपचाप बहस चल रही है। नायडू का नाम अब, कम से कम एक काल्पनिक विकल्प के रूप में, अनौपचारिक चर्चाओं में उभरने लगा है।

नायडू के करीबी सूत्रों का कहना है कि वे भाजपा-आरएसएस पारिस्थितिकी तंत्र में हो रहे मंथन पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं। उनके एक साथी ने कहा, ''सभी विकल्प खुले हैं'' और बताया कि अगर परिस्थितियाँ अनुकूल रहीं, तो नायडू एक बड़ी राष्ट्रीय भूमिका निभाने से परहेज नहीं करेंगे। भाजपा के कुछ अंदरूनी सूत्र, सतर्कता के साथ, कहते हैं कि यदि पार्टी एक संक्रमणकालीन या आम सहमति वाले नेता की तलाश करती है, तो नायडू के नाम पर एक अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में विचार किया जा सकता है, ताकि भाजपा को दक्षिण भारत में अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद मिल सके।

फिलहाल, यह सब केवल अनुमान हैं, न कि ठोस योजनाएं। फिर भी, राजनीति में, धारणाएं अक्सर वास्तविकता से पहले आती हैं। आरएसएस की ओर बढ़ रहे नायडू के कदमों, और भाजपा के आंतरिक असंतोष की वजह से आंध्र प्रदेश के नेता एक बार फिर राष्ट्रीय चर्चा का हिस्सा बन गए हैं, इस बार संघ से उनकी निकटता का असर आंध्र प्रदेश से कहीं आगे तक जाएगा।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600

Splendor+

Hero

5 करोड़~ सपनों की कहानी.
एक भरोसे की ज़ुबानी.

आज ही जुड़िए बढ़ते स्प्लेंडर परिवार के साथ और
मुस्कानों से भरे सफ़र की कीजिए शुरूआत.

नया Splendor+
XTEC 2.0

शुरूआती
एक्स-शोरूम कीमत
₹74 202#

पुराना एक्स-शोरूम
~~₹80 491~~

GST लाभ ₹6 289

सेगमेंट में पहली बार
ऐसे फ़ीचर्स#

हाई इंटेंसिटी पोज़िशन लैम्प के साथ LED हेडलाइट

हैज़र्ड लाइट विंकर

SMS और कॉल अलर्ट के साथ ब्लूटूथ

इको इंडिकेटर के साथ फुली डिज़िटल मीटर

Splendor+ WORLD'S NO.1 MOTORCYCLE

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* Conditions apply

TOLL FREE NO. 1800-266-0018

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - IL. New Delhi - 110070, India. | CIN: L.35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com . Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Based on the combined & cumulative dispatch volume of the Splendor range of motorcycles till March 2025. #Internal benchmarking on the basis of data available in public forums for 100cc segment bikes in India. Hero MotoCorp reserves the rights to modify or withdraw any or all the offers without prior notice. #Ex-showroom price of Splendor+ in Rajasthan.

अधिकृत डीलर: सीकर: देव हीरो, आरटीओ चौक के पास, 9289922874, मटोरिया हीरो, 9289922392, झुन्झूनूं: अजय हीरो, 9289922203, चुरू: महालक्ष्मी हीरो, डीटीओ ऑफिस के पास, 9289922872, एसोशिएट डीलर: सीकर: श्री श्याम मोटर्स, (चाला) 9602616888, झुन्झूनूं: हैप्पी मोटर्स, बुहाना 9828580799, अजय हीरो, 9289922203, चिड़ावा: इन्डीका मोटर्स, 9414080651, चुरू: अशोका मोटर्स, 8949434435, महालक्ष्मी हीरो 9289922872, सरदारशहर: नामदेव ऑटोमोबाईल, 9352251427, सुजानगढ़: तोदी मोटर्स, 9413177555, फतेहपुर शेखावटी: जय भवानी मोटर्स, 8107115421, नवलगढ़: गणपति ऑटोमोबाईल, 9414491842, श्री माधोपुर: श्री गुरूजी मोटर्स, 9928404786, लक्ष्मणगढ़: श्री बालाजी ऑटोमोबाईल, 9413858378, अजीतगढ़: श्री त्रिवेणी मोटर्स, 9414323389, रतनगढ़: जय आदित्य ऑटोमोबाईल्स, 9602910100, पिलानी: प्रदीप मोटर्स, 9602764951, नीम का थाना: बन्सिया ऑटोमोबाईल्स, 8003671799, सुल्ताना: नितिन मोटर्स, 8696332222, राजगढ़: सुबेश एन्टरप्राइजेज, 9116588885, गुढ़ा गौड़जी: शेखावाटी मोटर्स, 9529363953, छापर: भगवती मोटर्स, 9414956013, सिंघाना-झुंझुनू: ऑटो वर्ल्ड, 9413565209, सालासर: आदित्य मोटर्स, 9414402180, मुकुंदगढ़: श्रीराम मोटर्स, 8290554641, खाटू: हरिओम मोटर्स, 9887081642, सांडवा: बेनीवाल ऑटोमोबाइल्स, 9414422944, कातर छोटी: लिम्बा मोटर्स, 9782151100, पाटन: हिंदुस्तान ऑटोमोबाइल्स, 9829412885, राजलदेसर: ए डी ऑटो सेल्स, 9414676377, सूरजगढ़: फ्रेंड्स ऑटोमोबाइल, 9887476447.

RS/Hero/06/25